शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 77 | गुवाहाटी | बुधवार, 16 अक्तूबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भारत-कनाडा के बीच बिगड़े संबंध, ट्रूडो ने लगाए कड़े प्रतिबंध पेज 2
गुवाहाटी में मनाया गया महिला किसान दिवस पेज 3
हरियाणा के बाद गहलोत को महाराष्ट्र में मिली बड़ी जिम्मेदारी, पायलट को... पेज 5
चौथी हॉकी इंडिया महिला अंतर-विभागीय राष्ट्रीय चैंपियनशिप की ... पेज 7

मणिपुर में शांति बहाली के लिए मैतेई-कुकी और नागा समुदायों के विधायकों की बैठक

नई दिल्ली। मणिपुर में करीब 17 महीने पहले भड़की जातीय हिंसा के बाद अब राज्य में शांति बहाली के प्रयास तेज हो गए हैं। दरअसल पहली बार मैतेई, कुकी और नगा समुदायों के विधायकों ने मंगलवार को दिल्ली में बैठक की। बताया जा रहा है कि यह बैठक गृह मंत्रालय ने करवाया है, जिसका उद्देश्य मैतेई और कुकी समुदायों के बीच मतभेदों को दूर करना और राज्य में जारी संघर्ष जल्द से जल्द खत्म करना। बैठक में मैतेई समुदाय का प्रतिनिधित्व विधानसभा अध्यक्ष थोकचोम सत्यब्रत सिंह, विधायक थोंगम बसंतकुमार सिंह और तोंगब्राम रबिंद्रो ने किया। जबकि कुकी समुदाय की ओर से लेतपाओ हाओकिप और नेमचा किपगेन शामिल हुए। नगा समुदाय का प्रतिनिधित्व विधायक राम मुइवा, अवांगबो न्यूमई और एल दिखो ने किया। बैठक में कुल 17 विधायक शामिल हुए, इसमें 9 मैतेई समूह के, 5 कुकी समुदाय और 3 नागा समूह के विधायकों ने हिस्सा लिया। बैठक में गृह मंत्रालय के वार्ताकार एके मिश्रा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। हालांकि गृह मंत्री अमित शाह और मणिपुर के मुख्यमंत्री एन। बीरेन सिंह इस बैठक में शामिल नहीं हुए। सूत्रों के अनुसार, गृह मंत्रालय ने सभी संबंधित विधायकों और मंत्रियों को पत्रों और टेलीफोन कॉल के माध्यम से बैठक में भाग लेने का निमंत्रण दिया था। गौरतलब है कि करीब एक महीने पहले गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि मणिपुर में शांति स्थापित करने के लिए मेइती और कुकी समुदायों के बीच बातचीत -शेष पृष्ठ दो पर

जीएमसीएच में एचआईवी पॉजिटिव व्यक्ति को खून बेचते हुए पकड़ा गया

गुवाहाटी। असम के गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल (जीएमसीएच) में एक परेशान करने वाला खुलासा हुआ है, जहां दलालों और अवैध दाताओं से जुड़े खून बेचने वाले रैकेट का पता चला है। यह घोटाला तब सामने आया जब एक एचआईवी पॉजिटिव व्यक्ति को अस्पताल में खून बेचने की कोशिश करते हुए पकड़ा गया, जिसके बाद गहन जांच की गई, जिसमें अवैध व्यापार में शामिल एक व्यापक नेटवर्क का पता चला। इस ऑपरेशन में कथित तौर पर धुबड़ी और मनकाचर के कई युवक शामिल थे, जो नियमित रूप से जी.एम.सी.एच. में 2,000 रुपए प्रति यूनिट के हिसाब से रक्त बेच रहे थे। दो दलालों की गिरफ्तारी से इस रैकेट की जांच शुरू हो गई है, जिसमें से एक की पहचान लालबहादुर शेख के रूप में हुई है। दूसरे दलाल ने पैसे के लिए रक्त बेचने की बात कबूल की, जिसका एच.आई.वी. परीक्षण पॉजिटिव आया। चिंताजनक बात यह है कि उसने एक महीने पहले ही जी.एम.सी.एच. में रक्तदान किया था, जिससे अनजाने में कई लोगों की जान जोखिम में पड़ गई थी। अस्पताल के सुरक्षा अधिकारियों ने एचआईवी पॉजिटिव व्यक्ति को खून बेचने की उसकी हालिया कोशिश के दौरान रोका। पूछताछ के दौरान, उस व्यक्ति ने अपनी स्वास्थ्य स्थिति के बारे में अनभिज्ञता का दावा किया। उसने कहा कि मुझे नहीं पता था। मेरा विश्वास करो, अगर मुझे पता होता तो मैं ऐसा कभी नहीं करता। और कहा कि यह पैसे के लिए खून बेचने का उसका दूसरा मौका था। जीएमसीएच के अधीक्षक अभिषेक शर्मा ने मीडिया को संबोधित करते हुए बताया कि अस्पताल की रक्त जांच प्रक्रिया ने 24 अगस्त को रक्तदान के प्रयास के दौरान व्यक्ति की एचआईवी पॉजिटिव -शेष पृष्ठ दो पर

मेघालय-असम सीमा मुद्दा

छह विवादित क्षेत्रों का समाधान हुआ, छह और पर चर्चा जारी

गुवाहाटी। मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड सांग्मा ने कहा है कि असम के साथ चल रहे सीमा विवाद पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के सहयोग से कड़ी नजर रखी जा रही है। मेघालय के मुख्यमंत्री ने एएनआई पॉडकास्ट के दौरान इस संबंध में हुई महत्वपूर्ण प्रगति का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री सांग्मा ने बताया कि 12 विवादित क्षेत्रों में से 6 का समाधान हो चुका है, जबकि शेष 6 -शेष पृष्ठ दो पर

रुपोही में भाजपा और कांग्रेस के बीच झड़प, कई घायल, वाहन क्षतिग्रस्त

रुपोही। असम के रुपोहीहाट में आज उस समय गरमागरम स्थिति उत्पन्न हो गई जब भाजपा और कांग्रेस दोनों के समर्थकों के बीच झड़प हो गई। सूत्रों के अनुसार, यह टकराव तब शुरू हुआ जब कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा समर्थकों ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया। विवाद तेजी से बढ़ गया, एक उत्तेजित भाजपा कार्यकर्ता ने कथित तौर पर तोड़फोड़ की, एक कार की खिड़की तोड़ दी और संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। इसके बाद मची अफरातफरी में दोनों पार्टियों के कई समर्थक घायल हो गए और स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि तनावपूर्ण गतिरोध के कारण प्रतिद्वंद्वी पार्टी के समर्थकों के बीच हाथापाई हुई, जिससे क्षेत्र में चुनाव गतिविधियों के तेज होने के साथ ही और अधिक अशांति की संभावना के बारे में चिंता बढ़ गई। अधिकारी स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं, और किसी भी तरह की और वृद्धि को रोकने के -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

किसी लक्ष्य की सिद्धि में कभी शत्रु का साथ न करें।
- आचार्य चाणक्य

एग्जिट पोल्स पर ईसी सख्त, कहा-

आठ बजे से रुझान दिखाना बेतुका

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने मंगलवार को महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनावों के लिए तारीखों का एलान कर दिया। महाराष्ट्र में जहां एक चरण में वोटिंग होनी है तो वहीं झारखंड में दो चरणों में मतदान कराने का एलान किया गया है। दोनों राज्यों में 23 नवंबर को नतीजें आएंगे। चुनाव कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों द्वारा एग्जिट पोल और रुझानों को लेकर पूछे सवाल पर मुख्य चुनाय आयुक्त ने खुलकर अपनी बात रखी। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि एग्जिट पोल्स के विषय को हम छूना नहीं चाहते थे, लेकिन चूंकि आप लोग पूछ रहे हैं तो बता देते हैं। एग्जिट पोल्स के जरिए एक अपेक्षाएं तय हो जाती हैं। इससे बहुत बड़ा -शेष पृष्ठ दो पर

महाराष्ट्र में एक और झारखंड में दो चरणों में मतदान, 23 नवंबर को आएंगे नतीजे

नई दिल्ली (हि.स.)। चुनाव आयोग ने मंगलवार को दो राज्यों महाराष्ट्र एवं झारखंड विधानसभा के लिए चुनाव कार्यक्रमों की घोषणा की। महाराष्ट्र की 288 सीटों के लिए एक चरण में 20 नवंबर और झारखंड की 81 सीटों के लिए दो चरणों में 13 और 20 नवंबर को मतदान होगा। इसके अलावा आयोग ने 48 विधानसभा और दो लोकसभा सीटों पर उपचुनाव की भी घोषणा की है। सभी के नतीजे 23 नवंबर को आएंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू के साथ आज दिल्ली के विज्ञान भवन में पत्रकार वार्ता की। इसमें उन्होंने चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की। चुनाव आयोग की ओर से जारी मतदान कार्यक्रम के अनुसार महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों के लिए एक चरण में मतदान होगा। 22 अक्तूबर को अधिसूचना जारी की जाएगी और -शेष पृष्ठ दो पर

असम की पांच विस सीटों पर 13 नवंबर को उपचुनाव

गुवाहाटी (हि.स.)। चुनाव आयोग ने मंगलवार को महाराष्ट्र-झारखंड के साथ 14 राज्यों की 48 विधानसभा और 2 लोकसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीखों का एलान किया। इनमें असम राज्य की पांच विधानसभा सीटों पर उपचुनाव भी शामिल है। इन पांच सीटों पर -शेष पृष्ठ दो पर

हिंदूओं के मन से डर को खत्म करने में कांग्रेस ने नहीं निभाई कोई भूमिका : फारूक

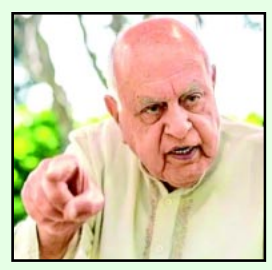

श्रीनगर। महाराष्ट्र और झारखंड में चुनावी तारीखों के एलान के बाद नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने इंडिया गठबंधन को लेकर एक बयान दिया। उन्होंने कहा कि मैं इंडिया गठबंधन के नेताओं से अनुरोध करता हूं कि वे महाराष्ट्र और झारखंड में जनता से जुड़ें। मुझे उम्मीद है कि महाराष्ट्र और झारखंड के चुनावों में इंडिया गठबंधन के नेता चुनावों को हल्के में नहीं लेंगे। -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

दो दिवसीय दौरे पर आज मेघालय आएंगे धनखड़

शिलांग (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 16-17 अक्तूबर को दो दिवसीय दौरे पर मेघालय आ रहे हैं। उपराष्ट्रपति की यात्रा के मद्देनजर शिलांग ट्रैफिक पुलिस ने गणमान्य व्यक्तियों की सुरक्षित और सुचारू यात्रा और आम जनता की सुविधा के लिए दिशा निर्देश जारी किए हैं। यातायात पुलिस अधिकारियों ने लोगों से अनावश्यक -शेष पृष्ठ दो पर

भारत का डिजिटल अनुभव दुनिया को बना सकता है सशक्त : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत ने दूरसंचार को समानता और अवसर के साधन के रूप में इस्तेमाल करके कनेक्टिविटी से आगे बढ़ कर सामाजिक-आर्थिक विभाजन को पाटने और पहुंच को मजबूत करने का काम किया है। दुनिया भारत के डिजिटल अनुभव का लाभ उठा कर जनकल्याण कार्यों को सशक्त बना सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्व सीजेआई रंजन गोगोई के खिलाफ याचिका को लेकर एससी में तीखी नोकझोंक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई के खिलाफ जांच की मांग वाली याचिका पर न्यायाधीशों और एक याचिकाकर्ता के बीच तीखी नोकझोंक देखी गई। अंततः सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने सुरक्षा बुलाई और वादी को अदालत कक्ष से बाहर निकालने को कहा। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने की, जिन्होंने अंततः अरुण रामचंद्र हुबलीकर द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया। पीठ ने हुबलीकर द्वारा बार-बार दायर किए गए आवेदनों पर निराशा जताई। न्यायमूर्ति त्रिवेदी ने टिप्पणी करते हुए कहा कि हम इसे समाप्त करने जा रहे हैं। पेशे से वकील हुबलीकर ने अपनी याचिका में न्यायमूर्ति गोगोई के खिलाफ इन-हाउस जांच का आह्वान किया। इसमें पूर्व सीजेआई पर हुबलीकर की अवैध समाप्ति से संबंधित फैसले में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया गया। उन्होंने तर्क दिया कि न्यायमूर्ति गोगोई के कार्यों ने उनके जीवन -शेष पृष्ठ दो पर

प्रियंका गांधी का चुनावी डेब्यू, वायनाड से लड़ेंगी लोस का उपचुनाव

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा वायनाड से पहली बार लोकसभा उपचुनाव लड़ेंगी। राम्या हरिदास चेलाक्कारा से और राहुल ममकूटथिल पलक्कड़ विधानसभा क्षेत्रों से चुनाव लड़ेंगे। यह सीट कांग्रेस नेता राहुल गांधी के इस्तीफे के बाद खाली हो गई थी। पलक्कड़ और चेलाकारा विधानसभा सीटों पर उपचुनाव 13 नवंबर को होंगे। राहुल के इस्तीफे के बाद ही कांग्रेस ने प्रियंका को वायनाड उम्मीदवार के रूप में घोषित -शेष पृष्ठ दो पर

एससीओ शिखर वार्ता के लिए पाकिस्तान पहुंचे विदेश मंत्री

इस्लामाबाद। विदेश मंत्री एस जयशंकर मंगलवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के एक सम्मेलन में भाग लेने के लिए इस्लामाबाद पहुंचे, ये किसी वरिष्ठ भारतीय मंत्री की पहली पाकिस्तान यात्रा थी। पाकिस्तान के वरिष्ठ अधिकारियों ने नूर खान एयरबेस पर -शेष पृष्ठ दो पर

ईरान को तबाह करने के मूड में नेतन्याहू! कहा-

इजराइल यूएस की बात सुनेगा लेकिन आखिरी फैसला हमारा होगा

नई दिल्ली। इजरायल और ईरान के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। इजरायल 1 अक्तूबर को ईरान द्वारा किए गए हमले का जवाब देने की तैयारी में है, जिसमें ईरान ने 180 बैलिस्टिक मिसाइलें दागी थीं। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से बातचीत करते हुए उन्हें इस जवाबी हमले की योजना से अवगत कराया है। नेतन्याहू ने कहा कि उनका इरादा ईरान की तेल या परमाणु सुविधाओं पर हमला करने का नहीं है, बल्कि उनका फोकस ईरानी सैन्य ठिकानों पर रहेगा। नेतन्याहू के कार्यालय ने मंगलवार को एक बयान जारी कर कहा कि इजरायल अमेरिका की सलाह सुनेगा, लेकिन अपने राष्ट्रीय हितों के अनुसार ही कार्रवाई करेगा। यह बयान वॉशिंगटन पोस्ट के एक लेख के साथ आया, जिसमें कहा गया था कि नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की सरकार को बताया कि इजरायल ईरान पर हमले में सैन्य ठिकानों को निशाना बनाएगा, -शेष पृष्ठ दो पर

सत्यमेव जयते
असम सरकार
क्या कोई सरकारी अधिकारी या कर्मचारी आपसे रिश्वत मांग रहा है ?
कृपया हमें सूचित करें
व्हाट्सएप नम्बर ▶ 60269 01243
टोल फ्री नम्बर ▶ 18003453767
नियंत्रण कक्ष ▶ 03612462295
एस. पी (I) ▶ 6026903418
एस. पी (IV) ▶ 6026903483
एस. पी (LAW) ▶ 6026903481
ईमेल ▶ complaints.vac@gmail.com
ट्विटर ▶ @DIR_VAC_ASSAM
सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय, असम गुवाहाटी ७८१०३२
https://dgvigilance.assam.gov.in/
-- Janasanyog /D/7535/24/16-Oct-24

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

भारत-कनाडा के बीच बिगड़े संबंध, ट्रूडो ने लगाए कड़े प्रतिबंध

नई दिल्ली। भारत और कनाडा के बीच बढ़ते तनाव के बाद कनाडा में पढ़ने की इच्छा रखने वाले छात्र, कनाडा में रहने वाले भारतीय और उत्तरी अमेरिकी देश में रहने वाले लोगों के परिवार काफी चिंतित हैं। भारत और कनाडा के बीच खराब होते संबंधों को देखते हुए कई लोगों ने आशंका जताई है कि उन्हें कनाडा में अपने रिश्तेदारों से मिलने के लिए वीजा हासिल करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद से ही भारत और कनाडा के तनावग्रस्त चल रहे हैं। निज्जर हत्याकांड की जांच में कनाडा सरकार वहां स्थित भारतीय उच्चायुक्त व उच्चायोग के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों की जांच करने जा रही है, जब यह बात भारत को पता लगी तो भारत सरकार ने पहले कनाडाई उच्चायोग के प्रभारी स्टीवर्ट व्हीलर को तलब किया और फिर 6 कनाडाई राजनयिकों को निष्कासित कर दिया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारतीय राजनयिकों को फंसाने की कोशिश की जा रही है। इसके बाद भारत ने कनाडा से अपने उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा व दूसरे अन्य अधिकारियों को वापस बुला लिया। देर शाम भारत ने कनाडा के उच्चायुक्त समेत छह राजनयिकों को निष्कासित कर, उन्हें 19 अक्तूबर तक भारत छोड़ने को कहा गया है। उधर, कनाडा ने भी छह भारतीय राजनयिकों को निष्कासित कर दिया। भारत और कनाडा के बीच बढ़ते कूटनीतिक विवाद ने कनाडा और भारत के कई परिवारों को चिंतित कर दिया है। कनाडा पंजाबियों के लिए पढ़ाई और बसने के लिए सबसे पसंदीदा देशों में से एक है। कपूरथला, जालंधर, होशियारपुर और शहीद भगत सिंह नगर (नवांशहर) सहित दोआबा क्षेत्र के कई लोग विदेशों में बसे हुए हैं, जिनमें से ज्यादातर कनाडा, अमेरिका और ब्रिटेन में हैं। होशियारपुर के गौतम नगर निवासी कुणाल सैनी ने ताजा घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि कनाडा में पढ़ाई करने का उनका सपना अब टूटता हुआ लग रहा है। उनकी बहन कनिका सैनी, जो तीन साल पहले स्टूडेंट वीजा पर कनाडा चली गई थीं, उन्हें भारतीय छात्रों के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में बताती रहती हैं। उन्होंने अपने भाई को बताया कि कनाडा सरकार ने कड़े प्रतिबंध लगाए हैं, खास तौर पर छात्रों को प्रति सप्ताह 20 घंटे काम करने की सीमा तय की है। इसका खास तौर पर उन लोगों पर असर पड़ा है जो मामूली पृष्ठभूमि से आते हैं, क्योंकि उन्हें सीमित अंशकालिक नौकरी के अवसरों के साथ अपने जीवनयापन के खर्च को पूरा करने में संघर्ष करना पड़ता है।

विभिन्न देशों की संसदों के अध्यक्षों ने की बिरला से मुलाकात

नई दिल्ली (हि.स.)। 149वीं अंतर संसदीय संघ (आईपीयू) एसेम्बली में भारतीय संसदीय शिष्टमंडल (आईपीडी) का नेतृत्व कर रहे लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कल जिनेवा में भारतीय प्रवासियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि साझा वैश्विक चुनौतियों के समाधान के उद्देश्य से वैश्विक संवाद में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका है। बिरला ने भारतीय प्रवासियों के कौशल, प्रतिभा और प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए कहा कि वे देश के ब्रांड एंबेसडर हैं और वे जिस देश में भी रहते हैं, वहां पारिवारिक संबंधों और सद्भाव को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने वैश्विक चुनौतियों के समाधान में भारत द्वारा निभाई जा रही अग्रणी भूमिका का उल्लेख करते हुए इस आत्मविश्वास का श्रेय सशक्त नेतृत्व तथा भारतवासियों और प्रवासियों की शक्ति और सामर्थ्य को दिया। बिरला ने कहा कि जिनेवा में रह रहे भारतीय समुदाय ने अपने देश के लिए प्रेम के साथ ही स्थानीय अर्थव्यवस्था तथा सांस्कृतिक विरासत में योगदान का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। अध्यक्ष ने भारत की समृद्ध परंपराओं और मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए एनआरआई समुदाय की सराहना की। उन्होंने कहा कि व्यवसाय, शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और कला जैसे विभिन्न क्षेत्रों में भारतीयों की उपलब्धियों की बात भी की। भारत और स्विट्जरलैंड के बीच गुटनिरपेक्षता और तटयूएसथता जैसे साझा मूल्यों पर आधारित दीर्घकालिक सौहार्दपूर्ण संबंधों की बात करते हुए बिरला ने दोनों देशों के बीच सहयोग का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, शिक्षा और पर्यावरण के क्षेत्रों में भारत-स्विस सहयोग बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि विश्व के सबसे युवा और तेजी से प्रगति कर रहे देशों में से एक, भारत में अपार ऊर्जा और अवसर मौजूद हैं। पिछले दशक में हुई प्रगति से 250 मिलियन लोगों की गरीबी दूर हुई है। बिरला ने कहा कि भारत डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर में अग्रणी है, जिससे समानता को बढ़ावा मिला है, भ्रष्टाचार कम हुआ है और साथ ही देश में विभिन्न क्षेत्रों में शोध और नवाचार में प्रगति हुई है। बिरला ने यह भी कहा कि भारत का विकास आर्थिक आंकड़ों से कहीं बढ़कर है और इसमें *मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया* और *स्किल इंडिया* जैसी पहलों के माध्यम से *विकसित, मजबूत और आत्मनिर्भर भारत* का लक्ष्य प्राप्त करने के साथ समावेशी विकास की प्रतिबद्धता शामिल है, जिससे देशवासी अधिकार सम्पन्न होंगे और राष्ट्र की प्रगति का मार्ग प्रशस्त होगा। 149वीं आईपीयू असेंबली में भाग लेने के लिए अपनी जिनेवा यात्रा के दौरान, लोक सभा अध्यक्ष बिरला ने सेशेल्स की नेशनल असेंबली के स्पीकर,रोजर मैनसिएन के साथ द्विपक्षीय वार्ता की, ओमान स्टेट काउंसिल की कंसलटेटिव एसेम्बली के स्पीकर खालिद अल मावली से भी मुलाकात की और नेशनल असेंबली के स्पीकर पीटर कजाविवि के साथ भी द्विपक्षीय वार्ता की।

दुमदुमा में सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत

तिनसुकिया (हिंस)। तिनसुकिया जिले के दुमदुमा रंगाजान में सोमवार की रात हुए एक भीषण सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने आज बताया कि रंजीत माला नामक मृतक की बोलेरो पिकअप वैन की चपेट में आने से मौत हुई। रंजीत माला सड़क पर चल रहा था, तभी अचानक बोलेरो ने उसे टक्कर मार दी। दुर्घटना का कारण बनने वाले बोलेरो (एआर- 20- 8305) को बाद में पकड़ लिया गया। घटना की सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। घटना के सिलसिले में एक प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है।

हाजो में 15 किलो गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार

कामरूप (हिंस)। हाजो पुलिस ने एक अभियान चलाकर भारी मात्रा में गांजा जब्त किया है। पुलिस ने आज बताया कि नबजीत नाथ के नेतृत्व में पुलिस टीम ने हीरक ज्योति भराली के हाजो के बागटा (गरैइमारी) स्थित आवास पर छापा मारा। अभियान में भारी मात्रा में गांजा बरामद किया गया। इस सिलसिले में हीरक ज्योति भंडारी नामक व्यक्ति को गिरफ्तार कर 15 किलोग्राम संदिग्ध गांजा, एक मोबाइल फोन और एक स्कूटी (एएस-25वी- 1913) जब्त किया गया। जब्त गांजे का बाजार में मूल्य डेढ़ लाख रुपए से अधिक बताया गया है। हाजो पुलिस गिरफ्तार तस्कर से पूछताछ कर रही है। उधर कामरूप पुलिस ने आज रंगिया स्टेशन पर चलाए गए एक अभियान में हेरोइन के साथ एक महिला तस्कर को गिरफ्तार किया। गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस छापेमारी के दौरान महिला की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान महिला के बैग से चार साबुन के बक्से में बरामद 48 ग्राम हेरोइन जब्त किए गए। पुलिस ने गिरफ्तार तस्कर के विरुद्ध एक प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है।

सिलापथार में लगी आग में घर जलकर राख

धेमाजी (हिंस)। धेमाजी जिले के सिलापथार माधुरीपथार के फूलबाड़ी नंबर 2 गांव में सोमवार की रात लगी भीषण आग में एक घर जलकर राख हो गया। पुलिस ने आज बताया कि जसबीर राय नामक शख्स का घर इस आग में पूरी तरह जल गया। पीड़ित ने बताया कि आग लगने से घर की संपत्ति के साथ ही पुराने सभी दस्तावेज भी जल गए। पीड़ित ने आरोप लगाया कि गांव की सड़क खराब होने के कारण फायर ब्रिगेड देर से मौके पर पहुंची। तबतक घर पूरी तरह से जल गया था। आग लगने के सही कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

No.SCDB/15th FC-504/pt-I/2021-22/635 *Dated: 23/08/2024*

SHORT NOTICE INVITING TENDER

Sealed tender affixing a non refundable court fee stamp of Rs, 8.25 (Rupees eight & paise twenty five) only with a validity period of 180 days, which will subsequently to be converted and drawn up in the printed F-2 form are invited from the registered contractors of Class -I(ABC), Class- II and III category of Assam PWD (Roads & Building), according to their eligibility for submitting tenders for the works under 15th FC, 6th ASFC & SOPD fund for the year 2021-23 during 2024-25 and 2024-25 as stated below. The tenders will be received by the undersigned up to 1.30 PM on 16/09/2024 and will be opened on the same date & place at 2.PM.

SL No	Name of works	Estimate Amount	Tender Value	Time of completion
1	Const. of road with E/F and S/G at Anthaibari village.	Rs.19,99,998/-	Rs.19,79,998/-	3 month
2	Const. of crematorium ground at Duligaon village.	Rs.19,04,809/-	Rs.19,04,809/-	3 month
3	Const. of Community Hall at Balajhar.	Rs.17,00,000/-	Rs. 16,83,000/-	3 month

Details NIT may be seen in all working days during office hours in the office of the undersigned. Tender papers will be issued to the contractors or their authorized representatives from 23/08/2024 to 16/09/2024 in the office of the undersigned on payment of .03% cost of tender paper in the form of demand draft/Bankers Cheque from any Nationalized Bank duly pledged in favour of the Principal Secretary, BTC, Kokrajhar, Payable at Kokrajhar.

Sd/-
Block Dev. Officer
Sidli-Chirang Dev. Block, Sidli

IPR(BTC)/C/2024-25/716

पृष्ठ एक का शेष

मणिपुर में शांति बहाली ...

की जरूरत है। उन्होंने आश्वासन दिया था कि केंद्र सरकार दोनों समूहों के साथ चर्चा कर रही है। इस बयान के बाद ही इस बैठक का आयोजन हुआ। पिछले साल मई में मणिपुर में जातीय हिंसा तब भड़की थी, जब राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में कुकी समुदाय ने मेइती समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने के विरोध में जनजातीय एकता मार्च निकाला था। तब से जारी इस हिंसा में अब तक 220 से अधिक लोग, जिनमें कुकी और मैतेई समुदायों के लोग और सुरक्षाकर्मी शामिल हैं, जो मारे जा चुके हैं। कुकी विधायकों ने बैठक में मणिपुर के आदिवासी लोगों के लिए अलग प्रशासन या केंद्र शासित प्रदेश की मांग को भी दोहराया। जबकि बीजेपी के सात विधायकों सहित 10 कुकी विधायकों ने हाल ही में आयोजित विधानसभा सत्रों में भाग नहीं लिया था।

जीएमसीएच में एचआईवी...

स्थिति का पता लगाया। शर्मा ने बताया कि जब कोई व्यक्ति रक्तदान करने आता है, तो हम उसे तुरंत मना नहीं कर सकते, लेकिन एचआईवी जैसी स्थितियों की जांच के लिए रक्त की कई जांच की जाती है। जैसे ही हमें उसकी स्थिति का पता चला, रक्त को त्याग दिया गया और व्यक्ति के बारे में अधिकारियों को सूचित किया गया। शर्मा ने रक्तदान प्रोटोकॉल के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाने और ऐसी अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए कड़े कानून लागू करने की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने अस्पताल में रक्त तक पहुंचने में लगने वाले समय के बारे में लोगों की चिंताओं को स्वीकार किया, लेकिन सुरक्षा नियमों का पालन करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हम दान के लिए प्रतिक्रियाशील रक्त दे सकते थे, लेकिन सुरक्षा प्रक्रियाएं हमारी प्राथमिकता हैं। उन्होंने इसी तरह की घटनाओं को रोकने के लिए कड़े उपायों का आग्रह किया। इस बीच, जांच में तब नया मोड़ आया जब शेख को यूनुस अली का फोन आया, जो कथित तौर पर खून की बिक्री का समन्वय करने वाला एक प्रमुख खिलाड़ी था और उसने लेनदेन के लिए भुगतान का वादा किया था। अधिकारियों ने अली को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया है, जिसका उद्देश्य जीएमसीएच में अवैध रक्त व्यापार में शामिल व्यक्तियों के नेटवर्क को खत्म करना है।

छह विवादित क्षेत्रों का ...

विवादित क्षेत्रों के समाधान के लिए चर्चा चल रही है। दोनों राज्यों के बीच संघर्ष का मूल कारण 1970 के दशक की शुरुआत से ही है। राज्य की प्रक्रिया में स्पष्टता की कमी के कारण भौगोलिक सीमाएं अस्पष्ट हो गईं। सीएम सांग्मा द्वारा संदर्भित एक रिपोर्ट के अनुसार, 2011-2012 में मतभेद के 12 क्षेत्रों का पता लगाया गया था, जिसे दोनों राज्यों की सरकारों ने आधिकारिक तौर पर मंजूरी दे दी थी। सीएम सांग्मा ने उल्लेख किया कि कुछ क्षेत्रों को हल करना आसान है जबकि अन्य जटिल बने हुए हैं। मुख्यमंत्री सांग्मा ने कहा कि यह विवाद हमेशा नहीं चल सकता। पिछले 25-30 वर्षों में मुख्यमंत्रियों की 26 बैठकें हो चुकी हैं, फिर भी निर्णय केवल यथास्थिति बनाए रखने के लिए ही हुए हैं।

रुपोही में भाजपा ...

लिए अतिरिक्त सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। झड़प के मूल कारणों और हिंसा के अलग-अलग कृत्यों की जांच वर्तमान में चल रही है। स्थानीय राजनीतिक नेताओं ने शांति की अपील की है तथा अपने समर्थकों से चल रहे चुनाव अभियान के दौरान संयम बरतने तथा लोकतांत्रिक सिद्धांतों का पालन करने का आग्रह किया है।

आठ बजे से रुझान ...

भटकाव आ जाता है। यह आत्मचिंतन और आत्ममंथन का विषय है। एग्जिट पोल्स पर हमारा नियंत्रण नहीं है, लेकिन यह चिंतन की जरूरत है कि इसके नमूने का आकार क्या था, सर्वेक्षण कहां हुआ, उसके निष्कर्ष कैसे आए। अगर निष्कर्ष चुनाव नतीजों से मेल नहीं खाते तो किसकी जिम्मेदारी है। राजीव कुमार ने कहा कि, अब समय आ गया है कि इसका नियमन करने वाली संस्थाएं इस ओर देखेंगी। इससे जुड़ा दूसरा विषय भी महत्वपूर्ण है। मतदान खत्म होने के औसतन तीसरे दिन मतगणना होती है। मतदान के दिन शाम से उम्मीदें लगना शुरू होती हैं। मतगणना के दिन 8:05, 8:10 बजे से रुझान दिखने लग जाते हैं, यह बेतुका है। मेरी पहली मतगणना 8:30 बजे से शुरू होती है। 8:05, 8:10 पर हमने देखा कि इस पार्टी को इतने की लीड। कहीं ऐसा तो नहीं कि एग्जिट पोल को सही साबित करने के लिए इस तरह के ट्रेंड दिखाई देने लग जाते हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ने आगे कहा कि, हम 9:30 मिनट पर हम पहले राउंड की काउंटिंग की जानकारी अपडेट करते हैं। वास्तविक रूप से जब नतीजे आना शुरू होते हैं तो ये रुझानों से बेमेल हो जाते हैं और चूंकि ये अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं रहते तो इसके गंभीर परिणाम होते हैं।

महाराष्ट्र में एक और ...

29 अक्तूबर तक नामांकन किया जा सकता है। नामांकन की जांच 30 अक्तूबर और नामांकन वापसी की अंतिम तिथि 4 नवंबर तय की गई है। बुधवार 20 नवंबर को सभी सीटों पर एक साथ चुनाव होंगे। झारखंड की 43 विधानसभा सीटों के लिए पहले चरण में बुधवार 13 नवंबर और 38 विधानसभा सीटों के लिए दूसरे चरण में बुधवार 20 नवंबर को मतदान होगा। पहले चरण के लिए अधिसूचना 18 अक्तूबर को जारी की जाएगी। नामांकन 25 अक्तूबर, नामांकन की जांच 28 अक्तूबर और नाम वापसी 30 अक्तूबर तक हो सकेगी। वहीं, दूसरे चरण के लिए 22 अक्तूबर को अधिसूचना जारी की जाएगी। 29 अक्तूबर तक नामांकन, 30 अक्तूबर को नामांकन की जांच, 1 नवंबर को नाम वापसी होगी। इसके अलावा चुनाव आयोग ने 15 राज्यों की 48 विधानसभा सीटों और दो राज्यों की दो लोकसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए भी मतदान कार्यक्रम की घोषणा की है। इसके मुताबिक 14 राज्यों की 47 विधानसभा सीटों और केरल की एक वायनाड लोकसभा सीट पर 13 नवंबर को मतदान होगा। वहीं, उत्तराखंड की एक विधानसभा सीट और महाराष्ट्र की नांदेड लोकसभा सीट पर 20 नवंबर को मतदान होगा। महाराष्ट्र में 288 सीटों में से 234 सामान्य, 25 अनुसूचित जनजाति और 29 अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। महाराष्ट्र में कुल 9.63 करोड़ मतदाता हैं जिनमें से 20.93 लाख मतदाता पहली बार अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे। आयोग ने राज्य विधानसभा के लिए 52,789 स्थानों पर एक लाख से अधिक मतदान केंद्र बनाए हैं। झारखंड की 81 विधानसभा सीटों में से 44 सामान्य, 28 अनुसूचित जनजाति और 9 अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं। यहां 2.6 करोड़ मतदाता हैं जिनमें से 66.84 लाख युवा मतदाता है और 11.84 लाख मतदाता पहली बार मताधिकार का उपयोग कर सकेंगे। आयोग ने उनके लिए 20281 स्थानों पर 29,562 मतदान केंद्र बनाए हैं। सीईसी राजीव कुमार का कहना है कि आयोग ने दोनों राज्यों महाराष्ट्र और झारखंड में विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह का शत-प्रतिशत समावेशन सुनिश्चित करने के प्रयास किए गए हैं और उनका नाम मतदाता सूची में शामिल कराया है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने महाराष्ट्र विधानसभा के लिए विशेष रूप से शहरी मतदाताओं की उदासीनता का उल्लेख किया और कहा कि इससे निपटने के लिए एक लक्षित अभियान और प्रयास किया जाएगा ताकि कोशिश हो सके कि सभी मतदान में भागीदारी करें।

असम की पांच ...

13 नवंबर को मतदान होगा। इनमें सामागुड़ी, धलाई, बंगाईगांव, बिहाली और सिडली विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र शामिल हैं। ये पांचों सीटें लोकसभा चुनाव के बाद से खाली हैं। सामागुड़ी निर्वाचन क्षेत्र के विधायक रकीबुल हुसैन ने धुबड़ी निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा चुनाव लड़ा और जीतने के बाद नगांव जिले की सामागुड़ी सीट खाली पड़ी है। रकीबुल हुसैन ने एआईयूडीएफ प्रमुख बदरुद्दीन अजमल को हराया था, जिन्होंने लगातार तीन बार धुबड़ी संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया था। कछार के धलाई विधानसभा क्षेत्र से विधायक परिमल सुखाबैद्य के सिलचर संसदीय क्षेत्र से जीतने के बाद यह सीट खाली पड़ी है। बरपेटा संसदीय क्षेत्र से बंगाईगांव विधानसभा क्षेत्र के विधायक फनी भूषण चौधरी के जीतने के बाद यह सीट खाली हो गई थी। शोणितपुर लोकसभा सीट से बिहाली विधानसभा क्षेत्र के विधायक रंजीत दत्ता के जीतने के बाद यह सीट खाली हुई थी। कोकराझार संसदीय सीट से सिडली विधायक जयंत बसुमतारी के जीतने के बाद यह सीट खाली हुई थी। असम में पांच विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए चुनाव अधिसूचना 18 अक्तूबर को जारी की जाएगी। 25 अक्तूबर नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख है। 30 अक्तूबर नामांकन वापस लेने का आखिरी दिन है। 13 नवंबर को मतदान होगा। वोटों की गिनती 23 नवंबर को होगी।

हिंदूओं के मन ...

उन्होंने कहा जम्मू में बीजेपी ने हिंदुओं को डराया कि अगर एनसी-कांग्रेस गठबंधन सत्ता में वापस आया तो आतंकवाद शुरू हो जाएगा। लेकिन कांग्रेस पार्टी ने लोगों के मन से इस डर को खत्म करने में अपनी भूमिका नहीं निभाई, अगर ऐसा होता तो हम जम्मू में बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे। भारत और कनाडा के बीच चल रहे विवाद पर भी फारूक अब्दुल्ला ने बयान दिया। उन्होंने कहा कि मुझे इस स्थिति का अफसोस है, और हमें अपनी दोस्ती कायम रखनी चाहिए। अब्दुल्ला ने सवाल उठाते हुए कहा कि कनाडा को यह जानकारी कैसे मिली? यह जानकारी अमेरिका ने कनाडा को दी थी। अमेरिका पर आरोप लगाते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि अमेरिकी खुफिया एजेंसी ने कनाडा को बताया कि भारत की रॉ एजेंसी के लोग निज्जर की हत्या में शामिल थे। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने कनाडा को सबूत दिए हैं, जिसे कनाडा ने भारत सरकार के सामने पेश किया है। मुझे नहीं पता कि भारत सरकार इस पर क्या करेगी, लेकिन हमें दोस्ती के रास्ते को नहीं छोड़ना चाहिए। बता दें कि जम्मू-कश्मीर में एनसी के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला 16 अक्तूबर को दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। आर्टिकल 370 हटने और राज्य का केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा खत्म होने के बाद उमर अब्दुल्ला पहले मुख्यमंत्री होंगे। विधानसभा चुनाव में जीत के बाद उमर अब्दुल्ला ने सरकार बनाने का दावा पेश किया है। इस चुनाव में एनसी ने 42 सीटों पर जीत हासिल की, जबकि पार्टी के गठबंधन में कांग्रेस का 6 सीटों का समर्थन मिला है। इसके अलावा, एनसी को 5 निर्दलीय विधायकों का भी समर्थन मिला है। इस तरह एनसी को कुल 55 विधायकों का समर्थन मिला है। उमर अब्दुल्ला ने गांदरबल और बडगाम, दोनों सीटों से जीत दर्ज की। सूत्रों के मुताबिक शपथ ग्रहण के बाद वह बडगाम सीट से इस्तीफा दे सकते हैं।

पूर्व सीजेआई रंजन...

पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। हुबलीकर ने अदालत के समक्ष कहा कि जस्टिस गोगोई ने एक फैसले में अनुचित रूप से हस्तक्षेप किया... उन्होंने मेरा जीवन दयनीय बना दिया है। हुबलीकर ने अदालत के समक्ष कहा कि न्यायमूर्ति गोगोई ने अनुचित रूप से एक फैसले में हस्तक्षेप किया। उन्होंने मेरा जीवन दयनीय बना दिया है। हालांकि, अदालत इस याचिका को स्वीकार करने के लिए इच्छुक नहीं थी। पीठ ने कहा कि हम लागत लगाने जा रहे हैं। किसी जज का नाम मत लीजिए। आपके मामले में कुछ भी नहीं है। हुबलीकर ने बिना किसी डर के विरोध करते हुए कहा कि कम से कम मुझे मेरी मौत से पहले न्याय मिलना चाहिए। हालांकि, पीठ ने अपना फैसला दोहराते हुए कहा कि क्षमा करें, हम हस्तक्षेप नहीं कर सकते। आपकी याचिकाएं खारिज की जाती हैं। विवाद तब बढ़ गया जब न्यायमूर्ति त्रिवेदी ने सुरक्षाकर्मियों को हुबलीकर को अदालत कक्ष से बाहर निकालने का निर्देश दिया। बार-बार चेतावनियों के बावजूद, हुबलीकर ने बहस जारी रखी, यहां तक कि अदालत द्वारा नोटिस जारी करने से इनकार करने पर भी सवाल उठाया। सुरक्षा के हस्तक्षेप से पहले उसने दावा किया, मैडम, आप मेरे खिलाफ अन्याय कर रही हैं। यह पहली बार नहीं था जब हुबलीकर का न्यायपालिका से टकराव हुआ था। इससे पहले 30 सितंबर को हुई सुनवाई में मामले की अध्यक्षता कर रहे मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने पक्षकारों की सूची में जस्टिस गोगोई का नाम शामिल करने पर कड़ी आपत्ति जताई थी और हुबलीकर को नाम हटाने का निर्देश दिया था।

प्रियंका गांधी का ...

कर दिया था। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा खाली की गई वायनाड लोकसभा सीट और कांग्रेस के शफी परमबिल और माकपा के के राधाकृष्णन द्वारा लोकसभा के लिए चुने जाने पर खाली की गई पलक्कड़ और चेलाकारा विधानसभा सीटों पर उपचुनाव 13 नवंबर को होंगे। पिछले लोकसभा चुनाव में वायनाड में वरिष्ठ नेता एनी राजा को मैदान में उतारने वाली भाकपा ने अभी तक उम्मीदवार को अंतिम रूप नहीं दिया है। माकपा द्वारा भी जल्द ही पलक्कड़ और चेलाकारा के लिए उम्मीदवारों की घोषणा किए जाने की उम्मीद है। भाजपा ने भी अभी तक उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है।

एससीओ शिखर वार्ता ...

झजयशंकर का स्वागत किया। लगभग 9 सालों में यह पहली बार है कि भारत के विदेश मंत्री ने पाकिस्तान की यात्रा की। बता दें कि कश्मीर मुद्दे और पाकिस्तान से होने वाले सीमा पार आतंकवाद को लेकर दोनों पड़ोसियों के बीच संबंध खराब बने हुए हैं। पाकिस्तान जाने वाली आखिरी भारतीय विदेश मंत्री सुषमा स्वराज थीं। वह अफगानिस्तान पर एक सम्मेलन में भाग लेने के लिए दिसंबर 2015 में इस्लामाबाद गई थीं। पाकिस्तान 15 और 16 अक्तूबर को दो दिवसीय एससीओ काउंसिल ऑफ हेड्स ऑफ गवर्नमेंट (सीएचजी) शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि एससीओ सीएचजी बैठक सालाना आयोजित की जाती है और संगठन के व्यापार और आर्थिक एजेंडे पर केंद्रित होती है। नई दिल्ली में एक संक्षिप्त बयान में कहा गया कि विदेश मंत्री एस जयशंकर बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। भारत एससीओ प्रारूप में सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है, जिसमें एससीओ ढांचे के अंदर विभिन्न तंत्र और पहल शामिल हैं। मामले से परिचित लोगों ने बताया कि शाम को जयशंकर एससीओ सदस्य देशों के प्रतिनिधियों के स्वागत के लिए पाकिस्तान के प्रधान मंत्री शहबाज शरीफ द्वारा आयोजित भोज समारोह में शामिल हो सकते हैं। दोनों पक्ष पहले ही एससीओ शासन प्रमुखों के शिखर सम्मेलन से इतर जयशंकर और उनके पाकिस्तानी समकक्ष इशाक डार के बीच किसी भी द्विपक्षीय वार्ता से इनकार कर चुके हैं। जयशंकर की पाकिस्तान यात्रा महत्वपूर्ण है क्योंकि इसे नई दिल्ली की ओर से एक महत्वपूर्ण निर्णय के रूप में देखा जा रहा है। एक कार्यक्रम में अपने हालिया संबोधन में, जयशंकर ने कहा कि किसी भी पड़ोसी की तरह, भारत निश्चित रूप से पाकिस्तान के साथ अच्छे संबंध रखना चाहेगा। लेकिन सीमा पार आतंकवाद को नजरअंदाज करने और इच्छाधारी सोच में लिप्त रहने से ऐसा नहीं हो सकता।

इजराइल यूएस की...

न कि तेल या परमाणु सुविधाओं को। वॉशिंगटन पोस्ट ने दो अधिकारियों का हवाला देते हुए कहा कि नेतन्याहू ने बाइडन प्रशासन से कहा कि वह ईरान के सैन्य ठिकानों पर हमला करने को तैयार हैं, ताकि बड़े पैमाने पर युद्ध न भड़के। इस हमले का उद्देश्य संघर्ष को सीमित रखना है और इससे अमेरिकी चुनावों में हस्तक्षेप के आरोपों से बचा जा सकेगा। इजरायली अधिकारियों का कहना है कि उनका जवाबी हमला ईरान के हालिया हमले से कहीं अधिक तीव्र होगा। इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने अपने रक्षा मंत्री योव गैलेंट और सुरक्षा अधिकारियों के साथ एक आपातकालीन बैठक की, जिसमें उन्होंने इस पलटवार की विस्तृत योजना पर चर्चा की। इजरायल इस बात पर जोर दे रहा है कि वह पूरे क्षेत्र में युद्ध नहीं भड़काना चाहता, लेकिन ईरान के हमले को बिना जवाब दिए भी नहीं छोड़ा जा सकता। इजरायल की इस योजना के मद्देनजर, अमेरिका ने अपनी तैयारी तेज कर दी है। अमेरिकी सेना ने क्षेत्र में टीएचएएडी मिसाइल डिफेंस सिस्टम तैनात करना शुरू कर दिया है, जिसे अमेरिकी सैनिक संचालित करेंगे। यह प्रणाली ईरान की ओर से किसी भी संभावित हमले को रोकने के लिए तैयार की गई है। अमेरिका और इजरायल के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए लगातार चर्चा हो रही है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में बेहतर समन्वय स्थापित हो सके। हालांकि, कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान ने संकेत दिए हैं कि यदि इजरायल का हमला सीमित और लक्षित होता है, तो वह संघर्ष को आगे नहीं बढ़ाना चाहेगा। ब्रिटेन स्थित सऊदी अखबार *अशरक अल-अवसात* की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान इस समय संघर्ष विराम में रुचि दिखा सकता है। इसके बावजूद, इजरायली सूत्रों का कहना है कि नेतन्याहू किसी भी तरह की हिचकिचाहट के बिना बड़े पलटवार की तैयारी कर रहे हैं। अब सभी की नजरें इजरायल की संभावित कार्रवाई और इसके ईरान की प्रतिक्रिया पर टिकी हैं, जो क्षेत्रीय स्थिरता के लिए निर्णायक साबित हो सकती है।

दो दिवसीय दौरे ...

या जरूरी काम को छोड़कर शिलांग और आसपास के इलाकों की यात्रा करने से बचने को कहा है। निर्देश में यातायात पुलिस अधिकारियों ने यह भी कहा कि आवश्यक मालवाहक वाहन, गैस सिलेंडर परिवहन वाहन, तेल टैंकर, एफसीआई ट्रक, स्थानीय मिनी ट्रक सहित सभी प्रकार के भारी और मध्यम मोटर वाहनों को 16 और 17 अक्तूबर को शिलांग और सोहरा की ओर जाने पर रोक लगाई गई है। ट्रैफिक पुलिस ने 16 अक्तूबर को ट्रैफिक दिशा निर्देश जारी करते हुए कहा है वाहनों को वाईडब्ल्यूसीए गुरुद्वारा जंक्शन से राजभवन के रास्ते में आकाशवाणी जंक्शन पर डायवर्ट किया जाएगा। ये दिशा-निर्देश शाम 5 बजे से कार्यक्रम समाप्ति तक लागू रहेगा।

भारत का डिजिटल ...

दूरसंचार संघ की विश्व दूरसंचार मानकीकरण सभा का दिल्ली के भारत मंडपम में उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत दुनिया को संघर्ष से बाहर निकाल कर आपस में जोड़ने में लगा हुआ है। उन्होंने वैश्विक संस्थाओं से दूरसंचार और डिजिटल टेक्नोलॉजी के बारे में मानक तय करने की अपील की। प्रधानमंत्री ने बताया कि भारत में डिजिटल विकास के चार प्रमुख आधार हैं, जिनमें सस्ता डिवाइस उपलब्ध कराना, देश के हर कोने में कनेक्टिविटी प्रदान करना, सस्ता डेटा और डिजिटल फर्स्ट को प्राथमिकता देना है। पिछले 10 साल में इन प्रमुख बिंदुओं पर अभूतपूर्व कार्य हुआ है।

गुवाहाटी में मनाया गया महिला किसान दिवस

गुवाहाटी (हिंस)। 2024 महिला किसान दिवस आज कृष्णकांत हैंडिक स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी हॉल, खानापाड़ा में मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन केंद्र सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के राष्ट्रीय कृषि लिंग संसाधन केंद्र (एनजीआरसीए) और विस्तार शिक्षा संस्थान (ईईआई), उत्तर पूर्व क्षेत्र, गुवाहाटी द्वारा किया गया। यह कार्यक्रम 2016 से महिला किसानों को सम्मानित करने और कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में उनके योगदान को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है। इस वर्ष का विषय *कृषि परिवर्तन में महिला उद्यमियों की भूमिका* था। कार्यक्रम की शुरुआत पूर्वोत्तर भारत के महिला स्वयंसेवी समूहों, कृषि उद्यमियों द्वारा उत्पादित उत्पादों की प्रदर्शनी और लिंग अनुकूल कृषि उपकरणों की प्रदर्शनी के उद्घाटन के साथ हुई। लालटेन की औपचारिक रोशनी के बाद, ईईआई (एनई क्षेत्र) के निदेशक डॉ. राजुमनी बरदलै, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के संयुक्त सचिव सैमुअल प्रबीन कुमार, असम सरकार के कृषि विभाग की आयुक्त और सचिव अरुणा राजोरिया ने महिला किसानों और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों का स्वागत किया और कार्यक्रम की सुंदरता बढ़ाने के लिए उनका धन्यवाद् ज्ञापन किया। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मानद अतिथि आयुक्त सचिव अरुणा राजोरिया ने कहा कि कृषि में महिलाओं की भागीदारी विभिन्न कौशल, टिकाऊ प्रथाओं और पोषण पर ध्यान केंद्रित करके खाद्य उत्पादन और सुरक्षा को बढ़ाती है, जिसके परिणामस्वरूप लचीलापन बढ़ता है और खाद्य प्रणाली की दक्षता में सुधार होता है। उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कृषि में महिलाओं का समर्थन आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि एक बार बुनियादी जरूरतें पूरी हो जाने के बाद, बचे हुए उत्पादन को चावल की शराब और लड्डू जैसे प्रीमियम उत्पादों में परिवर्तित किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि कैसे *ड्रोन दीदी* जैसी पहल फसलों की निगरानी और प्रबंधन में मदद कर रही है, उन्होंने कहा कि इन प्रयासों का उद्देश्य कृषि में महिलाओं की भूमिका बढ़ाना, उत्पादकता में सुधार करना और पूरे क्षेत्र में स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देना है। उन्होंने महिला किसानों और कृषि उद्यमियों से केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा दी जा रही सुविधाओं का लाभ उठाने का भी आग्रह किया। कृषि निवेश पोर्टल का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य कृषि व्यवसाय को बढ़ाना, निवेश आकर्षित करना और उन्नत तकनीक और नवीन प्रथाओं के माध्यम से कृषि को आधुनिक बनाने के हमारे दृष्टिकोण के अनुरूप किसानों की आय में वृद्धि करना है। महिला किसानों और उद्यमियों की सफलता की कहानियों पर आधारित *महिला की प्रेरणादायी यात्रा* नामक पुस्तक का विमोचन किया गया और *कृषि में महिलाएं* पर एक लघु वीडियो भी समारोह में दिखाया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कृषि क्षेत्र में महिला किसानों, उद्यमियों को पहचानना है, जिसमें पूर्वोत्तर भारत और पश्चिम बंगाल की 350 से अधिक महिला किसानों ने भाग लिया। क्षेत्र से चयनित उत्कृष्ट उद्यमियों और महिला किसानों को *महिला किसान सम्मान* और प्रशंसा प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।

दुर्गा पूजा में आने वाली महिलाओं का अश्लील वीडियो बनाने का आरोपी अब्दुल काशेम गिरफ्तार

ग्वालपाड़ा (हिंस)। ग्वालपाड़ा के युवक अब्दुल काशेम अली को कथित तौर पर दुर्गा पूजा में शामिल होने वाली महिला श्रद्धालुओं का अश्लील वीडियो बनाने और उसे सोशल मीडिया पर वायरल करने के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मोरनाई थाना क्षेत्र के डुबापाड़ा निखोनचर निवासी अब्दुल काशेम अली नामक युवक ने निचले असम में देवी दुर्गा-प्रतिमा समारोह में भाग लेने वाली महिला भक्तों को निशाना बनाकर एक अश्लील वीडियो बनाया और इसे सोशल मीडिया पर साझा किया था। जब यह वीडियो वायरल हुआ तो लोगों में व्यापक आक्रोश फैल गया। इसको लेकर बीती रात कम से कम तीन सौ लोग जिले के मोरनाई थाने के सामने जमा हुए और अपना गुस्सा जाहिर किया। उनकी मांग थी कि इस *मियां* आरोपी को तुरंत गिरफ्तार किया जाना चाहिए और अनुकरणीय सजा सुनिश्चित की जानी चाहिए। इस बीच, सोमवार रात 11.49 बजे राज्य पुलिस प्रमुख ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह (जीपी सिंह) ने अपने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा है कि आरोपी को ग्वालपाड़ा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने जनता से शांति और सद्भाव बनाए रखने की अपील की और नागरिकों से घटना के मद्देनजर सांप्रदायिक तनाव से बचने का आग्रह किया। पुलिस ने लोगों को आश्वासन दिया कि इस घटना से सख्ती से निपटा जाएगा ताकि भविष्य में कोई ऐसी हरकत करने की हिम्मत न कर सके। मोरनाई पुलिस स्टेशन के ओसी ने आश्वासन दिया कि घटना के मद्देनजर एक अनुकरणीय उदाहरण स्थापित करने के लिए कदम उठाए जाएंगे।

हेरोइन समेत एक तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के वशिष्ठ थाना क्षेत्र इलाके में स्पेशल ट्रास्क फोर्स (एसटीएफ)ए असम टीम ने अभियान चलाकर हेरोइन समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ ने बताया कि मंगलवार को वशिष्ठ थाना क्षेत्र के शिवचरण बोडो पथ के साऊकुची इलाके में चलाए गए अभियान के दौरान 10 प्लास्टिक के छोटे-छोटे सीसी में भरकर रखे गए 13.3 ग्राम हेरोइन समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार तस्कर के पास हेरोइन के अलावा एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बप्पी मलिक (29ए कोकराझार) के रूप में की गई है। गिरफ्तार आरोपी गोरचुक थाना क्षेत्र के आहोम गांव इलाके में रहकर ड्रग्स का कारोबार चलते आ रहा था। गिरफ्तार आरोपी को बरामद की गई ड्रग्स समेत एसटीएफ ने वशिष्ठ पुलिस को सौंप दिया।

सामागुड़ी उपचुनाव : कांग्रेस-भाजपा समर्थक आपस में भिड़े

नगांव (हिंस)। राज्य की पांच विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीखों की घोषणा हुई भी नहीं कि राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं बीच झड़पें शुरू हो गई। मंगलवार को चुनाव केंद्रित हिंसा रूपहीहाट में हुई। जानकारी के अनुसार सामागुड़ी विधानसभा क्षेत्र में आगामी उपचुनाव के मद्देनजर कांग्रेस ने सुबह बाइक रैली निकाली थी। कांग्रेस के समर्थकों ने सिंगिमारी से बाइक रैली निकाली। भाजपा कार्यकर्ताओं के एक वर्ग ने रूपहीहाट विधानसभा क्षेत्र के कुछ लोगों को रैली में शामिल होने के लिए बाइक से सिंगिमारी जाने से कथित रूप से रोक दिया। इस पर दोनों पक्षों के बीच जमकर हाथापाई हुई। लोगों ने इस मार्ग पर चलने वाले कई वाहनों को कथित निशाना बनाया। रूपहीहाट पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। बाद में कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि भाजपा ने योजनाबद्ध तरीके से हमला किया। इस बीच, भाजपा कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा भाजपा का पोस्टर फाड़े जाने के कारण तनावपूर्ण स्थिति पैदा हुई। कांग्रेस और भाजपा के बीच हुई इस झड़प में कई लोगों के घायल होने की खबर है।

सरकार बक्फ की जमीन हड़प्पना चाहती है : बदरुद्दीन अजमल

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्व सांसद तथा प्रदेश जमीयत उलेमा के नेता बदरुद्दीन अजमल ने आरोप लगाया है कि सरकार बक्फ बोर्ड की 9.7 लाख बीघा जमीन हड़पना चाहती है। अजमल आज गुवाहाटी के हातीगांव में असम प्रदेश जमीयत उलेमा के बैनर तले एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। केंद्र सरकार द्वारा लाए गए वक्फ संशोधन विधेयक विषय पर बुलाए गए इस संवाददाता सम्मेलन के दौरान अजमल ने इस बिल का कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा कि असम प्रदेश जमीयत उलेमा बक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक के सख्त खिलाफ है। उन्होंने वक्फ की जमीन मुस्लिम समाज को सौंपने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सरकार बक्फ की सारी जमीन मुसलमानों को सौंप दे। यदि सरकार हमारी जमीनें हमें दे देती है तो मुस्लिम समाज के लिए शिक्षा, चिकित्सा, अनाथालय आदि की व्यवस्था हम खुद कर लेंगे। हमें सरकार का कोई एहसान नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि बक्फ के पास जो जमीनें हैं, वह हमारे बाप, दादा, परदादाओं द्वारा हजारों वर्ष से दिए जा रहे जमीन हैं। कुरान और हदीस के अनुसार ऐसी मान्यता है कि यदि कोई व्यक्ति अपनी जमीनें दान करता है तो इससे उसकी आत्मा को शांति मिलेगी।

राज्य के डीजीपी ने किया गोवा पुलिस के जवानों को संबोधित

गुवाहाटी (हिंस)। गोवा पुलिस के नवनियुक्त प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए आए जवानों के साथ आज असम के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) जीपी सिंह ने अपने अनुभव शेयर किए। उन्होंने आज 700 नए रंगरूटों - 569 पुरुषों और 131 महिलाओं को इस दौरान कई प्रेरक बातें कहीं। सन् 2013 के बाद गोवा पुलिस की यह पहली भर्ती थी। ज्ञात हो कि गोवा पुलिस की पहली, दूसरी और तीसरी भारतीय रिजर्व बटालियन में शामिल होने के लिए चुने गए ये रंगरूट 43 सप्ताह के कठोर प्रशिक्षण कार्यक्रम से गुजरते हुए एक परिवर्तनकारी यात्रा पर यहां से निकलेंगे। डीजीपी ने रंगरूटों का स्वागत करते हुए गर्व व्यक्त किया कि जिस पेशे में वे प्रवेश कर रहे हैं वह अत्यंत महत्वपूर्ण है। डीजीपी ने कहा कि आप सिर्फ पुलिस बल में शामिल नहीं हो रहे हैं, आप एक विरासत का हिस्सा बन रहे हैं। एक ऐसा बल जो सम्मान, साहस और न्याय के प्रति प्रतिबद्धता के साथ काम करता है। उल्लेखनीय है कि असम के देरगांव स्थित लाचित बरफूकन पुलिस अकादमी में इनके लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जहां रंगरूटों में अनुशासन, निष्ठा, शारीरिक फिटनेस और हथियारों में दक्षता जैसे आवश्यक गुणों का विकास किया जाएगा। डीजीपी ने पुलिस की वर्दी पहनने की बड़ी जिम्मेदारी पर प्रकाश डाला। रंगरूटों को याद दिलाया कि वे कानून और व्यवस्था का चेहरा होंगे, जिन्हें लोगों के जीवन, अधिकारों और संपत्ति की रक्षा करने का काम सौंपा गया है। डीजीपी ने उन मूल्यों पर जोर दिया जो रंगरूटों को उनके पूरे करियर में मार्गदर्शन करेंगे। जिसमें सेवा में गर्व, राष्ट्र के प्रति वफादारी और कर्तव्य में निःस्वार्थता शामिल है। उन्होंने शारीरिक और मानसिक फिटनेस के साथ-साथ सौहार्द के महत्व को भी रेखांकित किया। डीजीपी ने संबोधन का समापन साहस, ईमानदारी और कानून के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के साथ सेवा करने के आह्वान के साथ समाप्त हुआ। डीजीपी ने रंगरूटों से सार्वजनिक सेवा के उच्चतम् आदर्शों को बनाए रखने का आग्रह किया, उन्हें याद दिलाया कि गोवा के लोग सुरक्षा और न्याय सुनिश्चित करने के लिए उन पर भरोसा कर रहे हैं। इस दौरान डीजीपी जीपी सिंह ने नवनियुक्त मणिपुर पुलिस कांस्टेबलों को भी संबोधित किया, जो लाचित बरफूकन पुलिस अकादमी, देरगांव में बुनियादी प्रशिक्षण ले रहे हैं।

एमएसएमई क्षेत्र को नई परियोजनाओं में 122.45 करोड़ से बढ़ावा

गुवाहाटी। राज्य के उद्योग, वाणिज्य और सार्वजनिक उद्यम एंटरप्राइजेज मंत्री बिमल बोरा ने मंगलवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि राज्य के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। बोरा ने बताया कि असम के लिए महत्वपूर्ण आर्थिक रीढ़ के रूप में कार्य करने वाले एमएसएमई क्षेत्र में अभूतपूर्व वृद्धि और विकास हुआ है। मंत्री ने यह भी बताया कि वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए कुल 122.45 करोड़ रुपए की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिसका उद्देश्य राज्य के विभिन्न जिलों में औद्योगिक परिदृश्य को बढ़ाना है। माइक्रो-ब्लॉगिंग साइट एक्स पर मंत्री ने कहा कि एचसीएम डॉ. एटदरेट हिमंत विश्व डांगोरिया के दूरदर्शी नेतृत्व में, असम में एमएसएमई क्षेत्र, जो राज्य की महत्वपूर्ण आर्थिक रीढ़ है, और भी अधिक मजबूत होकर उभरा है तथा अभूतपूर्व और तीव्र विकास पथ पर अग्रसर है। पहलों में, 12.07 करोड़ रुपए के निवेश से बरपेटा के बहरी के चेंगा में एक नया औद्योगिक एस्टेट विकसित किया जाना है। इसके अतिरिक्त विश्वनाथ चारियाली के धेमाजीबाड़ी में एक नया औद्योगिक एस्टेट स्थापित करने के लिए 31.54 करोड़ रुपए का महत्वपूर्ण आवंटन किया गया है। अन्य उल्लेखनीय परियोजनाओं में सिलापाथर में एकीकृत अवसंरचना विकास केंद्र (आईआईडीसी) का उन्नयन शामिल है, जिसके लिए 11.75 करोड़ रुपए प्राप्त होंगे, और करीमगंज के मैजग्राम में एक नए औद्योगिक एस्टेट का विकास, जिसके लिए 13.30 करोड़ रुपए का वित्त पोषण किया जाएगा। इसके अलावा, जोरहाट के तीताबोर में आईआईडीसी के उन्नयन की योजना 10.82 करोड़ रुपए के बजट से बनाई गई है। शोणितपुर के दिघालीचापरी में एक और नए औद्योगिक एस्टेट का विकास भी चल रहा है, जिसमें 18.85 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा। इस बीच, सरकार मंजा में मौजूदा परिसर के भीतर बुनियादी ढांचे के विकास और उन्नयन पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जिसके लिए 10 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, साथ ही धनुभंगा, रंगजुली, ग्वालपाड़ा में एक नए औद्योगिक एस्टेट के लिए 14.30 करोड़ रुपए का वित्त पोषण किया जा रहा है।

भेरगांव में राज्य स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता आयोजित

रंगिया (विभास)। भेरगांव वॉलीबॉल कोचिंग सेंटर के तत्वावधान पर और भेरगांव के प्रमुख नागरिकों के सहयोग से सोमवार को एकदिवसीय डे नाईट आमंत्रणमुलक वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 17 बर्ष से नीचे उम्र के खिलाड़ियों की राज्यस्तरीय यह प्रतियोगिता भेरगांव के बिष्णु राभा भवन प्रांगण में आयोजित आयोजित हुई, जिसमें राज्य के कुल 10 टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का आधिकारिक उद्घाटन बीटीसी के कार्यवाहक सदस्य दाओबैशा बोड़ो ने किया। भेरगांव भेरगांव, उदालगुड़ी, बेसेरिया, उखोरा, उजान बरबरी, गुवाहाटी सरुसजाई वॉलीबॉल टीम, बिश्वनाथ आर के वॉलीबॉल टीम, चिरांग की फेरेंगा, हाजोरिकापारा और मोरीगांव के रिंगचांग, वॉलीबॉल टीम ने भाग लिया। राज्य स्तरीय आमंत्रण मूलक वॉलीबॉल खेल का लुफ्त उठाने के लिए उदालगुड़ी के जिला आयुक्त पुलक पटवारी, अतिरिक्त आयुक्त सरफराज हक, महकमा पुलिस अधिकारी दुर्गा किंकर शर्मा और स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे। खेल का संचालन भेरगांव के महकमाधिकारी रिंगखांग मुसाहारी के सक्रिय सहयोग से आयोजित किया गया। सोमवार को रात्रि 3 बजे फाइनल खेल में बिश्वनाथ जिले की आरकेवीसी वॉलीबॉल टीम ने बिजनी की फेरेंगा टीम को हराकर चैंपियनशिप का खिताब जीता। वहीं विजेता टीम को 10 हजार रुपए नगद और रनर्स अप टीम को ट्रॉफी सहित 7 हजार रुपए नगद साथ ही तीन श्रेष्ठ खिलाड़ियों को 1 हजार करके नगद राशि देकर सम्मानित किया गया। खेल के अंत में पुरस्कार वितरण महकमाधिपति रिंगखांग मुसाहारी, वरिष्ठ नागरिक कुमुद कछारी और खेल संगठक लखीराम बोड़ो द्वारा किया गया।

राज्य के सिनेमाघरों में धमाल मचाने के लिए आ रहा *जय हनुमान* फिल्म

रंगिया (निसं)। रंगिया में हनुमान प्रकट होते हैं। हनुमान को देखने के लिए भीड़ उमड़ पड़ती है। दरअसल, हनुमान फिल्म का प्रमोशन करने पहुंचे थे। रंगिया में जय हनुमान का अंतिम प्रचार किया गया। फिल्म की कास्ट रंगिया में प्रमोट की गई है। जिसके निर्माण मे सहयोग रंगिया के नटराज थिएटर ग्रुप से भी मिला हैं। इस अवसर पर फिल्म के निर्देशक हिमांशु प्रसाद दास, अभिनेता सिद्धार्थ बोरो और अन्य उपस्थित रहे। सभी ने जनता के साथ विचारों का आदान-प्रदान भी किया। निर्देशक ने लोगों से फिल्म एक बार अवश्य देखने की अपील की। फिल्म में आपको नया स्वाद मिलेगा की बात कही। मालुम हो कि *जय हनुमान* असम के सिनेमाघरों में धमाल मचाने के लिए आ रही है। *जय हनुमान* 18 अक्तूबर को असम के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। सिद्धार्थ बोरो, गीतावली राजकुमारी, अमृता गोगोई, भास्कर तामुली सहित असमिया फिल्म उद्योग के कई अभिनेता और अभिनेत्रियां दर्शकों को प्रभावित करने के लिए तैयार हैं। पहले से ही रिलीज किए गए ट्रेलर ने जनता के बीच धूम मचा दी है।

डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण पहल निवासियों के लिए निराशा का स्त्रोत

गुवाहाटी। इस साल की शुरुआत में गुवाहाटी नगर निगम (जीएमसी) द्वारा शुरू की गई महत्वाकांक्षी डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण पहल निवासियों के लिए निराशा का स्रोत बन गई है, क्योंकि यह कार्यक्रम प्रभावी कचरा प्रबंधन सेवाएं देने में विफल रहा है। इस पहल का उद्देश्य व्यवस्थित कचरा संग्रहण, आपातकालीन प्रतिक्रिया और उपयोगिता बिलिंग प्रदान करके नागरिक सेवाओं में सुधार करना था, लेकिन कई घरों में अभी भी अद्वितीय घर क्रमांकन के कार्यान्वयन की कमी के कारण अपर्याप्त कचरा संग्रहण का अनुभव होता है। इस पहल को शुरू हुए आधे से ज़्यादा साल बीत चुके हैं, फिर भी निवासी अभी भी अस्वच्छ स्थितियों से जूझ रहे हैं। कचरा संग्रहण की अक्षमताओं के बारे में शिकायतें आम हो गई हैं, और संग्रह के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार एनजीओ को कई शिकायतों का सामना करना पड़ा है। निवासियों ने कचरा संग्रहकर्ताओं के खराब व्यवहार की रिपोर्ट की है, जो अक्सर अत्यधिक टिप की मांग करते हैं, जिससे कार्यक्रम के प्रति निराशा बढ़ जाती है। स्थानीय निवासियों ने अपनी नाराजगी व्यक्त की है, जिसमें हाटीगांव चारियाली से भेटापारा तक जीएमसी डस्टबिन जैसी प्रमुख सड़कों पर ओवरफ्लो हो रहे कूड़ेदानों को उजागर किया गया है। एक निवासी ने बढ़ते कूड़े के ढेर के बारे में चिंता व्यक्त की, उन्होंने कहा कि कचरा संग्रह करने वाली गाड़ी एक सप्ताह से अधिक समय से नहीं आई है, और हाल ही में दुर्गा पूजा उत्सव के कारण स्थिति और खराब हो गई है, जिसके कारण बिना संग्रह के ही कचरा बढ़ गया है। संग्रह के लिए जिम्मेदार एनजीओ की ओर से कोई प्रतिक्रिया न मिलने के कारण मच्छरों की बढ़ती आबादी और स्वास्थ्य जोखिमों के बारे में शिकायतें सामने आई हैं। कचरा संग्रह करने वाली टीमों में बाल श्रम के बारे में भी रिपोर्ट सामने आई हैं, क्योंकि नाबालिगों को कचरा इकट्ठा करते हुए देखा गया है। यह ऐसे खतरनाक वातावरण में छोटे बच्चों को काम पर रखने की सुरक्षा और नैतिकता के बारे में महत्वपूर्ण चिंताएं पैदा करता है। निवासियों ने बताया है कि जब उनके काम के बारे में पूछा गया, तो इन नाबालिगों ने अगले दिन वापस आने से इनकार कर दिया और इसके बजाए और पैसे मांगे। संग्रहकर्ताओं के लिए सुरक्षा उपकरणों के बारे में भी चिंताएं जताई गई हैं। कई कर्मचारी दस्ताने या जूते जैसे उचित सुरक्षात्मक गियर नहीं पहनते हैं, जिससे काम करने की असुरक्षित स्थितियाँ पैदा होती हैं। समस्या तब और बढ़ जाती है जब संग्रह वाहनों से कचरा सड़कों पर फैल जाता है, जिससे अतिरिक्त स्वास्थ्य जोखिम पैदा होते हैं। जीएमसी के एक अधिकारी ने कचरा संग्रह कार्यक्रम में शामिल जीएमसी और एनजीओ के बीच आंतरिक मुद्दों को स्वीकार किया। इन कठिनाइयों ने पहल के प्रभावी कार्यान्वयन में बाधा उत्पन्न की है, तथा समस्याओं को हल करने में समय लग सकता है। अधिकारी ने बताया कि नए निर्देश पेश किए गए हैं, तथा परियोजना को एक अलग एजेंसी को पुनः सौंपा गया है। जीएमसी तथा एनजीओ के बीच चल रहा संघर्ष एक सतत मुद्दा रहा है, जिसमें निधि के उपयोग के बारे में लंबे समय से चल रहे प्रश्न प्रगति में बाधा डाल रहे हैं। निवासियों ने कचरा संग्रहण से परे मुद्दों का हवाला देते हुए जीएमसी की पहल की प्रभावशीलता के बारे में अपनी शंकाएं व्यक्त की हैं। एक व्यक्ति ने टिप्पणी की कि शहर के मच्छर नियंत्रण स्प्रे वाहनों को उचित मौसम के दौरान तैनात नहीं किया गया था, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य तथा कल्याण के प्रति देखभाल की कमी को दर्शाता है। निवासी इन कमियों को इस बात का प्रमाण मानते हैं कि जीएमसी वास्तविक प्रगति से अधिक दिखावे को प्राथमिकता देता है। सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने अनियमित कचरा संग्रहण कार्यक्रम के बारे में अपनी निराशा साझा करते हुए बताया कि उन्होंने कचरे के निपटान के लिए अपने पिछवाड़े में गड्ढा खोदने का सहारा लिया है। उन्होंने एकत्रित कचरे से होने वाले पर्यावरणीय नुकसान पर ध्यान दिया, जो जल्दी ही मच्छरों के प्रजनन का आधार बन जाता है, जिससे स्वास्थ्य जोखिम पैदा होता है। अधिकारी ने स्मार्ट सिटी के रूप में गुवाहाटी की प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए जीएमसी द्वारा इन छोटी-छोटी समस्याओं को संबोधित करने की आवश्यकता पर बल दिय ा।

संपादकीय

बाबा की हत्या के सवाल

महाराष्ट्र सरकार के पूर्व मंत्री, तीन बार के विधायक, वरिष्ठ राजनेता और मुंबई की जिंदगी के एक अति विशिष्ट चेहरा बाबा सिद्दीकी की सरेआम हत्या कर दी गई। यह खौफनाक और चिंताजनक वारदात 'दशहरा पर्व' की शाम में ही की गई। त्योहार की आतिशबाजियां चलाई जा रही थीं। उन्हीं के शोर में हत्यारों की गोलीबारी की आवाज गुम होकर रह गई। बाबा सिद्दीकी को 3-4 गोलियां छाती में मारी गईं और जिंदगी थम कर रह गई। अस्पताल ने भी पुष्टि की कि बाबा अब मृत हैं। मुंबई में यह अपराध एक लंबे अंतराल के बाद हुआ है। जब अंडरवल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम और उसका गिरोह पूरी तरह सक्रिय था, तब मुंबई सुलगा रहता था। विस्फोट होते रहते थे। कत्ल करना सामान्य बात थी, लेकिन दाऊद कमजोर होकर अस्त होने लगा और तत्कालीन अपराध की दुनिया के सरगना या तो दिवंगत हो चुके थे अथवा जेल में सजा काट रहे हैं, लिहाजा मुंबई अपेक्षाकृत शांत और स्थिर होने लगी थी। अब बाबा सिद्दीकी जैसे राजनेता और रसूखदार आदमी की सरेआम जिस तरह हत्या की गई है, वह महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव के लिए एक डरा और कंपा देने वाली चेतावनी है। चुनाव नवंबर में कराए जा सकते हैं। चुनाव आयोग के कार्यक्रम की घोषणा की प्रतीक्षा है। आखिर बाबा की हत्या क्यों की गई? अब नए गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को 'नया डॉन' माना जा रहा है। उसे दाऊद का विकल्प करार दिया जा रहा है। वह दाऊद की 'प्रतिच्छाया' भी हो सकता है। उसके तार 'डी' कंपनी से कहीं जुड़े हों! लॉरेंस गैंग की ओर से सोशल मीडिया पर बाबा की हत्या की जिम्मेदारी ली गई है। उसके अलावा, गोल्डी बराड़ और रोहित गोदारा सरीखे गैंगस्टर पर भी 'शक की सुई' टिकी है। वे फिलहाल अमरीका और कनाडा में सक्रिय बताए जाते हैं। लॉरेंस गुजरात की 'साबरमती जेल' में कैद है। सवाल है कि क्या जेल से ही किसी के कत्ल की सुपारी दी जा सकती है? क्या गैंगस्टर जेल से ही अपने हत्यारे नेटवर्क को चलाने में सक्षम और कामयाब हैं? धन कहां से आता है? हत्यारों को हथियार कैसे सप्लाई किए जाते हैं और हथियारों की खरीद कैसे और कहां से संभव है? लॉरेंस गैंग में करीब 700 शूटर बताए जाते हैं। उनकी भर्ती कैसे हुई और उन्हें पैसा किस तरह मुहैया कराया जाता है? इसी गिरोह ने पंजाब के होनहार गायक मूसेवाला की हत्या की, अन्य गायक ढिल्लों पर कनाडा में हमला किया और बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान के घर पर गोलीबारी की। सलमान की जान के अब भी पीछे हैं ये हत्यारे। यदि वाकई ऐसी वारदातें हो रही हैं, तो देश में कानून-व्यवस्था के मायने क्या हैं? चूंकि यह चुनाव का मौसम है, लिहाजा महाराष्ट्र में राजनीतिक रंजिश के सवाल भी उठ रहे होंगे! बॉलीवुड में शाहरुख, संजय दत्त, सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी आदि असंख्य चेहरे होंगे, जो बाबा के करीबी होंगे। उनके साथ मित्रता होगी या साथ काम किया होगा। बॉलीवुड ऐसी सामाजिक दुनिया है, जिसमें असंख्य रिश्ते पलते हैं। गैंगस्टर किस-किस पर सवाल चस्पा कर उसकी हत्या करेंगे? बाबा की हत्या के पीछे बिल्डर लॉबी भी हो सकती है। पुलिस का संदेह उस पर भी गहरा है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की दिलचस्पी 'धारावी पुनः विकास परियोजना' में रही है। उनका मानना है कि यह योजना उनकी दोबारा ताजपोशी कर सकती है। बहरहाल पुलिस की जांच से यह जरूर साफ होना चाहिए कि हत्याकांड के पीछे असली सरगना कौन है।

त्योहार की आतिशबाजियां चलाई जा रही थीं। उन्हीं के शोर में हत्यारों की गोलीबारी की आवाज गुम होकर रह गई। बाबा सिद्दीकी को 3-4 गोलियां छाती में मारी गईं और जिंदगी थम कर रह गई। अस्पताल ने भी पुष्टि की कि बाबा अब मृत हैं। मुंबई में यह अपराध एक लंबे अंतराल के बाद हुआ है। जब अंडरवल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम और उसका गिरोह पूरी तरह सक्रिय था, तब मुंबई सुलगा रहता था। विस्फोट होते रहते थे। कत्ल करना सामान्य बात थी, लेकिन दाऊद कमजोर होकर अस्त होने लगा और तत्कालीन अपराध की दुनिया के सरगना या तो दिवंगत हो चुके थे अथवा जेल में सजा काट रहे हैं, लिहाजा मुंबई अपेक्षाकृत शांत और स्थिर होने लगी थी। अब बाबा सिद्दीकी जैसे राजनेता और रसूखदार आदमी की सरेआम जिस तरह हत्या की गई है, वह महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव के लिए एक डरा और कंपा देने वाली चेतावनी है। चुनाव नवंबर में कराए जा सकते हैं। चुनाव आयोग के कार्यक्रम की घोषणा की प्रतीक्षा है। आखिर बाबा की हत्या क्यों की गई? अब नए गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को 'नया डॉन' माना जा रहा है।

अपने दृढ़ निश्चय के साथ वे स्टील, ऑटोमोबाइल और विमानन सहित टाटा समूह के व्यवसायों को वैश्विक स्तर पर ले गए

मानवता-बिजनेस के संगम थे रतन टाटा

डा. अश्वनी महाजन

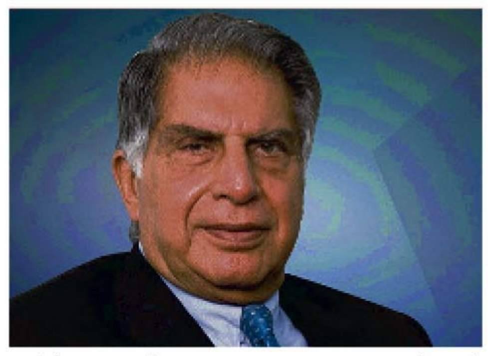

भारत और दुनिया के सबसे महान उद्योग नेताओं में से एक पद्म विभूषण श्री रतन नवल टाटा का दुःखद निधन, केवल उद्योग जगत के लिए ही नहीं, बल्कि संपूर्ण राष्ट्र के लिए बड़ी क्षति है। आजादी से पहले टाटा समूह के संस्थापक श्री जमशेद जी टाटा ने देश में सबसे बड़े स्टील उद्योग की नींव रखी, जिसे आज हम टाटा स्टील के नाम से जानते हैं। जमशेद जी ने भारत के आम लोगों से एक-एक रुपया इक्विटी पूंजी के रूप में इक_ा करके इस बड़ी स्टील कंपनी का निर्माण करके यह दिखा दिया कि देशभक्त भारतीयों द्वारा ही राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। श्री रतन टाटा का जीवन न केवल हमारे देश के, बल्कि पूरे विश्व के उभरते उद्यमियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहा है। लाभ कभी भी टाटा समूह का एकमात्र उद्देश्य नहीं रहा है और श्री रतन टाटा के दूरदर्शी नेतृत्व में श्रमिकों, गरीबों और दलितों की देखभाल हमेशा उनका मार्गदर्शक सिद्धांत रहा है। अपने दृढ़ निश्चय के साथ वे स्टील, ऑटोमोबाइल और विमानन सहित टाटा समूह के व्यवसायों को वैश्विक स्तर पर ले गए। उनके दूरदर्शी नेतृत्व ने हमेशा भारत को गौरवान्वित किया। टाटा समूह को अन्य व्यावसायिक घरानों से जो बात अलग बनाती है, वह यह है कि श्री रतन टाटा के नेतृत्व में टाटा समूह हमेशा से ही मजदूरों, लोगों और खासकर गरीबों के पक्ष में रहा है। उन्होंने एक बार कहा था कि जब उन्होंने भारी बारिश में बस का इंतजार कर रहे एक गरीब परिवार को देखा, तो उनके दिमाग में एक ऐसी छोटी कार बनाने का विचार आया जो आम आदमी के लिए सस्ती हो और उन्होंने दुनिया की सबसे सस्ती और किफायती कार बनाने का कार्य पूरा किया।

जहां उनकी व्यावसायिक सोच में आम आदमी और श्रमिक के प्रति संवेदनशीलता दिखाई देती है, उनके व्यवहार में सदैव देश के प्रति अथाह प्रेम भी झलकता है। उनके बारे में एक किस्सा प्रसिद्ध है कि जब पाकिस्तान द्वारा भेजे गए आतंकवादियों द्वारा मुम्बई के ताज होटल पर आक्रमण किया गया, तो अगले कुछ दिनों में पाकिस्तान के उद्योगपति उनसे मिलने के लिए भारत आए, लेकिन श्री रतन टाटा ने उनसे मिलने के लिए मना कर दिया। ऐसी स्थिति में जब भारत सरकार के एक तत्कालीन मंत्री ने उनसे उस मुलाकात को करने के लिए आग्रह किया, तो उन्होंने स्पष्ट रूप से यह कह दिया कि आप लज्जाहीन हो सकते हैं, लेकिन मैं नहीं। जब-जब देश पर आपत्ति आई, श्री रटन टाटा ने दिल खोलकर योगदान दिया। हाल ही में कोरोना काल के दौरान रतन टाटा ने न केवल 500 करोड़ रुपए का योगदान दिया, बल्कि इसके अलावा टाटा समूह ने कुल 1500 करोड़ रुपए का कुल योगदान कोविड संकट के दौरान दिया। यह राशि देश के किसी भी व्यावसायिक समूह से अधिक थी। लोगों को साथ लेकर चलने के सिद्धांत के प्रति उनकी प्रतिबद्धता उनके एक वाक्य से स्पष्ट होती है, जिसमें उन्होंने कहा कि 'अगर आप तेज चलना चाहते हैं, तो अकेले चलें। लेकिन अगर आप दूर चलना चाहते हैं, तो साथ-साथ चलें।' हालांकि वे देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने के मुखिया थे, लेकिन जो भी उनसे मिलता था, उन्होंने कभी भी यह अहसास नहीं होने दिया। कुल मिलाकर वे विनम्रता की एक मिसाल के रूप में जाने जाते हैं। उन्होंने जब टाटा समूह का नेतृत्व संभाला तो उस समय अन्य औद्योगिक समूह विभिन्न क्षेत्रों में विस्तार कर रहे थे। रतन टाटा ने अपनी एक अलग राह चुनी और अपने पूर्व स्थापित उद्योगों को गति देने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कंपनियों का अधिग्रहण किया। अधिग्रहण के समय, वार्षिक इस्पात उत्पादन के मामले में कोरस, टाटा स्टील से चार गुना बड़ी थी। कोरस दुनिया की 9वीं सबसे बड़ी इस्पात उत्पादक कंपनी थी, जबकि टाटा स्टील 56वें स्थान पर थी। अधिग्रहण के बाद टाटा स्टील दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी इस्पात उत्पादक कंपनी बन गई। सामान्यतया जब भी कोई विदेशी किसी कंपनी का अधिग्रहण करता है तो वहां के लोगों और कर्मचारियों में उसके प्रति विरोध होता है, लेकिन इस अधिग्रहण में सबसे गौरवान्वित करने वाली बात यह थी कि कर्मचारियों ने इस बाबत खुशी जताई, क्योंकि टाटा को हमेशा कर्मचारी हित को सर्वोपरि रखने वाली कंपनी के रूप में जाना जाता है।

इसी प्रकार दुनिया की सबसे बड़ी कार कंपनी फोर्ड का भी अधिग्रहण रतन टाटा के नेतृत्व में टाटा समूह ने किया, जिसके चलते टाटा मोटर्स ने भारत में ही नहीं, दुनिया में एक बड़ा स्थान बना लिया। वे हमेशा नीति निर्माताओं के लिए मार्गदर्शक रहे हैं। उनका व्यक्तित्व ऐसा था कि वे नीति निर्माताओं सहित अन्य लोगों को उनकी गलती के लिए टोक देते थे। रतन टाटा ने टाटा समूह के प्रति अपने दूरदर्शी नेतृत्व से हमेशा ही मजदूरों, उपभोक्ताओं और आम आदमी का स्नेह, प्रशंसा और वफादारी जीती है। सभी बड़े औद्योगिक घरानों में से यह टाटा समूह ही था, जिसने कोविड-19 महामारी के दौरान न केवल अपने कर्मचारियों को पूरा वेतन दिया, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया कि कोविड-19 के दौरान जान गंवाने वालों के परिवारों को उनकी सेवानिवृत्ति की तिथि तक पूरा वेतन मिलता रहे। रतन टाटा निश्चित रूप से मानवता, राष्ट्रवाद और व्यापार के बेजोड़ संगम थे। उनका सरोकार समाज का कल्याण था। बिजनेस को उन्होंने कभी भी लाभ की दृष्टि से नहीं देखा। लाभ कमाना उनका प्रथम लक्ष्य नहीं था।

उनका प्रथम लक्ष्य था समाज का कल्याण, कर्मचारी और मजदूरों का कल्याण। इसीलिए समाज, कर्मचारी व मजूदरों से उनके घनिष्ठ संबंध थे। उनका लक्ष्य था कि उन्हें बिजनेस के बजाय मानवतावादी, राष्ट्र और समाज हित के चिंतक के रूप में याद किया जाए। समाज के प्रति उनकी निष्ठाएं एकदम स्पष्ट थीं। वह बिजनेस के ऊपर समाज कल्याण को प्राथमिकता देते थे। अब उनकी भावनाओं को प्राथमिकता देने, उनके मूल्यों को विस्तार देने तथा उनके द्वारा स्थापित बहुमूल्य परंपराओं को आगे बढ़ाने का काम टाटा ट्रस्ट के नए चेयरमैन नोएल टाटा को करना है। नोएल टाटा के समक्ष जहां इस कंपनी के बिजनेस को विस्तार देने की चुनौती रहेगी, वहीं यह भी चुनौती रहेगी कि उद्योग जगत के सामाजिक उत्तरदायित्वों को किस तरह निभाया जाए।

आजादी से पहले टाटा समूह के संस्थापक श्री जमशेद जी टाटा ने देश में सबसे बड़े स्टील उद्योग की नींव रखी, जिसे आज हम टाटा स्टील के नाम से जानते हैं। जमशेद जी ने भारत के आम लोगों से एक-एक रुपया इक्विटी पूंजी के रूप में इक_ा करके इस बड़ी स्टील कंपनी का निर्माण करके यह दिखा दिया कि देशभक्त भारतीयों द्वारा ही राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। श्री रतन टाटा का जीवन न केवल हमारे देश के, बल्कि पूरे विश्व के उभरते उद्यमियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहा है।

दृष्टि कोण

बहुआयामी स्वतंत्रता सेनानी : बाबा कांशी राम

जिन्हें दुनिया फक्कड़ मस्त फकीर कहती है वो वास्तव में चेतना की वृहतता और ऊंचाई के धनी होते हैं। किसी शायर ने भी कहा है : 'मिला किसी को क्या है देखिए अमीरी से/दिलों के शाह तो अक्सर गरीब होते हैं।' कुछ ऐसे ही थे कवि, गीतकार, गायक और, सबसे अहम, स्वतंत्रता सेनानी 'पहाड़ी गांधी' बाबा कांशी राम। चौबीस वर्ष की आयु का, सुरीले कंठ वाला, संवेदनशील कवि हृदय युवा जब वर्ष 1906 के परतंत्र भारत में लाला हरदयाल, सरदार अजीत सिंह जैसे देशभक्तों के सम्पर्क में आता है तो उसके मानस पटल की उर्वरा भूमि पर देशभक्ति के बीज अंकुरित होने स्वाभाविक ही हैं। कहते हैं कुछ व्यक्ति के रक्त में जुंबिश होती है और शेष उसको परिस्थितियां परवान चढ़ा देती हैं। विज्ञान में इसे 'नेचर' और 'नरचर' कहा जाता है। यूं तो बाबा के खून में देशभक्ति का जज़्बा जन्म से ही हिलोरें लेता था, परंतु समकालीन सामाजिक परिदृश्य ने उस चिंगारी को अग्नि पुंज बना दिया और कालांतर में यह धधकती मशाल बन कर जनमानस का पथ आलोकित कर उठी। जहां उनकी चेतना के एक स्तर पर देशभक्ति का रंग जमा था, वहीं दूसरे पर साहित्य, समाज, परम्परा, भूख, लाचारी, वियोग और वेदना के स्वर थे। वह भुक्तभोगी वियोगी थे। सुमित्रा नंदन पंत की यह पंक्तियां बाबा पर अक्षरशः चरितार्थ होती हैं : 'वियोगी होगा पहला कवि/आह से उपजा होगा ज्ञान/निकल कर आंखों से चुपचाप/बही होगी कविता अनजान।' जब जेल की अंधेरी कोठरियों में स्वतंत्रता सेनानियों की भौतिक आंखों के देखने के लिए बहुत कुछ नहीं होता था तो वहां नेहरु, तिलक और बाबा कांशी राम जैसे लोग, मन की आंखों के दीप जला कर, लेखन के पथ पर अग्रसर होते रहे हैं।

चेतना में यह तथ्य उजागर होते ही, रघुपति सहाय 'फिराक गोरखपुरी' की पंक्तियां मुखर हो उठती हैं : 'कुछ क$फस की तीलियों से छन रहा है नूर सा/कुछ फ₹ा कुछ हसरतें परवा₹ की बातें करो/शामे $गम कुछ उस निगाहे ना₹ की बात करो/बेख़ुदी हद से बढ़ी है रा₹ की बातें करो।' जिस तरह नोआ$खली के दंगों में, विंस्टन चर्चिल द्वारा विशेषित 'अधनंगे फकीर' महात्मा गांधी को 'एकल मानव फौज' कहा गया था, उसी तरह कांगड़ा का यह सेनानी, पहाड़ी गांधी, वीराने में अकेली पुकार बन कर, परतंत्रता के गगन पर परवा₹ बन कर, अपनी आवा₹ जनमानस तक पहुंचाता रहा। आ₹ादी के गीत गाता रहा। जहां 'जोश मलीहाबादी' ने जनता में आजादी का जोश और जज़्बा उभारा, यह गा-गा कर : 'क्या हिंद का जिंदा कांप रहा है/गूंज रही हैं तकबीरें/उकताए हैं शायद कुछ कैदी और तोड़ रहे हैं जंजीरे/दीवारों के नीचे आ आ कर यूं जमा हुए हैं जिंदानी/सीनों में तलातुम बिजली का आंखों में झलकती शमशीरें।' वही बाबा कांशी राम का शंखनाद कांगड़ा वासियों के लिए, कुछ ऐसा था : 'इन्हां पहाडियां दी मारी गयी मत लोको/उजड़ी कांगड़ा देस जाणा/प्रदेसे दे लोक जागी उठे/सारे कांगड़े दे लोक खूब सुत्ते/इन्हां बड्डेया अपणा नक लोको/उजड़ी कांगड़ा देस जाणा/हुण मन्नों गलाया कांशी दा/डर रक्खो न तुसां फांसी दा/असां लैणा सुराज झट लोको/फिरी बस्सी कांगड़ा देस जाण।' हिंदी रूपांतर : 'मति भ्रष्ट हुई पहाडियों की/यह कांगड़ा देस उजड़ जाएगा/जब प्रदेश के लोग सब जाग उठे/सब कांगड़े के लोग क्यूं सोए हैं/नाक कटाया इन सब ने/यह कांगड़ा देस उजड़ जाएगा/मानो रे बात तुम कांशी की/दहशत रखो न मन में फांसी की/स्वराज जो झट हम ले लेंगे/तो कांगड़ा देस भी बस जाएगा।' यह क्रांति का बिगुल एक मिली जुली आवाज थी। जहां इसमें निराशा की निशा और खेद की धुंध थी, तो तत्पश्चात आशा का उजाला और जीत-ख़ुशहाली का स्वप्न भी था। गालिब के इन दो मिसरों की तरह, पहले तो बदहाली के काले बादल : 'यूं ही गर होता रहा गालिब तो, एहले/जहां देखना इन बस्तियों को तुम की तन्हा हो गईं/और फिर बादलों में प्रकट होती सुनहरी किरण/रंज से खूगर हुआ इन्सां तो मिट जाता है रंज/मुश्किलें मुझ पर पड़ी इतनी की आसां हो गईं।' जैसे अपने परिचय को लेकर किसी शायर ने कहा है-'भटका हुआ खयाल हूं वादी में जेहन की अलफाज के नगर का पता पूछता हूं मैं।'

उसी तरह, बाबा कांशी राम भी अपनी पहचान में दार्शनिकता का पुट लाकर कहते हैं : 'ए मत पुच्छ मेरिये भैणे/मैं कुण, कुण घराना मेरा/सारा हिंदुस्तान है मेरा/भारत मां है माता मेरी/ओ जंजीरा जकड़ी है/ओ अंग्रेजां पकड़ी है/कांशी उस जो आजाद कराना है।' 'कांशी राम सुण एह कैहंदा /जेहड़ा गुरदासपुर जेल च रहंदा/कागज खलारी डयोढी बिच बैहंदा/वायदा स्वराज भुली न जाणा।' हिंदी रूपांतर : भावार्थ :'न पूछ बहिन तू मेरा पता/सारा हिंदुस्तान है मेरा/भारत माता है मां मेरी/ग़ुलामी की जंजीरों से मुक्त करवाना है भारत माता को।' मैं गुरदासपुर जेल में रहता हूं।

कुछ अलग

गठरी तेरी चोर

साधो! आजकल घाटों पर संतों की भीड़ है। घाट भी संतों के हैं और भीड़ भी। इसलिए गठरी चोरी होने की पूरी संभावना है। नहान के लिए जाते वक्त जऱा ध्यान रखें कि डुबकी लगाते समय कपड़े सही-सलामत रहें। नहीं तो हो सकता है कि आपको कच्छे में ही घर वापस आना पड़े। किन्तु कच्छा फटा होने पर आपकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। संसार की नजऱ आपके कपड़ों पर रहती है। शरीर पर कपड़े न हों तो कोई सोशल मीडियावीर आपका वीडियो बना सकता है। पर आत्मा के नंगे होने का वीडियो कोई नहीं बनाता। इस बात की पूरी संभावना है कि वीडियो बनाने वाले की आत्मा भी नेतनयाहू या बाईडेन की तरह वस्त्रहीन हो। लेकिन आप यह सोचकर क़तई ख़ुश न हों कि हमारे देश के नेताओं की आत्मा ढकी हुई है। आज़ादी के अमृत काल में चल रहे सार्वजनिक नंग नहान के दौर में अब न हमाम की ज़रूरत है और न कपड़ों की। बेशर्मी ही वस्त्र हैं। जो जितना बड़ा बेशर्म होगा, वह उतना ही बड़ा नेता होगा या सार्वजनिक जीवन में उतना ही सफल व्यक्ति होगा। आत्मा नंगी होने पर लोगों की गठरिया पर हाथ साफ करने में आसानी रहती है। चोरों के कच्छा गिरोह के बारे में आपने सुना होगा। चोरों का यह गिरोह अपने शरीर पर तेल मल कर चोरी करने निकलता है। ऐसे में उन्हें पकडऩा मुश्किल होता है क्योंकि फिसल कर चोर आसानी से भाग जाता है। लेकिन आत्मा नंगी हो तो शरीर पर तेल लगाने की ज़रूरत भी नहीं पड़ती। बस आपको वे तमाम हिकमतें आनी चाहिए जो आपको सत्ता के केन्द्र में बनाए रखें। इसके लिए यह भी ज़रूरी नहीं कि आप मंत्री या नेता हों। तरीके पता हों तो चाहे कोई मंत्री हो या संतरी, उसे पता होता है कि गठरी चुरानी कैसे है और रंगे हाथ पकड़े जाने के बावजूद अपने आपको संत कैसे साबित करना है। बेचारा आम आदमी यह सोचकर भ्रमित होता रहता है कि गठरी में चोर लगा है या गठरी ही चोर है। क्योंकि गठरी चोरी करने का आरोपी या तो मंत्री है या फिर नेता, अफसर, अभिनेता, संतरी, बिजनेसमैन या कोई बड़ी तोप। ऐसे भले लोग तो देश के सेवक होते हैं या फिर चौकीदार। अतः उन पर रत्ती भर भी शक नहीं किया जा सकता। हां, गठरी पर अवश्य संदेह किया जा सकता है। ऐसे में आम आदमी सिर खुजाते हुए सोचता रहता है कि गठरी ही चोर होगी। ये सभी तो भले आदमी हैं। कबीर ने पता नहीं क्या सोच कर कहा था कि 'तेरी गठरी में लागा चोर, मुसाफिर जाग जऱा।' कबीर आज होते तो अपने शब्दों को बदल कर कहते, 'गठरी तेरी चोर है, या गठरी में चोर। गाफ़िल तू सोया हुआ, बाहर-भीतर चोर।' नंगी आत्माओं ने अपनी सुविधा के हिसाब से सिस्टम को गठरी बना दिया है। जब उनका जी करता है सिस्टम को चुरा लेते हैं या उसमें सेंध मार कर चोरी कर लेते हैं। अब तो सेंध मारने की ज़रूरत भी नहीं पड़ती। बस सिस्टम के जादू से ईवीएम में आंकड़े बदलते हैं और सरकार बन जाती है। सभी जादूगर हैं। लोकतंत्र के तीन स्तम्भों में जादूगर बैठे हैं और चौथे स्तम्भ में विदूषक, जो सिस्टम की किसी भी गड़बड़ को कुतर्क के हाजमोले से पचा डालते हैं। भेड़ों को अपनी मैं-मैं में पता ही नहीं चलता कि किस कोने में चोर उनकी गठरी पर हाथ साफ कर गए हैं। आज़ादी के बाद बड़े जतनों से रहनुमाओं ने बिखरे गूदड़ों को इक_ा कर देश की गठरी बांधी थी। सिस्टम को गठरी के अंदर रखा था। लेकिन अब गठरी सिस्टम के अंदर आ चुकी है और गठरी की गांठ नंगी आत्माओं के हाथ है। ढीली गांठ से गूदड़ बिखरना शुरू हो चुके हैं। मुझे डर है कि गूदड़ों को एक रंग में रंगने का सपना देखने वाली नंगी आत्माएं इन गूदड़ों की चिन्दी-चिन्दी न कर दें। ख़ुदा ख़ैर करे। क्षमा करें।

देश दुनीया से

नये जिलों के सृजन की तार्किकता का सवाल

कहने को 'न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन'– एक बढ़िया और उपयुक्त नारा है। अन्य लोकप्रिय मुहावरा यह है कि भारत की शासकीय संरचना केवल तीन शक्तिशाली स्तंभों पर टिकी है : प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और जिलाधीश; जिसको लेकर आमतौर पर कहा जाता है कि पीएम-सीएम-डीएम नामक त्रिमूर्ति भारत का राजकाज चलाती है। विभाजन के समय भारत में ज़िलों की संख्या सटीक रूप से ज्ञात नहीं है, लेकिन 1951 में स्वतंत्रता के बाद पहली जनगणना के समय कुल 402 जिले थे। ये जिले 27 राज्यों और 3 केंद्रशासित प्रदेशों (यूटी) में फैले हुए थे। नवीनतम आंकड़े के अनुसार, देश में 28 राज्य, 8 केंद्रशासित प्रदेश और 806 जिले हैं। इनमें 5 जिले हाल ही में लद्दाख में जोड़े गए हैं–जो कि सबसे नया केंद्रशासित प्रदेश है और जिसकी स्थापना 2019 में हुई है। अब इसके जिलों की संख्या 2 से बढ़कर 7 हो गई है। देशभर के जिलों की संख्या साल 1951 में 402 थी व साल 1991 तक उसमें 74 नए जिले बनकर जुड़े। अगले दशक (1991-2001) में 117 नए जिले जोड़े गए, 2001 से 2011 के बीच इनकी संख्या 47 रही। पिछले 13 वर्षों में 166 नवीन जिलों का निर्माण हुआ है। साल 1951 में, आंध्र प्रदेश में 19 जिले थे और हैदराबाद सूबे में 17 जिले थे, आज आंध्र प्रदेश में 26 तो आंध्र प्रदेश से अलग होकर बने तेलंगाना में ही 33 जिले हैं। इसी तरह, असम में यह संख्या 13 से बढ़कर 35 हो गई, बिहार में 18 से 38, दिल्ली में 1 से 11, हिमाचल प्रदेश में 6 से 12, जम्मू-कश्मीर में 6 से 20, पंजाब में 12 से 23, ओडिशा में 13 से 30, राजस्थान में 21 से 50, उत्तर प्रदेश में 40 से 75 और पश्चिम बंगाल में संख्या 15 से 30 हो गई है। राज्य पुनर्गठन अधिनियम-1956 लागू होने के बाद बनाए गए कुछ नए राज्यों का रिकॉर्ड चौंकाने वाला है। हरियाणा में 22 जिले हैं, जबकि 1966 में इसके निर्माण के समय 7 जिले थे। तेलंगाना की गिनती 10 से बढ़कर 33 हो गई है, उत्तराखंड में 9 से 13, झारखंड 18 से 24 और छत्तीसगढ़ में 16 से बढ़कर 33 जिले हो गए। एक नए जिले का निर्माण, जो कि अनिवार्य रूप से एक प्रशासनिक इकाई होता है, लगता नहीं यह करते वक्त किसी भी तर्कसंगत सिद्धांत का पालन किया जाता है। जिला बनाने के लिए कोई परिभाषित भौगोलिक या जनसांख्यिकीय मानदंड नहीं हैं। भारत का सबसे बड़ा जिला कच्छ है, जिसका क्षेत्रफल 45,674 वर्ग किमी और जनसंख्या 20,92,371 है। सबसे छोटा जिला माहे है, जिसका क्षेत्रफल महज 8.69 वर्ग किमी. और जनसंख्या 41,816 है। आबादी के हिसाब से उत्तर 24 परगना सबसे बड़ा जिला है, जहां पर 1,00,09,781 लोग बसे हैं और कुल क्षेत्रफल 4,094 वर्ग किमी है, जबकि सबसे कम आबादी दिबांग घाटी की है जहां पर 8,004 निवासी हैं और 9,129 वर्ग किमी क्षेत्र है। अविभाजित लेह जिले की जनसंख्या 1,33,487 और क्षेत्रफल 45,110 वर्ग किमी था वहीं कारगिल की जनसंख्या 1,40,802 और क्षेत्रफल 14,086 वर्ग किमी था। अब कारगिल से काटकर द्रास और झांस्कार को जिला बनाया गया है और लेह को विभाजित कर चांगथांग, नुब्रा और शाम घाटी नामक जिले बनाए गए हैं। यह सच है कि मूल लद्दाख जिला प्रशासन चलाने के लिहाज से अत्यंत विशाल था। कारगिल और लेह सांस्कृतिक रूप से अलहदा हैं। इस कारण 1979 में कारगिल को एक अलग जिले के रूप में रखा गया। छोटा किए जाने के बावजूद लेह जिला भौगोलिक दृष्टि से देश का दूसरा सबसे बड़ा जिला बना रहा। भारत में नए जिले का निर्माण आम तौर पर किसी वस्तुनिष्ठ मानदंड की बजाय राजनीतिक मांगों का परिणाम होते हैं। मसलन, लद्दाख के मामले में, कारगिल से अलग करके एक नया मुस्लिम बहुल जिला 'सन्कू' बनाने के लिए विरोध प्रदर्शन हुए, शायद इसलिए भी कि सर्दियों के दौरान यह इलाका अक्सर कारगिल से कटा रहता है। कारगिल से अलग करके एक नया जिला बनाने की इस किस्म की मांग झांस्कार के लोगों द्वारा भी की गई थी। यही बात लेह के सभी हिस्सों जैसे द्रास, चांगथांग, खालत्सी और तुरतुक के बारे में भी कही जा सकती है। हालांकि, क्या एक जिले का दर्जा देने की मांग के पीछे महज एक नई प्रशासनिक इकाई बनाने वाला औचित्य काफी है, जबकि इससे राजकोष पर काफी वित्तीय बोझ पड़ता है। एक नया जिला बनते ही अतिरिक्त कर्मी, नए कार्यालय और आवासीय भवनों का निर्माण जरूरी हो जाता है। नया जिला आम तौर पर उपखंड मुख्यालय को अपग्रेड कर बनाया जाता है, साथ ही पुलिस अधीक्षक और अन्य जिला-स्तरीय कार्यालय जैसे सहायक तंत्र की स्थापना करनी पड़ती है। लेकिन अक्सर ऐसा होता नहीं क्योंकि संलग्न कार्यालय बनने में लंबा वक्त लगता है। कभी-कभी, बजटीय बाधाओं के कारण सभी विभागीय कार्यालयों के अपग्रेडेशन की न तो जरूरत होती है और न ही यह संभव है। मुख्य बिंदु यह है कि नया जिला बनने से जिलाधिकारी को अधिकारों का कोई बहुत बड़ा हस्तांतरण नहीं होता।

विभाजन के समय भारत में ज़िलों की संख्या सटीक रूप से ज्ञात नहीं है, लेकिन 1951 में स्वतंत्रता के बाद पहली जनगणना के समय कुल 402 जिले थे। ये जिले 27 राज्यों और 3 केंद्रशासित प्रदेशों (यूटी) में फैले हुए थे। नवीनतम आंकड़े के अनुसार, देश में 28 राज्य, 8 केंद्रशासित प्रदेश और 806 जिले हैं। इनमें 5 जिले हाल ही में लद्दाख में जोड़े गए हैं–जो कि सबसे नया केंद्रशासित प्रदेश है और जिसकी स्थापना 2019 में हुई है। अब इसके जिलों की संख्या 2 से बढ़कर 7 हो गई है।

आप का नजरीया

एचआरटीसी का मेकअप

पचास साल के हिमाचल पथ परिवहन निगम की बसों में फिर से जोश भरने की कवायद शुरू हुई, जिसका स्वागत करना होगा। योजनाएं महत्त्वाकांक्षी हैं, फिर भी सोचना यह होगा कि अंततः घाटा इतना कैसे बढ़ गया कि आगे बढऩे के बजाय एचआरटीसी अपने ही पाप नहीं धो पा रहा है। मुख्यमंत्री ने कर्मचारियों के लंबित मामलों को आसरा देते हुए पचास करोड़ की अदायगी का वास्ता दिया है, तो इसी परिप्रेक्ष्य में कई अन्य मांगें भी स्वीकार की गईं। बहरहाल एचआरटीसी के रूट पर वादों की फेहरिस्त लंबी होती दिखाई दे रही है, जहां आने वाले समय में पंद्रह सौ इलेक्ट्रिक बसें दौड़ेंगी, रिक्तियां भरी जाएंगी तथा वोल्वो जैसी बसें भी नए मेकअप में सामने आएंगी। कहना न होगा कि हिमाचल में सडक़ परिवहन की क्षमता, संभावना और आर्थिकी निरंतर बढ़ी है और बढ़ रही है, लेकिन राज्य की देनदारी में एचआरटीसी का फलक हमेशा से नुकसानदायी साबित हुआ। बेशक हर नई सरकार ने जनता की उम्मीदों की एचआरटीसी साबित करते-करते इसके बेड़े को हानि का अस्तबल बना दिया, लेकिन हिमाचल की आर्थिक यात्रा की यही सहचरी रही है। दरअसल हिमाचल निर्माण के हर क्षेत्र में परिवहन निगम की भूमिका इसलिए भी दिखाई देती है, क्योंकि इसका ताल्लुक गांव-देहात से कबाइली इलाकों तक रहा। कहना न होगा कि पीडब्ल्यूडी महकमा भी अगर सडक़ें बना रहा था, तो उसकी प्रमाणिकता के लिए सर्वप्रथम एचआरटीसी बस ही इसके ऊपर दौड़ी होगी। पर्यटन अगर आज प्रदेश की आर्थिकी को चार चांद लगा रहा है, तो परिवहन निगम के पहियों पर ही प्रदेश प्रारंभिक तौर पर डेस्टिनेशन बना। साक्षरता दर बढ़ाने के लिए कोई बच्चा स्कूल या छात्र कालेज तक पहुंचा, तो सरकारी उद्देश्य को सरकारी बस ने ढोया होगा। ऐसे में अगर पचास साल का सफर अब एक मोटे घाटे में दिखाई दे रहा है, तो यह समाज की बेहतरी और सरकारों के लक्ष्यों को ढोने का सबब भी है। यह दीगर है कि अब वो आरंभिक दौर नहीं रहा और इस युग की प्रतिस्पर्धा और प्रासंगिकता में परिवहन निगम को अपना वित्तीय संतुलन बनाना पड़ेगा, लेकिन इससे पहले एक बार सरकार को अपना पूर्ण समर्थन देते हुए इसे वित्तीय घाटे के जंजाल से मुक्त कराने का खास प्रबंध करना होगा ताकि सारा प्रारूप बदले। एचआरटीसी पर हुआ राजनीतिक सफर अगर नहीं रोका गया, तो न कहने का कोई फायदा और न करने की कोई जिरह मुकम्मल होगी। एचआरटीसी की कार्यप्रणाली में बाहरी सुधार तो दिखाई देते हैं, लेकिन आंतरिक दशा सुधारने की जरूरत को समझना होगा। कर्मचारियों पर अधिकारियों की संख्या की औसत फिलहाल भारी है और इसी तरह अनावश्यक बस डिपो की शुमारी भी अनावश्यक है। एचआरटीसी को हिमाचल का ब्रांड बनकर अंतरराज्यीय बसों का स्तर ऊंचा उठाना है, तो इसके लिए संचालन का दायरा बेहतर करना होगा, जबकि एक मुकाबला निजी बसों से भी रहेगा। हिमाचल जिस रफ्तार से पर्यटन राज्य बन रहा है, उसे देखते हुए परिवहन निगम को ट्रैवल एजेंसी के रूप में नए प्रयोग करने होंगे।

द आइडिया और द स्टोरी एंड द फिल्म विषय पर कार्यशाला का आयोजन

जयपुर (हिंस)। आईआईएसयूथियेट्रिकल सोसाइटी और पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की ओर से द आइडिया, द स्टोरी एंड द फिल्म विषय पर मंगलवार को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय कैंपस स्थित आदित्य हॉल में किया गया। कार्यशाला में डायरेक्टर एंड फिल्म मेकर एफटीआईआई पुणे ग्रेजुएट गौरव असरी और स्क्रीनराइटर विशाल सोलंकी शामिल हुए। जिन्होंने छात्राओं को सिनेमा और फिल्म राइटिंग की दुनिया को गहराई से समझने पर प्रकाश डाला। गौरव ने बताया कि फिल्म निर्माण में कहानी, पात्र और ड्रामा की भूमिका अहम होती है।

हरियाणा के बाद गहलोत को महाराष्ट्र में मिली बड़ी जिम्मेदारी, पायलट को सीनियर ऑब्जर्वर

जयपुर (हिंस)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का बंटवारा किया है। इन चुनावों के लिए राजस्थान के दो दिग्गज नेता पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट को पार्टी ने बड़ी जिम्मेदारी सौंपी हैं। अशोक गहलोत को जी परमेश्वर के साथ मुंबई और कोंकण डिवीजन का सीनियर ऑब्जर्वर नियुक्त किया गया है, जबकि सचिन पायलट और उत्तम कुमार रेड्डी को मराठवाड़ा डिवीजन का सीनियर ऑब्जर्वर बनाया गया है। कांग्रेस की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है

कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने एआईसीसी के वरिष्ठ पर्यवेक्षक और स्टेट इलेक्शन सीनियर को-ऑर्डिनेटर को नियुक्त किया है। पार्टी ने इन अनुभवी नेताओं को महाराष्ट्र चुनाव में ऑब्जर्वर नियुक्त कर चुनावी तैयारियों में मजबूती लाने की कोशिश की है। हरियाणा विधानसभा चुनाव के समय कई दिनों के बेड रेस्ट के बाद सियासत में सक्रिय हुए पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पार्टी हाई कमान ने पार्टी का सीनियर ऑब्जर्वर बनाया था। उनके साथ कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय माकन और प्रताप सिंह बाजवा को भी सीनियर ऑब्जर्वर की जिम्मेदारी मिली थी। यहीं नहीं गहलोत को स्टार प्रचारक भी बनाया गया था।

पंजाब में पंचायत चुनाव के दौरान छिटपुट हिंसा

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में मंगलवार को पंचायत चुनाव के दौरान हिंसा की छिटपुट घटनाओं के बीच मतदान शांतिपूर्वक संपन्न हो गया। शाम चार बजे तक औसतन 55 प्रतिशत मतदान हुआ है। जो लोग शाम चार बजे तक कतारों में खड़े हैं, उनके वोट डलवाए जाने के बाद ही मतगणना होगी। राज्य में कुल 13, 937 ग्राम पंचायतें हैं। चुनाव ईवीएम की बजाय बैलट पेपर से हो रहे हैं। बैलट पेपर पर नोटा का विकल्प भी है। पंचायत चुनाव में 96 हजार कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। पुलिस की तरफ से भी पुख्ता इंतजाम हैं। आज सुबह आठ बजे शुरू हुए मतदान के दौरान पटियाला में एक मतदान केंद्र पर गोलियां चलीं और पथराव हुआ। घटना में 2 लोग घायल हो गए। आरोप है कि बाहरी लोगों ने गांव के मतदान केंद्र पर फायरिंग की। बरनाला में पंचायत चुनाव ड्यूटी पर तैनात एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई। मृतक की पहचान सीनियर कांस्टेबल लक्खा सिंह (53 वर्ष) के रूप में हुई है। जगरांव के कोठे अठचक्क गांव में मतदान शुरू होते ही विवाद हो गया। लोगों के हंगामे के बाद वहां करीब एक घंटे तक वोटिंग रुकी रही। इसके अलावा जगराओं के गांव पोना और गांव डल्ला में चुनाव रद्द करने के आदेश दिए गए हैं। पंचायत चुनाव ड्यूटी के लिए फाजिल्का से जालंधर आए एक शिक्षक की सोमवार रात संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। इस बारे में उसके सहयोगियों को मंगलवार की सुबह मतदान से कुछ समय पहले पता चला। मानसा जिले के गांव मानसा खुर्द में बैलेट पेपर गलत छपने के कारण वोटिंग रोक दी गई। तरनतारन जिले के गांव सोहल सैण में मतदान केंद्र के बाहर गोली चली। गोली लगने से एक व्यक्ति घायल हो गया। मतदान के लिए कतार में खड़े लोगों के बीच विवाद हुआ। जीरा के लोहके खुर्द में भी बूथ कैप्चरिंग की कोशिश हुई। वहां पर बैलट पेपरों पर स्याही डालकर वोटों को खराब किया गया। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने बताया कि इस बारे में उच्च अधिकारियों को सूचित किया गया। मौके पर अतिरिक्त पुलिस बल को बुलाकर मामला सुलझाया गया।

राजस्थान में कल से बदल जाएगा स्कूलों का समय

जयपुर (हिंस)। प्रदेश के सभी सरकारी स्कूलों में बुधवार से समय परिवर्तन होगा। अब स्कूल सुबह दस बजे से शाम चार बजे तक लगेंगे। शिविरा पंचांग के अनुसार स्कूलों का शीतकालीन समय एक अक्तूबर से प्रभावी हो जाता है लेकिन इस बार एक अक्तूबर को तापमान अधिक रहने पर पंचांग में संशोधन कर ग्रीष्मकालीन टाइम टेबल की अवधि 15 अक्तूबर तक बढ़ा दी थी। अब तापमान कम होने लग गया है। ऐसे में स्कूलों का समय 16 अक्तूबर से सुबह दस बजे से शाम चार बजे तक हो जाएगा। शिक्षा विभाग के शिविरा पंचाग के अनुसार एक अक्तूबर से शीतकालीन समय लागू हो जाता है। इसके अनुसार एक अक्तूबर से 30 मार्च तक स्कूलों का समय सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक किया जाता है। लेकिन पिछले दो सालों से अक्तूबर की शुरूआत में भी तेज गर्मी पड़ रही है। ऐसे में शिक्षा विभाग हर बार एक अक्तूबर से स्कूल समय नहीं बदल रहा है। इस बार यह लगातार तीसरा साल है, जब अक्तूबर में स्कूलों का समय 16 अक्तूबर से बदल रहा है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी ने 30 सितम्बर को स्कूलों के समय परिवर्तन को लेकर आदेश जारी किए थे।

चंडीगढ़ में 18 को होगी कांग्रेस विधायक दल की बैठक, नेता का होगा चुनाव

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा में कांग्रेस को तीसरी बार भी विधानसभा में विपक्ष की कुर्सियों पर बैठना पड़ेगा। चुनाव परिणामों में पिछड़ने के बाद अब कांग्रेस विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति के लिए सक्रिय हो गई है। कांग्रेस ने अपने विधायक दल की बैठक 18 अक्तूबर को बुलाई है। चंडीगढ़ स्थित कांग्रेस मुख्यालय में होने वाली इस बैठक में पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में विधायक दल के नेता का चुनाव किया जाएगा। हरियाणा विधानसभा चुनाव में हार के कारणों की पड़ताल के लिए राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अध्यक्षता में बनी फैक्ट फाइंडिंग कमेटी बनाई गई है। इस कमेटी के सदस्य व पंजाब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा और वरिष्ठ नेता अजय माकन की मौजूदगी में होने वाली कांग्रेस विधायक दल की बैठक में नेता प्रतिपक्ष के नाम पर फैसला होगा। राज्य में पिछले पांच वर्ष से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा विधायक दल के नेता और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष थे। विधानसभा चुनाव हार के लिए एंटी हुड्डा खेमा पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा व प्रदेश अध्यक्ष चौ उदयभान को जिम्मेदार ठहरा रहा है। टिकट आवंटन से लेकर चुनाव प्रचार में एकतरफा चलाने की वजह से ही कांग्रेस की हार हुई, ऐसा अब कांग्रेस के कई नेता आरोप लगा रहे हैं। ऐसे में भूपेंद्र सिंह हुड्डा के फिर से विधायक दल का नेता चुने जाने के आसार कम हैं।

उपचुनाव : राजस्थान में सात विस सीटों पर 13 नवंबर को वोटिंग

जयपुर (हिंस)। भारत निर्वाचन आयोग ने राजस्थान में सात सीटों पर होने वाले विधानसभा उपचुनाव की तारीखों का एलान कर दिया है। चुनाव आयोग के मुताबिक राजस्थान में सात सीटों पर 13 नवंबर को वोटिंग होगी, वहीं 23 नवंबर को परिणाम आएंगे। मंगलवार को एक प्रेस कांफ्रेंस में चुनाव आयोग ने झारखंड और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के साथ राजस्थान में भी उपचुनावों की तारीखों की घोषणा की है। प्रदेश में झुंझुनूं, दौसा, देवली-उनियारा, खींवसर, चौरासी, सलूंबर, रामगढ़ सीटों पर उपचुनाव होंगे। चुनावों की तारीख जारी होते ही इन सात सीटों पर तत्काल प्रभाव से आचार संहिता लागू हो गई है। आचार संहिता लगने के साथ ही इन सीटों पर अब कोई भी उद्घाटन, लोकार्पण और सरकारी योजना की घोषणा नहीं हो सकेगी। राजस्थान में सात सीटों पर उपचुनाव होगा। इन विधानसभा सीटों में से चार सीट कांग्रेस, एक सीट हनुमान बेनीवाल की आरएलपी, एक सीट राजकुमार रोत (बाप) की थी। वहीं एक सीट पर भाजपा जीती थी। खींवसर (नागौर), झुंझुनूं, दौसा, चौरासी (डूंगरपुर) और देवली उनियारा सीट लोकसभा चुनाव का परिणाम आने के बाद खाली हुई हैं। हनुमान बेनीवाल, बृजेन्द्र ओला, मुरारीलाल मीना, राजकुमार रोत और हरिश्चन्द्र मीणा के सांसद बनने से पांच विधानसभा सीट खाली हुई थी। इसके बाद सलूम्बर से भाजपा विधायक अमृतलाल मीना और रामग? से कांग्रेस विधायक जुबैर खान के निधन के बाद यह दोनों सीट भी खाली हुई हैं। राजस्थान में होने वाले इन उपचुनाव में प्रदेश की दोनों ही बड़ी पार्टी कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बड़े नेताओ की प्रतिष्ठा दांव पर रहेगी। जहां एक तरफ मौजूदा भाजपा सरकार अपने 10 महीने के कार्यकाल को लेकर चुनाव में उतरेगी, वहीं कांग्रेस पार्टी अपनी पूर्ववर्ती सरकार की योजनाओं और मौजूदा सरकार की कमियों को लेकर चुनावी मैदान में नजर आएगी।

यमुनानगर : भारतीय संस्कृति के अनुसार जीवन यापन जरूरी : सीडीएस कौशल

यमुनानगर (हिंस)। हरियाणा साहित्य एवं संस्कृत अकादमी के संस्कृत प्रकोष्ठ सौजन्य से डीएवी गर्ल्स कॉलेज के संस्कृत व हिंदी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में मानवीय मूल्यों और नैतिकता की खोज भारतीय ज्ञान व्यवस्था के परिप्रेक्ष्य के विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ के संस्कृत विभाग के पूर्व विभाग अध्यक्ष डॉ. वीरेंद्र अलंकार मुख्य अतिथि रहे। डीएवी कॉलेज चंडीगढ़ के संस्कृत विभाग अध्यक्ष डॉ. सुषमा अलंकार मुख्य वक्ता रहीं। संस्कृत प्रकोष्ठ के निदेशक डॉ. सी.डी.एस कौशल व कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. मीनू जैन ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मंगलवार को हुए कार्यक्रम में डॉ. सीडीएस कौशल ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में मानवीय मूल्यों का विस्तृत रूप से उल्लेख किया गया। हर भारतीय को वेदों व पुराणों के के मंत्र याद होने चाहिए। भारतीय संस्कृति के मुताबिक जीवन यापन करना चाहिए। प्रत्येक मनुष्य को पंच महायज्ञ का आचरण करना चाहिए। प्रात:काल व सायं:काल को ध्यान योग व हवन अवश्य करना चाहिए। डॉ. वीरेंद्र अलंकार ने मनुस्मृति के मुताबिक धर्म की परिभाषा का वर्णन किया।

सत्य, पवित्रता, दया, करूणा, आत्मनियंत्रण, दान इत्यादि का पालन करना चाहिए। उन्होंने बताया कि इन सत्य आदि धर्मों से युक्त प्राणी सच्चा धार्मिक होता है। वेदों के मंत्रों को मानवीय मूल्यों से जोड़कर स्वयं को विकसित करने के बारे में बताया। डॉ. सुषमा अलंकार ने वैदिक विवाह पद्धति के मूल्यों का वर्णन करते हुए बताया कि विवाह एक पवित्र कर्म है। विवाह संस्कार के अंतर्गत सप्तपदी के महत्व की चर्चा की। उन्होंने बताया कि विवाह संस्कार का मुख्य उद्देश्य धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की प्राप्ति में सहायक होना है। डॉ. अनुभा जैन ने जैन धर्म में वर्णित त्याग, तपस्या, करूणा, दया, धर्य आदि मानवीय मूल्यों का विस्तार से वर्णन किया।

135 राजपत्रित अधिकारी सहित 336 कर्मचारी मिले अनुपस्थित

जोधपुर (हिंस)। प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग की शासन सचिव उर्मिला राजोरिया के निर्देशानुसार उप शासन सचिव रमेश चन्द परेवा एवं अतिरिक्त निदेशक (निरीक्षण) के नेतृत्व में राज्य स्तरीय निरीक्षण दल के सदस्य अनुभागाधिकारी महेन्द्र कुमार सरावता, सहायक अनुभागाधिकारी चेना राम भदाला एवं सहायक अनुभागाधिकारी मदन लाल ने मंगलवार को सुबह 9.40 बजे जोधपुर जिला मुख्यालय के विभिन्न राजकीय कार्यालयों एवं विभागों का आकस्मिक निरीक्षण किया। शासन उप सचिव एवं अतिरिक्त निदेशक (निरीक्षण) रमेश चन्द परेवा ने बताया कि निरीक्षण के दौरान जोधपुर जिला मुख्यालय के विभिन्न राजकीय कार्यालयों एवं विभागों की संधारित 121 उपस्थिति पंजिकाएं मौके पर ही जब्त की गई। उन्होंने बताया कि इन कार्यालयों एवं विभागों के कुल 569 राजपत्रित अधिकारियों में से 135 राजपत्रित अधिकारी अनुपस्थित पाए गए जो कि प्रतिशत की दृष्टि से 23.72 प्रतिशत है। साथ ही, कुल 1318 अराजपत्रित कर्मचारियों में से 336 कर्मचारी अनुपस्थिति पाए गए जो कि प्रतिशत की दृष्टि से 25.49 प्रतिशत हैं। उन्होंने बताया कि अनुपस्थित अधिकारियों एवं कार्मिको के विरुद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की रिपोर्ट उच्च स्तर पर भेजी जाएगी।

हाईकोर्ट ने *मातृ देवो भव* का उल्लेख करते हुए दिया निर्देश

बेटी को अस्पताल में भर्ती अपनी मां के 25 प्रतिशत मेडिकल बिल के भुगतान का निर्देश दिया

प्रयागराज (हिंस)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रांची के एक अस्पताल में भर्ती मां के इलाज के लिए 25 प्रतिशत खर्च के भुगतान का बेटी को निर्देश दिया है। बेटी ने हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल कर अपनी मां के साथ रख-रखाव विवाद को निपटाने की इच्छा व्यक्त की। कोर्ट ने कहा वह अपनी मां के लिए वर्तमान बकाया चिकित्सा खर्च का कम से कम 25 प्रतिशत भुगतान करे। जो वर्तमान में अस्पताल में भर्ती है। रहीम के दोहा और तैत्तिरीय उपनिषद की शिक्षाओं का उल्लेख करते हुए, जस्टिस सौरभ श्याम शमशेरी की पीठ ने कहा कि *मातृ देवो भव* (माता देव यानि भगवान के समान है) और क्षमा बढ़न को चाहिए, छोटन को उत्पात। (बड़ों को क्षमा शोभा देती है और छोटों को उत्पात। अदालत ने धारा 482 के तहत एक बेटी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए ये टिप्पणियां की। बेटी ने परिवार अदालत के एक आदेश को चुनौती दी है, जिसमें उसे अपनी मां को रख-रखाव के लिए प्रति माह 8, 000 रुपए का भुगतान करने का निर्देश दिया गया है। मां ने इससे पहले

अपनी बेटी से गुजारा भत्ता की मांग करते हुए परिवार अदालत के समक्ष दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत आवेदन दायर किया था, जिसे एकपक्षीय अनुमति दे दी गई थी। आवेदक बेटी ने एकपक्षीय रखरखाव आदेश के सम्बंध में एक रिकॉल आवेदन दायर किया, जिसमें तर्क दिया गया कि उसकी मां की चार अन्य बेटियां हैं। उन्हें भी उसकी सम्पत्तियों में शेयर आवंटित किए गए हैं। आवेदक ने तर्क दिया कि उसकी उपेक्षा की गई थी और जब रख-रखाव की मांग की बात आई, तो उसकी मां ने केवल उससे समर्थन मांगा है न कि अपनी अन्य बेटियों से, जो अनुचित था। कोर्ट ने रिकॉल एप्लिकेशन को भी खारिज कर दिया था। हाईकोर्ट में भरण पोषण तथा रिकाल अर्जी खारिज किए जाने सम्बंधी दोनों आदेश को चुनौती दी गई है। हाईकोर्ट में बेटी संगीता कुमारी की तरफ से गुण-दोष के आधार पर बहस नहीं की बल्कि अदालत को बताया कि पक्ष आपस में मामले को सुलझाने के लिए तैयार हैं। अदालत को यह भी सूचित किया गया कि आवेदक अस्पताल में अपनी मां से मिलने जाएगी जहां वह वर्तमान में भर्ती है और वह उससे एक मां के रूप में मिलने की कोशिश करेगी, न कि एक प्रतिद्वंद्वी के रूप में। कोर्ट ने याची के अधिवक्ता के इस कथन पर इस मामले को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाने की उम्मीद व्यक्त करते हुए बेटी को निर्देश दिया कि वह अपनी मां के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करे और अस्पताल में भर्ती मां पर किए गए चिकित्सा खर्च की बकाया राशि का कम से कम 25 प्रतिशत भुगतान करे। कोर्ट याचिका की पुन: सुनवाई करेगी।

बहराइच मामले की उच्च स्तरीय जांच हो रही : ब्रजेश पाठक

वाराणसी (हिंस)। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि बहराइच हिंसा मामले को सरकार ने बेहद गंभीरता से लिया है। इसकी उच्च स्तरीय जांच हो रही है। शरारती और आपराधिक तत्वों की पहचान की जा रही है। जो भी इस घटना में दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मंगलवार को एक दिवसीय वाराणसी दौरे पर आए उपमुख्यमंत्री मीडिया से रूबरू थे। उन्होंने पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि बहराइच मामले में पुलिस अधिकारियों की भूमिका और उनकी लापरवाही की भी जांच हो रही है। वहां स्थिति नियंत्रण में है। पूरे राज्य में सतर्कता बरती जा रही है ताकि फिर ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। बहराइच हिंसा को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव के बयान पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी के डीएनए में ही दंगा-फसाद है।

फर्जी कागजात बनाकर बसे बांग्लादेशियों को शरण देने वालों पर कार्रवाई की मांग

जयपुर (हिंस)। भारत जोड़ो मिशन सोसाइटी ने पिछली कांग्रेस सरकार पर बांग्लादेशियों को फर्जी कागज बनाकर शरण देने का आरोप लगाते हुए शरण देने में मदद करने वाले लोगों पर सख्त कार्रवाई की मांग की हैं। भजनलाल सरकार की ओर से जयपुर में छुपकर रह रहे बांग्लादेशियों पर कार्रवाई शुरू करने पर संतोष जताते हुए भारत जोड़ो मिशन सोसाइटी के प्रदेश अध्यक्ष अनीष कुमार नाडार ने बताया कि बांग्लादेशियों को राजस्थान से बाहर करने के कार्य को लगातार अलग-अलग समय पर भाजपा सरकारों ने किया हैं। लेकिन जब-जब कांग्रेस सरकार आई हैं इन बांग्लादेशियों को शरण देने वाले लोगों ने फर्जी कागज बनाकर इन्हें कभी किराएदार के रूप में तो कभी इन्हें छोटे-मोटे भूखंड खरीदने में मदद कर मकान मालिक के रूप में अपने बीच में बसाने के कार्य को अंजाम दिया हैं। भारत जोड़ो मिशन सोसाइटी के पदाधिकारियों ने सरकार तथा प्रशासन को चेताते हुए इस मामले में शीघ्र कार्रवाई नहीं करने पर इन छुप कर रहने वाले बांग्लादेशी नागरिकों का आतंकवादी के रूप में इस्तेमाल करने की संभावना जताई है। अनीष कुमार

नाडार ने भारत जोड़ो मिशन सोसाइटी के पदाधिकारियों तथा कार्यकर्ताओं एवं सामाजिक संगठनों तथा नागरिकों से आह्वान किया है कि अपने आसपास रह रहे बांग्लादेशियों का पता लगाकर उन्हें पकड़ने में सरकार की मदद करें। भारत जोड़ो मिशन सोसाइटी के पदाधिकारियों ने अपनी जान की बाजी लगाकर भी देश की सुरक्षा के लिए बांग्लादेशियों को खोज निकालने के कार्य को अंजाम तक पहुंचाने का प्रण लिया हैं और कहा हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रहते देश को सुरक्षित कर लिया जाए वरना आने वाला समय हमारे लिए बड़ा दुखदाई होगा।

जयंती पर मिसाइलमैन डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को दी गई श्रद्धांजलि

अररिया (हिंस)। भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं मिसाइलमैन के नाम से विख्यात महान वैज्ञानिक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की उनकी जयंती पर मंगलवार को याद कर श्रद्धांजलि दी गई। फारबिसगंज के एसजी टीचिंग सेंटर परिसर में पं रामदेनी तिवारी द्विजदेनी क्लब की ओर से आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक राशिद जुनैद और संचालन क्लब के संस्थापक सचिव विनोद कुमार तिवारी ने किया। मौजूद लोगों ने मिसाइल मैन अब्दुल कलाम साहब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मौके पर स्कूली बच्चों के बीच पेंटिंग और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें सफल प्रतिभागी शिवानी कुमारी, सानिया प्रवीण, निधि कुमारी, नाहिद आलम, नैना कुमारी, कशिश प्रवीण, स्वीटी कुमारी, सना प्रवीन को सम्मानित किया गया। मौके पर मौजूद वक्ताओं ने डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के संघर्ष के साथ व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उनसे प्रेरणा लेकर जीवन में उतारे जाने की बच्चों से अपील की।

सिंगापुर निवेशक रोड शो से राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 के लिए बना माहौल

जयपुर (हिंस)। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के नेतृत्व में राजस्थान सरकार के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के हाल के सिंगापुर दौरे से *राइजिंग राजस्थान* ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 के लिए उचित माहौल बनाने में काफी मदद मिली है। सिंगापुर के इस दौरे में राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने वहां इन्वेस्टर रोड शो में भाग लिया और वैश्विक स्तर पर पहचान रखने वाली सिंगापुर की कई बड़ी कंपनियों से मुलाकात की। इनमें से कई कंपनियों ने राज्य सरकार के साथ आपसी सहयोग बढ़ाने, राजस्थान में व्यापार के अवसरों की जानकारी लेने और प्रदेश में कारोबार करने के प्रति इच्छा जताई। इनमें सिंगापुर की कुछ प्रमुख कंपनियां जैसे कि सेम्बकॉर्प, पीएसए होराइजन्स, सुरबाना जुरोंग, एसटी इंजीनियरिंग, एसटी टेलीमीडिया, मैपलट्री इन्वेस्टमेंट्स आदि शामिल हैं। इनमें से कुछ कंपनियों ने उद्योग और वाणिज्य मंत्री कर्नल राठौड़ के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल से नीमराणा स्थित जापानी निवेश क्षेत्र की तर्ज पर सिंगापुर की कंपनियों के लिए एक विशेष निवेश या औद्योगिक क्षेत्र स्थापित करने का भी अनुरोध किया। राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल की इस 4-दिवसीय सिंगापुर यात्रा में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री के अलावा, मुख्य सचिव सुधांश पंत, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव

गायत्री राठौड़ और राजस्थान सरकार के अन्य अधिकारी शामिल थे। इसके अलावा, प्रतिनिधिमंडल के संग सिंगापुर में भारत के उच्चायुक्त डॉ. शिल्पक अम्बुले ने भी इन्वेस्टर रोड शो और कई अन्य बैठकों में हिस्सा लिया। सिंगापुर की इस यात्रा के दौरान शहरी विकास, यूटीलिटीज और अक्षय ऊर्जा की वहां की एक प्रमुख वैश्विक कंपनी सेम्बकॉर्प के साथ एक मुलाकात में राज्य सरकार के इस प्रतिनिधिमंडल ने कंपनी के अधिकारियों को राजस्थान में उपलब्ध अवसरों की जानकारी दी और उनसे प्रदेश में निवेश के लिए आग्रह किया। इस मुलाकात के दौरान सेम्बकॉर्प के अधिकारियों ने राजस्थान में व्यावसायिक अवसरों की जानकारी लेते हुए प्रदेश में निवेश करने की इच्छा जताई। इसी तरह की एक अन्य मुलाकात में, लॉजिस्टिक क्षेत्र की अग्रणी कंपनी पीएसए होराइजन्स ने राज्य में मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क (एमएमएलपी) और इनलैंड कंटेनर डिपो (आईसीडी) विकसित करने का इरादा व्यक्त किया। वहीं सिंगापुर की अग्रणी इंजीनियरिंग और शहरी विकास कंसल्टेंसी कंपनी सुरबाना जुरोंग ने राजस्थान में औद्योगिक पार्कों के आगामी विकास के लिए कंसल्टेंसी सेवाएं देने में रुचि दिखाई। इसके अलावा, प्रतिनिधिमंडल ने बालोतरा में बन रहे राजस्थान पेट्रो जोन में निवेश के लिए जुरोंग आइलैंड पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स के अधिकारियों के साथ चर्चा की, जबकि एक अन्य मुलाकात में एसटी इंजीनियरिंग और एसटी टेलीमीडिया ग्लोबल डेटा सेंटर के प्रतिनिधियों ने राज्य में नए व्यावसायिक अवसरों के प्रति रुचि दिखाई। एसटी इंजीनियरिंग के अधिकारी एविएशन एमआरओ जैसे क्षेत्रों में निवेश के लिए उत्सुक थे, वहीं एसटी टेलीमीडिया ग्लोबल डेटा सेंटर जयपुर में एक को-लोकेशन डेटा सेंटर स्थापित करना चाहता है। इसी तरह की एक अन्य मुलाकात में, एक प्रमुख रियल एस्टेट डेवलपर मैपलट्री इन्वेस्टमेंट्स ने राजस्थान में एक लॉजिस्टिक्स सेंटर स्थापित करने की इच्छा जतायी। इस कंपनी की देश के पुणे, मुंबई और चेन्नई जैसे शहरों में कारोबार है और मुलाकात के दौरान इसके अधिकारियों ने कंपनी की विस्तार योजनाओं की चर्चा करते हुए कहा कि भारत में कारोबार बढ़ाने की सूची में राजस्थान अग्रिम पंक्ति में हैं। राज्य में कौशल विकास बढ़ाने के लिए इस क्षेत्र की एक अग्रणी कंपनी आईटीई एजुकेशन सर्विसेज के अधिकारियों को प्रतिनिधिमंडल ने राजस्थान का दौरा करने और अपस्किलिंग क्षेत्र में सहयोग का आमंत्रण दिया। सिंगापुर के निवेशकों और कंपनियों की उत्साहजनक प्रतिक्रिया के बारे में बताते हुए उद्योग और वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि इन्वेस्टमेंट समिट से पहले इन्वेस्टर रोड शो आयोजित करने का उद्देश्य राजस्थान में उपलब्ध नए निवेश अवसरों के लिए जानकारी देना है और सिंगापुर की कंपनियों द्वारा दिखाई गई जबरदस्त प्रतिक्रिया से साफ है हमारे प्रयास सही दिशा में हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आगामी *राइजिंग राजस्थान* ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 को शानदार बनाने के लिए हम कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। सिंगापुर यात्रा के दौरान हम लोगों ने वहां की सरकार की कई एजेंसियों, जिन्होंने शहरी कायाकल्प, सार्वजनिक परिवहन, जल प्रबंधन आदि के क्षेत्रों में विश्व स्तर पर अपनी छाप छोड़ी है, के साथ भी मुलाकात की और उनसे हमारी बातचीत बहुत अच्छी रही। यह एजेंसियां अपनी विशेषज्ञता हमारे साथ साझा करने और सहयोग के लिए इच्छुक थीं। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राठौड़ के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने अपनी यात्रा के दौरान वहां की निजी कंपनियों के साथ-साथ सिंगापुर सरकार के कई स्टेकहोल्डर्स के साथ भी बैठकें कीं। इनमें सिंगापुर सरकार के जनशक्ति मंत्री और व्यापार और उद्योग के सेकेंड मिनिस्टर डॉ. टैन सी लेंग और विदेश मामलों की वरिष्ठ राज्य मंत्री सिम एन जैसे गणमान्य लोग प्रमुख हैं।

स्पाइसजेट ने एयरकैसल, विलमिंगटन ट्रस्ट के साथ विवाद सुलझाया

मुंबई।
विमानन कंपनी स्पाइसजेट ने कहा है कि उसने दो विमान पट्टादाताओं एयरकैसल और विलमिंगटन ट्रस्ट के साथ 2.339 करोड़ अमेरिकी डॉलर के विवाद को सुलझा लिया है। इससे कुछ दिन पहले उसने अमेरिका स्थित विमान पट्टा देने वाली कंपनी बीबीएएम के साथ भी इसी तरह का विवाद सुलझाया था। विमानन कंपनी ने कहा कि समझौते के तहत दोनों पक्ष संबंधित सभी मुकदमे और विवाद उचित मंचों पर वापस लेंगे। बयान में कहा गया है कि स्पाइसजेट ने एयरकैसल (आयरलैंड) डेजिग्नेटेड एक्टिविटी कंपनी और विलमिंगटन ट्रस्ट एसपी सर्विसेज (डबलिन) लिमिटेड के साथ 2.339 करोड़ अमेरिकी डॉलर के विवाद को सफलतापूर्वक सुलझा लिया है। इसके तहत कुल 50 लाख डॉलर का भुगतान किया गया। साथ ही कुछ विमान इंजनों से संबंधित समझौता भी किया गया है। इसमें कहा गया दोनों पक्ष सौहार्दपूर्ण बातचीत के जरिये इस समझौते पर पहुंचे हैं तथा मामले को अदालत के बाहर सुलझाने का विकल्प चुना है। स्पाइसजेट के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हमने एयरकैसल और विलमिंगटन ट्रस्ट के साथ लंबे समय से जारी विवाद को सफलतापूर्वक सुलझा लिया है। इस और अन्य महत्वपूर्ण समझौतों के साथ स्पाइसजेट अपनी वित्तीय स्थिति को मजबूत करने और अधिक मजबूत भविष्य के लिए आधार तैयार करने में लगी है। स्पाइसजेट ने विमान पट्टे पर देने वाली कंपनी बैबकॉक एंड ब्राउन एयरक्राफ्ट मैनेजमेंट (बीबीएएम) के साथ 13.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर का विवाद सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाने की पिछले बुधवार को घोषणा की। विमानन कंपनी ने कहा था, होराइजन एविएशन 1 लिमिटेड, होराइजन 2 एविएशन 3 लिमिटेड और होराइजन 3 एविएशन 2 लिमिटेड के साथ 13.18 करोड़ डॉलर (1,107 करोड़ रुपये) का विवाद 2.25 करोड़ डॉलर में सुलझा लिया गया है। ये सभी पट्टेदार बीबीएएम के प्रबंधन के अधीन हैं।

न्यूज ब्रीफ

कच्चे तेल की कीमत में गिरावट, पेट्रोल-डीजल का मूल्य स्थिर

नई दिल्ली। इजराइल-ईरान जंग के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में गिरावट जारी है। ब्रेंट क्रूड का मूल्य करीब 2.30 डॉलर प्रति डॉलर घटकर 76 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 72 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के दूसरे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 2.27 डॉलर यानी 2.93 फीसदी की गिरावट के साथ 75.19 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 2.18 डॉलर यानी 2.95 फीसदी लुढ़ककर 71.65 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक, दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये, डीजल 92.15 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये, डीजल 90.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है।

टाटा समूह पांच वर्षों में विनिर्माण से जुड़ी 5 लाख नौकरियों का करेगा सृजनः चंद्रशेखरन

नई दिल्ली। टाटा समूह के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने मंगलवार को कहा कि समूह अगले पांच वर्षों में सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी), बैटरी और संबंधित उद्योगों से जुड़े विनिर्माण क्षेत्र में 5 लाख नौकरियों का सृजन करेगा। चंद्रशेखरन ने इंडियन फाउंडेशन फॉर क्वालिटी मैनेजमेंट की यहां आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि यदि भारत विनिर्माण के क्षेत्र में नौकरियां पैदा नहीं कर सकता तो वह विकसित राष्ट्र होने के लक्ष्य को हासिल नहीं कर सकता। चंद्रशेखरन ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि हर महीने 10 लाख लोग कार्यबल में शामिल हो रहे हैं। टाटा संस प्रमुख ने अपने संबोधन में भारत के विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य में विनिर्माण की अहम भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर में हमारे (टाटा समूह के) निवेश, प्रीसीजन मैन्यूफैक्चरिंग, असेंबली, इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी और संबंधित उद्योगों में हमारे निवेश से मुझे लगता है कि हम अगले पांच वर्षों में 5 लाख विनिर्माण नौकरियां पैदा करेंगे। उन्होंने कहा कि समूह असम में सेमीकंडक्टर संयंत्र और इलेक्ट्रिक वाहनों और बैटरी के लिए अन्य कई संयंत्र स्थापित कर रहा है। चंद्रशेखरन ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि हर महीने 10 लाख लोग कार्यबल में शामिल हो रहे हैं। हमें आने वाले समय में 10 करोड़ नौकरियां पैदा करने की जरूरत है। टाटा संस प्रमुख ने अपने संबोधन में नए युग के विनिर्माण जैसे सेमीकंडक्टर बनाने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह हर एक रोजगार के लिए आठ से दस अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा करता है। उन्होंने इन पहलों में सरकार के समर्थन की सराहना की और विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार सृजन की आवश्यकता पर बल दिया।

इंडिया-कनाडा तनाव से 67 हजार करोड़ का कारोबार खतरे में

नई दिल्ली। भारत और कनाडा के बीच बढ़ते तनाव बढ़ता जा रहा है, जिसमें भारत ने कनाडा से अपने उच्चायुक्त और अन्य राजनयिकों को वापस बुलाने का निर्णय लिया है। यह कदम कनाडा द्वारा सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की जांच में भारतीय राजनयिकों को शामिल करने के आरोपों को खारिज करते हुए उठाया गया है। भारत और कनाडा के बीच द्विपक्षीय व्यापार, जो लगभग 67,000 करोड़ रुपए का है, अब खतरे में पड़ सकता है। इसके अलावा कनाडाई पेंशन फंड्स ने भारत में 6 लाख करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया हुआ है।

हुंडई आईपीओ में बड़ी गिरावट, केवल 8 फीसदी हुआ सब्सक्राइब

मुंबई।
देश का सबसे बड़ा आईपीओ हुंडई मोटर्स इंडिया लिमिटेड (एचएमआई) मंगलवार से सब्सक्रिप्शन के लिए खुल गया है। इस आईपीओ के लेकर निवेशकों में काफी उत्साह देखा गया था। करीब 2 सप्ताह पहले जब अनलिस्टेड मार्केट में इस शेयर की ट्रेडिंग शुरू हुई थी, तब ये 570 रुपए के जीएमपी पर था यानी वहां से इसमें काफी बड़ी गिरावट आ चुकी है। बीएसई आंकड़ों के अनुसार हुंडई का आईपीओ पहले ही दिन मंगलवार को 11: 09 बजे तक 8 फीसदी सब्सक्राइब किया गया। निवेशक इस इश्यू में 17 अक्टूबर तक पैसे लगा सकते हैं। इसके लिए प्राइस बैंड 1,865 से 1,960 रुपए प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। बता दें कि साउथ कोरियाई वाहन मैन्युफैक्चरिंग हुंडई की भारतीय यूनिट हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड ने अपने आईपीओ से एक दिन पहले सोमवार को एंकर निवेशकों से 8,315 करोड़ रुपए जुटा लिए थे। यह आईपीओ 27,870 करोड़ रुपए (लगभग 3.3 अरब डॉलर) का है। इससे पहले एलआईसी आईपीओ का साइज 21,000 करोड़ रुपए का था। इनके अलावा, भारत में पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस नवंबर, 2021 में 18,300 करोड़ रुपए का आईपीओ लेकर आई थी। इसके अलावा कोल इंडिया लिमिटेड ने अक्टूबर, 2010 में 15,199 करोड़ रुपए का आईपीओ पेश किया था। रिलायंस पावर ने जनवरी, 2008 में 11,563 करोड़ रुपए का आईपीओ पेश किया और जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया अक्टूबर, 2017 में 11,176 करोड़ रुपए का आईपीओ लेकर आई थी। कंपनी के शेयर ग्रे मार्केट में 40 रुपए प्रीमियम के साथ उपलब्ध हैं। इसका मतलब है कि हुंडई मोटर के शेयर 2 फीसदी प्रीमियम के साथ 2000 रुपए पर लिस्ट हो सकते हैं। बता दें कि ग्रे मार्केट में अब तक यह शेयर 92 फीसदी लुढ़क चुका है। एनालिस्ट इसे निगेटिव लिस्टिंग का भी संकेत मान रहे हैं। बता दें कि 27 सितंबर को यह शेयर ग्रे मार्केट में 570 रुपए के भाव पर उपलब्ध थे। तब से अब तक में ग्रे मार्केट में यह शेयर हर दिन लुढ़क रहा है। कंपनी ने 1996 में भारत में परिचालन शुरू किया था और यह विभिन्न खंडों में 13 मॉडल बेच रही है। यह आईपीओ भारतीय उद्योग के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि दो दशक के बाद कोई वाहन विनिर्माता कंपनी अपना आईपीओ ला रही है। इससे पहले जापान की वाहन विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी 2003 में आईपीओ लाई थी। एचएमआईएल ने उम्मीद जताई है कि इक्विटी शेयरों की सूचीबद्धता से कंपनी की दृश्यता और ब्रांड छवि बढ़ेगी तथा शेयरों के लिए तरलता और सार्वजनिक बाजार उपलब्ध होगा। इस विशाल आईपीओ के साथ हुंडई मोटर इंडिया देश में अपने वाहनों की मजबूत मांग का लाभ उठाना चाहती है।

रुपया दो पैसे गिरकर 84.07 रुपये डॉलर पर

मुंबई। विदेशी पूंजी निकासी, कच्चे तेल की कीमतों में तेजी तथा विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में दो पैसे की गिरावट के साथ 84.07 रुपये प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि रुपया सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है क्योंकि सकारात्मक घरेलू बाजारों से मिलने वाला समर्थन विदेशी पूंजी की निकासी से खत्म हो रहा है। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतों में भी 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जिससे भारत का पहले से ही चिंताजनक व्यापार घाटा और बढ़ गया है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया शुरुआती कारोबार में 84.06 प्रति डॉलर पर खुला और फिर शुरुआती सौदों के बाद 84.07 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले दो पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.05 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 103.25 पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) सोमवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 3,731.59 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

कोरोना के बाद मकानों की कीमतों में आया भारी उछाल

नई दिल्ली।
कोरोना काल के बाद से रियल एस्टेट मार्केट में भारी उछाल दिख रहा है। बीते पांच साल में ही देश के टॉप 10 शहरों में प्रॉपर्टी की कीमतें काफी बढ़ गई है। इन शहरों में मकान की कीमतों में 88 फीसदी तक का उछाल आया है। इसकी जानकारी रियल एस्टेट डेटा एनालिटिक्स फर्म प्रॉपइक्विटी की एक रिपोर्ट से मिलती है। इस रिपोर्ट के अनुसार इस दौरान गुरुग्राम में सबसे अधिक, 160 फीसदी का उछाल दर्ज किया गया है। साल 2019 में वहां मकान की औसत कीमतें 7,500 रुपये प्रति वर्ग फुट थी। यह साल 2024 में बढ़कर 19,500 रुपये प्रति वर्ग फुट पर पहुंच गई हैं। मतलब कि पांच साल पहले गुड़गांव में 75 लाख रुपये में 1,000 वर्ग फुट का मकान मिल जाता था। अब यह करी दो करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। बीते पांच साल की अवधि के दौरान मकान की कीमतें सबसे कम मुंबई में बढ़ी है। साल 2019 में मुंबई में रेसिडेंशियल रियल एस्टेट की प्रति वर्ग फुट कीमत 25,820 रुपये थी। यह साल 2024 में बढ़ कर 25,820 प्रति वर्ग फुट हो गई। मतलब कि महज 37 फीसदी की बढ़ोतरी। रिपोर्ट के अनुसार गुरुग्राम के बाद कीमतों में सबसे अधिक बढ़ोतरी नोएडा में (146 फीसदी), बेंगलुरु (98 फीसदी), हैदराबाद (81 फीसदी), चेन्नई (80 फीसदी), पुणे (73 फीसदी), नवी मुंबई(69 फीसदी), कोलकाता (68 फीसदी) और ठाणे में (66 फीसदी)। प्रति वर्ग फीट कीमतों की बात करें तो मुंबई इस दृष्टि से सबसे महंगा शहर है। वहां मकानों की औसत कीमत 35,500 रुपये प्रति वर्ग फुट है। इसके बाद गुरुग्राम में 19,500 रुपये प्रति वर्ग फुट। इन शहरों में सबसे कम प्रॉपर्टी रेट नोएडा में दिखा जहां आवासी परिसंपत्ति की औसत कीमत 16,000 रुपये प्रति वर्ग फुट है। इस अवधि के दौरान देश के टॉप 10 शहरों- बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबद, कोलकाता, मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पुणे, नोएडा और गुरुग्राम में करीब 15,000 परियोजनाएं लॉन्च की गईं। इनमें अपार्टमेन्ट, फ्लोर और विला शामिल हैं। जमीन वाले मकानों की संख्या इनमें काफी कम रही। प्रॉपइक्विटी के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि पिछले 5 सालों में सभी बड़े शहरों में रियल एस्टेट की कीमतों में ज़बरदस्त बढ़ोतरी देखी गई है। इस बढ़ोतरी में कई कारकों का योगदान है जैसे बुनियादी सुविधाओं का विकास, एनआरआई की बढ़ती रुचि, एचएनआई/यूएचएनआई और स्टॉक मार्केट में मुनाफ़ा हासिल करने वालों द्वारा रियल एस्टेट में निवेश तथा सम्पत्ति बनाने और आय कमाने की चाह, मकान खरीदने की चाह, लक्ज़री/सुपर लक्ज़री मकानों की ओर झुकाव।

विदेश यात्रा आसान बनाने सरकार ने लांच किया ई-माइग्रेट पोर्टल एवं मोबाइल ऐप

नई दिल्ली।
देश के लोगों के लिए विदेश यात्रा सुरक्षित और आसान हो सके इसके लिए भारत सरकार ने संशोधित ई-माइग्रेट पोर्टल और मोबाइल ऐप लॉन्च किया है। इस अवसर पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने जीवन को आसान बनाने और लोगों पर केंद्रित शासन को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता पर भी प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि पिछले साल, सुरक्षित और कानूनी आवागमन चैनलों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए विदेश मंत्रालय ने अभियान जारी किया था। इस अभियान के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुरक्षित जाएं, प्रशिक्षित जाएं के आदर्श वाक्य पर आधारित डाक टिकट जारी किया था। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री की उसी भावना को दर्शाता है।

उन्होंने नए ई-माइग्रेट पोर्टल वी2.0 को विदेशों में भारतीय कामगारों के लिए सुरक्षित, पारदर्शी और समावेशी आवागमन बनाने के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया।

यह पोर्टल देश के सतत विकास के लिए बनाए गए एजेंडा 2030 के लक्ष्य 10 के अनुरूप है। इसके माध्यम से व्यवस्थित, सुरक्षित और नियमित प्रवास को बढ़ावा देने का काम किया गया है।

जियो ने 5जी सर्विस में चीन को भी पीछे छोड़ा

नई दिल्ली।
मोबाइल नेटवर्क सर्विस प्रोवाइडर और ब्रॉड बैंड फील्ड में जोरदार प्रदर्शन करते हुए जियो प्लेटफॉर्म ने चालू वित्तवर्ष की दूसरी तिमाही में रिकॉर्ड मुनाफा कमाया है। कंपनी की ओर से जारी तिमाही रिजल्ट में बताया गया कि रिलायंस जियो का लाभ सालाना आधार पर 23.4 फीसदी बढ़कर 6,539 करोड़ रुपये हो गया है। जियो प्लेटफॉर्म्स की ओर से जारी सूचना के अनुसार 2024-25 की सितंबर तिमाही में जियो प्लेटफॉर्म्स का एबिटिडा साल-दर-साल 17.8 फीसदी बढ़कर 15,931 करोड़ पहुंच गया है। इस दौरान तिमाही के लिए जियो का मुनाफा 23.4 फीसदी साल-दर-साल बढ़कर 6,539 करोड़ हो गया जो एक नया रिकॉर्ड है। 30 सितंबर 2024 को समाप्त दूसरी तिमाही में जियो का ग्राहक आधार की संख्या बढ़कर 47 करोड़ 88 लाख पहुंच गई। यह पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 4.2 फीसदी अधिक रही है। हालांकि, टैरिफ में करीब 25 फीसदी की वृद्धि के बाद दूसरी तिमाही में सीमित मात्रा में सिम-कंसोलिडेशन देख गया। टैरिफ बढ़ोतरी और बेहतर सब्सक्राइबर मिक्स की वजह से जियो का एआरपीयू बढ़कर प्रति ग्राहक 195.1 रुपए हो गया। टैरिफ बढ़ोतरी का पूरा असर अगली 2-3 तिमाहियों में दिखने को मिलेगा। जियो का कुल डेटा और वॉइस ट्रैफ़िक साल दर साल 24 फीसदी बढ़कर 45 अरब जीबी और 6.4 फीसदी बढ़कर 1.42 ट्रिलियन मिनिट हो गया है। जियो ट्रू 5जी को लॉन्च हुए दो साल भी पूरे नहीं हुए हैं लेकिन ये चीन को पीछे छोड़कर दुनिया का सबसे बड़ा 5जी ऑपरेटर बन गया है। जियो ट्रू 5त्र के ग्राहक बढ़कर 14 करोड़ 70 लाख हो गए हैं। जियो एयर फाइबर के ग्राहक भी तेजी से बढ़ रहे हैं। सितंबर 2024 तक जियो एयर फाइबर 28 लाख घरों तक पहुंच चुका है। रिलायंस जियो इन्फोकॉम के चेयरमैन आकाश एम अंबानी ने कहा कि 'जियो ने शुरुआत से ही अपने ग्राहकों और शेयरधारकों के लाभ के लिए डीप-टेक इनोवेशन पर ध्यान केंद्रित किया है। भारत के डिजिटल परिदृश्य में जियो ट्रू5जी और जियो एयरफाइबर द्वारा किए जा रहे व्यापक परिवर्तन इसी दृष्टिकोण का प्रमाण हैं। एआई इस परिवर्तन का अगला वाहक बन रहा है और जियो सभी भारतीयों के लिए देश में दुनिया का सबसे अच्छा एआई इकोसिस्टम विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही जियो शेयरधारक को मजबूत रिटर्न देने के लिए प्रतिबद्ध है और चालू तिमाही में इसने शानदार वित्तीय प्रदर्शन किया है।

आरबीआई गवर्नर दास ने एआई के बढ़ते उपयोग से पैदा होने वाली चुनोतियों से आगाह किया

बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों को जोखिम कम करने के लिए पर्याप्त उपाय करने चाहिए

नई दिल्ली।
भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) के बढ़ते उपयोग के कारण उत्पन्न होने वाली चुनौतियों के प्रति आगाह करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रौद्योगिकी ने भले ही वित्तीय संस्थानों के लिए कारोबार को बढ़ाने और बेहतर मुनाफे के लिए अवसर तो दिए हैं, मगर इन पर अत्यधिक निर्भरता वित्तीय स्थिरता के लिए खतरा पैदा कर रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे में बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों को जोखिम कम करने के लिए पर्याप्त उपाय करने चाहिए। आरबीआई द्वारा दिल्ली में हाल ही में आयोजित एक उच्चस्तरीय सम्मेलन में दास ने कहा कि एआई पर अत्यधिक निर्भरता से एक ही चीज पर केंद्रित होने का खतरा पैदा हो सकता है, खास तौर पर ऐसे समय में जब बाजार पर कुछ ही तकनीकी प्रदाताओं का दबदबा है। इससे प्रणालीगत जोखिम बढ़ सकता है, क्योंकि किसी भी विफलता अथवा व्यवधान का असर पूरे वित्तीय क्षेत्र में फैल सकता है। दास ने कहा कि बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों को इस प्रकार के जोखिम से निपटने के लिए पर्याप्त उपाय करने चाहिए। एआई के बढ़ते उपयोग से साइबर हमले और डेटा चोरी की आशंका जैसी नई चिंताएं पैदा हुई हैं। साथ ही एआई की अपारदर्शिता के कारण निर्णय लेने वाले एल्गोरिदम का ऑडिट या व्याख्या करना मुश्किल हो जाता है। इससे बाजार में अप्रत्याशित परिणाम दिख सकते हैं। उन्होंने कहा कि बैंकों को एआई एवं उभरती प्रौद्योगिकी का फायदा अवश्य उठाना चाहिए, लेकिन प्रौद्योगिकी को अपने ऊपर हावी कतई नहीं होने देना चाहिए। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत उन चुनिंदा अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है जहां चौबीसों घंटे काम करने वाली तत्काल सकल निपटान प्रणाली (आरटीजीएस) मौजूद है। उन्होंने कहा कि द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय समझौतों के जरिये डॉलर, यूरो, पाउंड जैसी प्रमुख व्यापारिक मुद्राओं में लेनदेन के निपटान के लिए आरटीजीएस में विस्तार की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। आरटीजीएस आरबीआई द्वारा विकसित एक एकीकृत भुगतान एवं निरंतर (रियल टाइम) निपटान प्रणाली है। दास ने कहा कि भारत एवं कुछ अन्य अर्थव्यवस्थाओं ने द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय तरीकों से सीमा पार त्वरित भुगतान प्रणालियों के विस्तार के लिए प्रयास पहले ही शुरू कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि हमारा मानना है कि इस तरीके से धन प्रेषण की लागत और समय में काफी कमी की जा सकती है। दास ने यह भी कहा कि सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) एक अन्य ऐसा क्षेत्र है जहां सीमा पार भुगतान में कुशलता प्रदान करने की क्षमता है। भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल है जहां थोक एवं खुदरा दोनों तरह की सीबीडीसी जारी की गई हैं।

आरबीआई ने 4 बैंकों और एक फिनसर्व कंपनी पर लगाया जुर्माना

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने एसजी फिनसर्व लिमिटेड पर रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट से संबंधित कुछ खास शर्तों का पालन नहीं करने पर 28.30 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। एसजी फिनसर्व को पहले मूंगिपा सिक्योरिटीज के नाम से जाना जाता था। आरबीआई समय-समय पर वित्तीय संस्थाओं के नॉन-कंप्लाइंस के मुद्दों पर नजर रखता है और पेनल्टी जैसे एक्शन भी लेता रहता है जिससे कंपनियों और बैंकों के ऊपर नजर बनी रहे। आरबीआई ने कहा कि उसने वित्त वर्ष 2022-23 के कंपनी की फाइनेंशियल डिटेल्स में अन्य बातों के साथ-साथ सर्टिफिकेट ऑफ रजिस्ट्रेशन (सीओआर) से जुड़ी खास शर्तों का पालन न करने का खुलासा हुआ। रिजर्व बैंक ने एक बयान में कहा कि कंपनी ने जारी किए गए सीओआर में खास शर्तों का पालन नहीं करने के बाद भी लोगों से पैसे डिपॉजिट के तौर पर लिए और लोन दिए हैं। रिजर्व बैंक ने अरुणाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक पर भी 14 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। बैंक के ऊपर फाइनेंशियल क्राइटेरिया को मजबूत करने और अपने ग्राहक को जानें (केवाईसी) पर कुछ निर्देशों का पालन नहीं करने के लिए यह जुर्माना लगाया गया है। छोटे या ग्रामीण इलाकों के बैंक में इस तरह की गलती हो जाती है लेकिन आरबीआई बैंकों का रेगुलेटर है और वो समय-समय पर एक्शन लेता रहता है। इसके अलावा कुछ मानदंडों के उल्लंघन के लिए तीन अन्य सहकारी बैंकों पर जुर्माना लगाया गया है। ये बैंक हैं जिला सहकारी केंद्रीय बैंक लिमिटेड-भिंड, मध्य प्रदेश, द अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड धरनगांव, महाराष्ट्र और श्री कालाहस्ती को-ऑपरेटिव टाउन बैंक लिमिटेड-आंध्र प्रदेश।

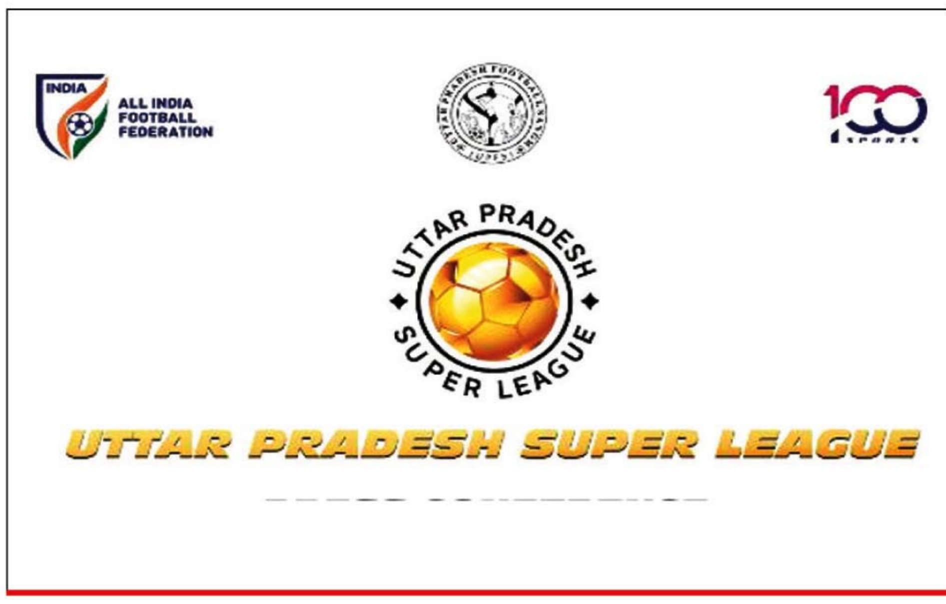

आईएसएल की तर्ज पर मार्च 2025 में शुरू होगी उत्तर प्रदेश सुपर लीग

ग्रेटर नोएडा।
उत्तर प्रदेश में पहली बार इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) जैसी शानदार और रोमांचक फुटबॉल लीग शुरू होने जा रही है। उत्तर प्रदेश सुपर लीग (यूपीएसएल) मार्च-अप्रैल 2025 में खेली जाएगी और इसमें पूरे राज्य के फुटबॉल प्रेमी, युवा प्रतिभाएं और पेशेवर खिलाड़ी एक रोमांचक नए प्रारूप में प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक साथ आएंगे। फुटबॉल लीग ग्रेटर नोएडा स्टेडियम और लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम में खेली जाएगी। उत्तर प्रदेश फुटबॉल संघ के तत्वावधान में आयोजित और 100 स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रबंधित इस लीग का उद्देश्य उत्तर प्रदेश में खेल विकास के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दृष्टिकोण के अनुरूप फुटबॉल को बढ़ावा देना है। उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों के लिए नीलामी आयोजित की जाएगी, जिसमें आठ फ्रेंचाइजी को सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल प्रतिभाओं पर बोली लगाने और उन्हें भर्ती करने का अवसर मिलेगा। उत्तर प्रदेश फुटबॉल संघ के सचिव मोहम्मद शाहिद ने कहा, आईएसएल की तर्ज पर उत्तर प्रदेश सुपर लीग का खाका तैयार किया गया है और इसे आने वाले महीनों में लागू किया जाएगा। पहले सीजन में आठ फ्रेंचाइजी टीमें शामिल होंगी। साथ ही, इस आयोजन को बड़ा स्वरूप देने के लिए वाणिज्यिक अधिकारों से लेकर इवेंट मैनेजमेंट तक की सभी तैयारियों का जिम्मा 100 स्पोर्ट्स को सौंपा गया है। 100 स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक रविंद्र भाटी ने कहा, हम यूपीएसएल को लॉन्च करने में उत्तर प्रदेश फुटबॉल संघ के साथ साझेदारी करके उत्साहित हैं। हमारा उद्देश्य उत्तर प्रदेश में फुटबॉल की उपस्थिति को बढ़ाना और एक ऐसा मंच तैयार करना है जहाँ युवा खिलाड़ी चमक सकें। यह लीग न केवल मनोरंजन करेगी बल्कि अगली पीढ़ी के फुटबॉलरों को प्रेरित भी करेगी। लीग के विपणन अधिकार विशेष रूप से 100 स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के पास हैं। भारत और उत्तर प्रदेश में फुटबॉल की बढ़ती लोकप्रियता के साथ, यूपीएसएल फुटबॉल खिलाड़ियों के लिए एक कदम साबित होने का वादा करता है, जो उच्च-दांव वाले मैचों, कौशल विकास और सामुदायिक भागीदारी के रोमांच के साथ एक संरचित लीग की पेशकश करता है।

न्यूज ब्रीफ

अर्जेंटीना को बोलीविया के खिलाफ मैक एलिस्टर की वापसी की उम्मीद

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना के मैनेजर लियोनेल स्कोलोनी मंगलवार को बोलिविया के खिलाफ़ अपने घरेलू विश्व कप क्वालीफ़ायर के लिए एलेक्सिस मैक एलिस्टर की वापसी का अंतिम क्षण तक प्रतीक्षा करेंगे। मैक एलिस्टर गुरुवार को वेनेजुएला के साथ एल्बिसेलेस्टे के 1-1 से ड्रॉ मैच में चोट के कारण नहीं खेल पाए थे, लेकिन उन्होंने प्रशिक्षण फिर से शुरू कर दिया है और ब्यूनस आयर्स के एस्टाडियो मोनुमेंटल में होने वाले मैच में खेल सकते हैं। लिवरपूल के मिडफील्डर की फिटनेस के बारे में पूछे जाने पर स्कोलोनी ने कहा, एलेक्सिस ने सामान्य रूप से प्रशिक्षण लिया और हम आज बाद में निर्णय लेंगे कि वह खेलने के लिए तैयार है या नहीं। स्कोलोनी ने मैच की शुरुआत में इंटर मिलान के लुटारो मार्टिनेज और एटलेटिको मैड्रिड के जूलियन अल्वारेज़ के साथ आक्रमण करने की संभावना भी जताई। उन्होंने कहा, हमें अभी भी शुरुआती टीम को परिभाषित करने की आवश्यकता है, लेकिन हमारे पास उन दोनों के साथ खेलने की संभावना है। अर्जेंटीना वर्तमान में नौ मैचों में 19 अंकों के साथ 10-टीम दक्षिण अमेरिकी क्षेत्र की स्टैंडिंग में सबसे आगे है, जो छठे स्थान पर मौजूद बोलीविया से सात अंक आगे है। स्कोलोनी ने अपने खिलाड़ियों से बोलीविया को हल्के में न लेने का आग्रह किया क्योंकि उनका लक्ष्य 1994 के बाद पहली बार विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने का है। स्कोलोनी ने कहा, हम बोलीविया का बहुत सम्मान करते हैं। वे अच्छा खेल रहे हैं और हम किसी भी परिस्थिति में आत्मसंतुष्ट नहीं हो सकते। उनके पास पाँच अच्छे मिडफील्डर हैं। हम जानते हैं कि हमें सतर्क रहना होगा और अपना सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल खेलने के लिए तैयार रहना होगा।

बीपीएल के आगामी संस्करण के लिए चटगांव किंग्स में शामिल हुए शाकिब अल हसन

ढाका। शाकिब अल हसन बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) के आगामी संस्करण के लिए चटगांव किंग्स में शामिल हो गए हैं। पिछले साल, शाकिब ने रंगपुर राइडर्स के साथ दो साल का करार किया था, लेकिन बाद में दोनों पक्ष आपसी समझ से अलग हो गए। फॉर्च्यून बरिशाल ने रिशाद हुसैन को चुना, लेकिन ऐसा तब हुआ जब 40 अन्य क्रिकेटरों को फ्रेंचाइजी द्वारा पहले ही चुना जा चुका था। शायद, फ्रेंचाइजी रिशाद को चुनने में झिझक रही थीं क्योंकि होबार्ट हरिकेन द्वारा इस सीज़न के बिग बैश लीग के लिए चुने जाने के बाद उनकी उपलब्धता थोड़ी अस्पष्ट है। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शान्तो ने भी देर से अनुबंध किया था, बरिशाल ने उन्हें फिर से शामिल किया। मशरफे मुर्तजा को ग्रुप बी में रखे जाने से कुछ लोगों की भौंहें तन गईं क्योंकि उन्होंने पिछले संस्करण में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था। हालाँकि, उन्हें सिलहट स्ट्राइकर्स द्वारा चुना गया था, जिसके लिए वह बीपीएल के पिछले दो संस्करणों में दिखाई दिए थे। खिलाड़ियों के ड्राफ्ट को लेकर काफी अनिश्चितता थी जो अंततः सोमवार (14 अक्टूबर) को ढाका में हुआ। बीसीबी अध्यक्ष फारूक अहमद इस बात से प्रसन्न थे कि मसौदा तैयार हो गया। फारूक ने कहा,हम सभी बहुत अनिश्चितता में थे। मुझे यह भी पता नहीं था कि कितनी टीमें भाग लेंगी। इसमें बहुत मेहनत लगी। मेरी बीपीएल टीम ने भी इस पर काम किया। अब, हमने ड्राफ्ट रखा है। मुख्य टूर्नामेंट में आधे महीने बचे हैं, मुझे विश्वास है कि टीमें अपनी टीमों को और मजबूत करने में सक्षम होंगी। उन्होंने कहा, ज्यादातर टीमों के पास अभी भी भरने के लिए कुछ स्थान हैं। अब तक, हमने योजना के अनुसार ड्राफ्ट आयोजित किया है, हालांकि इसमें एक बार देरी हुई। इसे देखते हुए, मैं यह नहीं कहूंगा कि यह बहुत बुरा रहा है। सात टीमें हैं। हम कई नई चीजें आज़मा रहे हैं। यह 100 प्रतिशत सही नहीं होगा लेकिन यह पहले से बेहतर होगा। फारूक ने यह भी कहा कि ध्यान बीपीएल के लिए अच्छी बल्लेबाजी पिचें उपलब्ध कराने पर होगा। उन्होंने कहा, इस बार, हमारा पूरा प्रयास अच्छे बल्लेबाजी विकेट सुनिश्चित करने का होगा जहां गेंदबाज अच्छी गेंदबाजी करेंगे तो उनका सम्मान किया जाएगा। मेरा मानना है कि पिछले टूर्नामेंट में भी विकेट बहुत खराब नहीं थे। दिन के मैचों में रन कम थे। इस बार, हम टी20 क्रिकेट को और अधिक मनोरंजक बनाने की कोशिश करेंगे। बीपीएल टीमें 27 दिसंबर को निर्धारित टूर्नामेंट शुरू होने की तारीख तक खिलाड़ियों को सीधे साइन करना जारी रख सकती हैं। ढाका कैपिटल्स, चटगांव किंग्स और दरबार राजशाही इस सीजन में नई फ्रेंचाइजी हैं, जबकि फॉर्च्यून बरिशाल, खुलना टाइगर्स, सिलहट स्ट्राइकर्स और रंगपुर राइडर्स पिछले चक्र से फ्रेंचाइजी हैं।

चौथी हॉकी इंडिया महिला अंतर-विभागीय राष्ट्रीय चैंपियनशिप की हुई आधिकारिक शुरुआत, 12 टीमें ले रहीं हिस्सा

नई दिल्ली।
चौथी हॉकी इंडिया सीनियर महिला अंतर-विभागीय राष्ट्रीय चैंपियनशिप का मंगलवार को यहां प्रतिष्ठित मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में आधिकारिक उद्घाटन किया गया। यह चैंपियनशिप 21 अक्टूबर, 2024 तक खेली जाएगी, जिसका आयोजन इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है। चैंपियनशिप का उद्घाटन पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सचिव पंकज जैन, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक सतीश कुमार और हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने किया।

देश भर की शीर्ष 12 महिला हॉकी टीमें इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। सभी टीमों को चार पूल में विभाजित किया गया है। प्रत्येक पूल से शीर्ष दो टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी, जिसके बाद 20 अक्टूबर को सेमीफाइनल होगा। फाइनल 21 अक्टूबर को होगा। सेमीफाइनल और फाइनल दोनों का सीधा प्रसारण डीडी स्पोर्ट्स पर किया जाएगा।

मुख्य अतिथि पंकज जैन ने ऐतिहासिक नेशनल स्टेडियम में आयोजित होने वाले कार्यक्रम पर प्रसन्नता व्यक्त की और इसे इस तरह के प्रतिष्ठित आयोजन के लिए एकदम सही मंच बताया। उन्होंने खिलाड़ियों की भागीदारी में 50त्न की वृद्धि की सराहना की और इस बात पर जोर दिया कि एथलीट भविष्य की पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

उन्होंने कहा, यह जीतने या हारने के बारे में नहीं है, बल्कि खेलने और अगली पीढ़ी को प्रेरित करने के बारे में है।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने महिला हॉकी टीम के समर्थन में इंडियनऑयल की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया।

तिर्की ने कहा, 52 वर्षों के बाद, भारतीय हॉकी ने लगातार जीत के साथ इतिहास रच दिया है। हॉकी इंडिया लीग की शुरुआत के साथ, महिला हॉकी का भविष्य पहले से कहीं अधिक उवल दिखाई दे रहा है।

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष और एमडी सतीश कुमार ने कहा, इन एथलीटों को आकार देने में आपके अथक प्रयासों के लिए कोच और कर्मचारियों को विशेष धन्यवाद। इंडियन ऑयल को इस चैंपियनशिप की मेजबानी करने पर गर्व है, जो एथलीटों को अपने सपनों को पूरा करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। आपका प्रदर्शन लड़कियों की अगली पीढ़ी को प्रेरित करेगा।

राष्ट्रीय कोच हरेंद्र सिंह ने कहा, हमारा मुख्य लक्ष्य एलए 2028 ओलंपिक में पोडियम तक पहुंचना है। इसे हासिल करने के लिए, हमें लगन से काम करना होगा, और इस तरह के टूर्नामेंट महिला खिलाड़ियों को अपनी कहानी दिखाने के लिए एक शानदार मंच प्रदान करते हैं।

उद्घाटन समारोह में हरबिंदर सिंह (1964 ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता), अजीत पाल सिंह (1975 विश्व कप स्वर्ण पदक विजेता) और जफर इकबाल (1980 ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता) सहित कई भारतीय हॉकी दिग्गजों ने भाग लिया। इनके अलावा दीपा मलिक और सीनियर महिला हॉकी टीम के राष्ट्रीय कोच हरेंद्र सिंह जैसे अन्य सम्मानित गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद थे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शमी का खेलना संभव नहीं : रोहित शर्मा

बेंगलुरु।
भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने मोहम्मद शमी को आस्ट्रेलिया के आगामी टेस्ट दौरे से लगभग बाहर कर दिया है और कहा कि टखने की सर्जरी से उबरने में इस तेज गेंदबाज के घुटने में सूजन के कारण बाधा आ रही है और इस बड़े मुकाबले के लिए उन्हें उतारना सही नहीं होगा। शमी ने आखिरी बार भारत के लिए पिछले साल वनडे विश्व कप फाइनल में खेला था और उसके बाद से टखने की सर्जरी से उबर रहे हैं।

रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की पूर्व संध्या पर यहां संवाददाताओं से कहा, ईमानदारी से कहूं तो अभी हमारे लिए यह तय करना मुश्किल है कि वह इस सीरीज या ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए फिट होंगे या नहीं। हाल ही में उनके घुटने में सूजन आ गई थी, जो काफी असामान्य था।

उन्होंने कहा, वह फिट होने की प्रक्रिया में थे, 100 प्रतिशत के करीब पहुंच रहे थे, उनके घुटने में सूजन आ गई थी, जिससे उनकी रिकवरी में थोड़ी देरी हुई। इसलिए उन्हें फिर से शुरुआत करनी पड़ी। अभी वह एनसीए में हैं, वह एनसीए में फिजियो और डॉक्टरों के साथ काम कर रहे हैं। रोहित ने कहा कि टीम प्रबंधन चाहता है कि शमी शीर्ष स्तर के क्रिकेट में वापसी से पहले पूरी तरह से फिट हो जाएं। उन्होंने कहा, हम उम्मीद कर रहे हैं कि वह 100 प्रतिशत फिट हो जाएं। हम कमज़ोर शमी को ऑस्ट्रेलिया नहीं ले जाना चाहते, यह हमारे लिए सही फैसला नहीं होगा। उन्होंने कहा, एक तेज गेंदबाज के लिए यह काफी मुश्किल है, क्योंकि वह बहुत ज़्यादा क्रिकेट से चूक गया है और फिर अचानक से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना, यह आदर्श नहीं है। रोहित ने कहा कि राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के कर्मचारी शमी की फिटनेस का आकलन करना जारी रखेंगे और इस प्रक्रिया में वह कुछ आंतरिक मैच खेल सकते हैं। उन्होंने कहा, हम उसे ठीक होने और 100 प्रतिशत फिट होने के लिए पर्याप्त समय देना चाहते हैं। फिजियो, ट्रेनर और डॉक्टरों ने उसके लिए एक रोडमैप तैयार किया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने से पहले उसे कुछ (अभ्यास) मैच खेलने हैं। शमी ने भारत के लिए 64 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 27.71 की शानदार औसत से 229 विकेट लिए हैं।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम सुल्तान जोहोर कप के लिए मलेशिया रवाना

बेंगलुरु।
भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम सोमवार देर रात 12वें सुल्तान जोहोर कप में भाग लेने के लिए मलेशिया रवाना हो गई। 19 अक्टूबर से शुरू होकर 26 अक्टूबर तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में भारत का सामना मेजबान मलेशिया, जापान, ग्रेट ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड से होगा।

नव नियुक्त हेड कोच, पीआर श्रीजेश मलेशिया में टीम की कमान संभालेंगे, जबकि आमिर अली कप्तान होंगे और रोहित उनके डिप्टी होंगे।

भारत अपने अभियान की शुरुआत 19 अक्टूबर को जापान के खिलाफ करेगा, उसके बाद 20 अक्टूबर को ग्रेट ब्रिटेन से भिड़ेगा। एक दिन के आराम के बाद, भारत 22 अक्टूबर को मेजबान मलेशिया से भिड़ेगा, उसके बाद 23 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से मुकाबला होगा। 25 अक्टूबर को आखिरी ग्रुप स्टेज मैच में, भारत न्यूजीलैंड से भिड़ेगा और 26 अक्टूबर को होने वाले फाइनल में आगे बढ़ने के लिए पूल में शीर्ष दो टीमों में रहने की उम्मीद करेगा।

कप्तान आमिर अली ने टूर्नामेंट को लेकर कहा, टीम नए हेड कोच पीआर श्रीजेश के तहत अच्छी तरह से प्रशिक्षण ले रही है और हम उनके साथ अपना पहला टूर्नामेंट खेलने के लिए उत्साहित हैं। पिछली बार हम जर्मनी से हारने के बाद अपना खिताब बचाने में असफल रहे थे, लेकिन इस बार हम बेहतर तरीके से तैयार हैं और प्रतियोगिता में किसी भी टीम का सामना करने के लिए तैयार हैं।

उप कप्तान रोहित ने कहा, सुल्तान जोहोर कप से पहले सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में रहने के लिए हम पिछले कुछ दिनों से कड़ी ट्रेनिंग कर रहे हैं। इस बार हमारी टीम में कुछ नए चेहरे हैं और वे मैदान पर अपनी क्षमता दिखाने के लिए उत्सुक हैं। नवंबर में हमें पुरुषों का जूनियर एशिया कप मस्कट 2024 भी खेलना है और सभी खिलाड़ी हमारे लिए व्यस्त अवधि से पहले अपने स्तर को बढ़ाने के लिए एक-दूसरे पर दबाव बना रहे हैं।

प्रो कबड्डी लीग सीजन 11 में पटना पाइरेट्स की कमान संभालेंगे शुभम शिंदे

नई दिल्ली।
प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 11 के लिए पटना पाइरेट्स ने डिफेंडर शुभम शिंदे को कप्तान और अंकित को उप-कप्तान बनाया है। पीकेएल का 11वां संस्करण 18 अक्टूबर से शुरू होगा।

महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले के कोलकेवारी गांव के रहने वाले 26 वर्षीय शुभम शिंदे अपने सकारात्मक स्वभाव और अनुशासन के कारण कबड्डी खिलाड़ियों और प्रशंसकों के बीच लोकप्रिय हैं। उनकी अनूठी डिफेंडिंग शैली ने हमेशा टीम को मजबूती दी है। शुभम ने प्रो-कबड्डी में 100 से अधिक प्रतिस्पर्धी मैच खेले हैं और उनके पास अपनी साख का समर्थन करने के लिए एक प्रभावशाली रिकॉर्ड है।

25 वर्षीय अंकित ने प्रो कबड्डी में 23 से अधिक मैच खेले हैं और वे उप-कप्तान के रूप में टीम का समर्थन करेंगे। मैचों के दौरान अंकित की गति और चपलता टीम के लिए एक परिसंपत्ति होगी।

पीकेएल की एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि शुभम के कप्तान और अंकित के उप-कप्तान के साथ, पटना पाइरेट्स सीजन 11 पीकेएल खिताब जीतने के लिए उत्साहित हैं।

कप्तान और उप-कप्तान के नाम की घोषणा करते हुए, पटना पाइरेट्स के सीईओ पवन राणा ने कहा, एक टीम के रूप में हमने हमेशा अपने प्रशंसकों और समर्थकों के लिए गुणवत्तापूर्ण कबड्डी को बढ़ावा दिया है। एक इकाई के रूप में, शुभम शिंदे की कप्तानी और उप-कप्तान के रूप में अंकित के समर्थन में, हम अपना चौथा चैम्पियनशिप खिताब जीतने का इरादा रखते हैं। उन्हें शुभकामनाएं।

पटना पाइरेट्स शुभम शिंदे की अगुआई वाली एक मजबूत टीम के साथ कबड्डी प्रशंसकों को रोमांचित करने के लिए तैयार है। टीम में अन्य खिलाड़ी अंकित, संदीप कुमार, अयान, दीपक, साहिल पाटिल, नवदीप, अभिनंद सुभाष, कुणाल मेहता, सुधाकर एम, मनीष, गुरदीप, त्यागराजन युवराज, बाबू मुरुगासन, दीपक राजेंद्र सिंह, मीतू, देवांक, प्रशांत कुमार राठी, सागर, अमन, प्रविंदर, जंग कुन ली, हामिद मिर्जाई नादर हैं।

प्रो कबड्डी में पटना पाइरेट्स का प्रदर्शन शानदार रहा है। टीम को पहली बार 2016 में चैंपियन का ताज पहनाया गया था और इसके बाद पटना ने लगातार 3 चैंपियन खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। पटना यह रिकॉर्ड बनाने वाली लीग की एकमात्र टीम है। 11वां सीजन 18 अक्टूबर से शुरू होगा, जिसमें टीम अपना पहला मैच 21 अक्टूबर को पुनेरी पल्टन के खिलाफ खेलेगी। पुनेरी पल्टन गत चैंपियन है, जिसने पिछले साल फाइनल में हरियाणा स्टीलर्स को हराकर अपना पहला खिताब जीता था।

हॉकी इंडिया लीग 2024-25 : पुरुष वर्ग में खिलाड़ियों की नीलामी पूरी

नई दिल्ली।
हॉकी इंडिया लीग की सात साल बाद वापसी दो दिवसीय पुरुष नीलामी के साथ हुई जो सोमवार को नई दिल्ली में समाप्त हुई। नीलामी के दौरान भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह सबसे महंगे बिके, उन्हें सूरमा हॉकी क्लब ने 78 लाख रुपये की बोली लगाकर खरीदा, जबकि सबसे महंगी विदेशी खिलाड़ी अर्जेंटीना से जर्मन राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ी गोंजालो पेइलट की रही, जिन्हें हैदराबाद तूफान ने 68 लाख रुपये में खरीदा। हॉकी इंडिया लीग 2024-25 सीजन से पहले फ्रेंचाइजी की पूरी टीम पर एक नजर:

दिल्ली एसजी पाइपर्स- डिफेंडर: जरमनप्रीत सिंह, वरुण कुमार, रोहित, पॉ क्लैप्स (स्पेन), जोगिंदर सिंह।, मिडफील्डर: शमशेर सिंह, राज कुमार पाल, विलोट केवाई (ऑस्ट्रेलिया), अंकित पाल, क्रिस्टोफर रूहर (जर्मनी), फ्लिन ओगिल्वी (ऑस्ट्रेलिया), जोरिट क्रून (नीदरलैंड), मंजीत, थोकचोम किंग्सन सिंह। , फॉरवर्ड: टॉमस डोमेन (अर्जेंटीना), निकोलस डी केर्पेल (बेल्जियम), दिलराज सिंह, आदित्य लालगे, सौरभ आनंद कुशवाह, सुमित कुमार, इक्तिदार इशरत।, गोलकीपर: टॉमस सैंटियागो (अर्जेंटीना), पवन, आदर्श जी.।

हैदराबाद तूफान- डिफेंडर: गोंजालो पेइलट (जर्मनी), मैथ्यू डॉसन (ऑस्ट्रेलिया), आर्थर डी स्लोवर (बेल्जियम), देविंदर सुनील वाल्मीकि, अमनदीप लाकड़ा, सुंदरम राजावत, मुकुल शर्मा, अक्षय रवींद्र अवहद। , मिडफील्डर: नीलकंठ शर्मा, सुमित, ज़ाचरी वालेस (ग्रेट ब्रिटेन), रहीम आकिब सैय्यद, राजिंदर, दर्शन विभव गावकर, मैको कैसेला (अर्जेंटीना)।, फॉरवर्ड: शिलानंद लाकड़ा, टिमोथी डैनियल (ऑस्ट्रेलिया), टेरेंस पीटर (नीदरलैंड), अर्शदीप सिंह, तलविंदर सिंह, इरेंगबाम रोहित।, गोलकीपर: जीन-पॉल डैनबर्ग वाई (जर्मन), बिक्रमजीत सिंह, विकास दहिया।

कलिंगा लैंसर्स- डिफेंडर: संजय, मनदीप मोर, अलेक्जेंडर हेंड्रिकक्स (बेल्जियम), आर्थर वान डोरेन (बेल्जियम), एंटोनी किना (बेल्जियम), प्रताप लाकड़ा, सुशील धनवार, रोहित कुल्लू। , मिडफील्डर: अरन ज़ालेव्स्की (ऑस्ट्रेलिया), मोरियांगथेम रबीचंद्र, एनरिक गोंजालेज (स्पेन), मुकेश टोप्पो, रोसन कुजूर, निकोलस बंडुरक (ग्रेट ब्रिटेन)।, फॉरवर्ड: बॉबी सिंह धामी, दिलप्रीत सिंह, थियरी ब्रिंकमैन (नीदरलैंड), अंगद बीर सिंह, रोशन मिंज, गुरसाहिबजीत सिंह, दीपक प्रधान। , गोलकीपर: कृष्ण पाठक, टोबियास रेनॉल्ड्स-कोटरिल (ग्रेट ब्रिटेन), साहिल कुमार नायक श्राची रारह।

बंगाल टाइगर्स- डिफेंडर: जुगराज सिंह, हेडन बेल्ट्ज़ (ऑस्ट्रेलिया), गौथियर बोकार्ड (बेल्जियम), रूपिंदर पाल सिंह, टॉम ग्रैम्बुश (जर्मनी), जसजीत सिंह कुलार। , मिडफील्डर: लाचलान शार्प (ऑस्ट्रेलिया), जसकरन सिंह, सीन फाइंडले (न्यूजीलैंड), प्रदीप मोर, प्रधान पूवन्ना चंदुरा, अफ्फान यूसुफ, अतुल दीप, योगेश मलिक सिंह, प्रदीप सिंह संधू, थौनाओजम इंगलेम्बा लुवांग।, फॉरवर्ड: अभिषेक, सुखजीत सिंह, फ्लोरेंट वान औबेल (बेल्जियम), सैम लेन (न्यूजीलैंड), गुरसेवक सिंह। , गोलकीपर: पिरमिन ब्लैक (नीदरलैंड), अली खान, अटल देव सिंह चहल।

सूरमा हॉकी क्लब- डिफेंडर: हरमनप्रीत सिंह, जेरेमी हेवर्ड (ऑस्ट्रेलिया), गुरिंदर सिंह, निकोलस डेला टोरे (अर्जेंटीना), सुखविंदर, आशु मौर्य, प्रदीप मंडल।, मिडफील्डर: विवेक सागर प्रसाद, विक्टर वेगनेज़ (बेल्जियम), जोनास डी ग्यूस (नीदरलैंड), हरजीत सिंह, निकोलस पोंसलेट (बेल्जियम), प्रभजोत सिंह, अंकुश, सुनीत लाकड़ा।, फॉरवर्ड: गुरजंत सिंह, दयान कैसीम (दक्षिण अफ्रीका), बोरिस बर्कहार्ट (नीदरलैंड), मनिंदर सिंह, पवन राजभर, हरीश सोमप्पा मुटागर।, गोलकीपर: विंसेंट वानास्च (बेल्जियम), मोहित एचएस, जशनदीप सिंह।

तमिलनाडु ड्रैगन्स- डिफेंडर: अमित रोहिदास, जिप जानसेन (नीदरलैंड), कोथाजीत सिंह, मोरित्ज़ लुडविग (जर्मनी), आनंद वाई, आनंद लाकड़ा, पृथ्वी जीएम।, मिडफील्डर: थिएस प्रिंज़ (जर्मनी), टॉम क्रेग (ऑस्ट्रेलिया), मोहम्मद. रायल मौसीन, ब्लेक ग्लोवर्स (ऑस्ट्रेलिया), चंदन यादव, शेषा गौड़ा, एम. ढिलिपन, अरुण जे।, फॉरवर्ड: सेल्वम कार्थी, नाथन एफ्राम्स (ऑस्ट्रेलिया), मज्जी गणेश, उत्तम सिंह, आभारन सुदेव।, गोलकीपर: डेविड हर्ट (आयरलैंड), डुको तेलगेनकैंप (नीदरलैंड), प्रिंस दीप सिंह, एस. सेंथमिज़ अरासु।

विंटर फैशन में फर का बोलबाला...

जैसे-जैसे मौसम बदलता है, फैशन का अंदाज भी बदलने लगता है। सर्दियों में गर्म कपड़ों की जरूरत तो पड़ती ही है। लेकिन मॉडर्न युग में गर्म कपड़े जरूरत के अलावा फैशन के तौर पर भी खरीदे जाते हैं। तभी तो रैंप पर भी मॉडल्स गर्म कपड़ों में अपने हॉट अंदाज का जलवा बिखेरती हुई नजर आती हैं। जहां तक बात फर ड्रेस की है तो यह हर साल ही फैशन में इन रहते हैं। फैशन डिजाइनर्स का भी मोह इनसे कभी नहीं टूटता। तभी तो इस साल भी कोट से लेकर स्टोल्स आदि में फर का प्रयोग भरपूर देखने को मिला। फर कोट तो हमेशा से ही महिलाओं की पहली पसंद रहे हैं। इसका मुख्य कारण है इनका गर्म होने के साथ-साथ स्टाइलिश होना। लेकिन इस बार फर कोट डिफरेंट वैरायटी व लेंथ में मौजूद हैं। फर कोट्स में मिंक कोट से लेकर फॉक्स फर कोट, लेदर कोट विद फर, लॉन्ग कोट विद फर कॉलर, ओवरसाइज फर कोट फैशन में इन हैं। वैसे इसके अतिरिक्त इस सर्दी में पैचवर्क भी फैशन में बना हुआ है। इसलिए कोट्स में पैचवर्क को विद फर इस्तेमाल किया जा रहा है। यह देखने में बेहद स्टाइलिश व आकषर्क लगता है। अगर आपको पूरी तरह फर पहनना पसंद नहीं है तो आप अपने लुक में फर का हल्का सा टच भी दे सकती हैं। मसलन, फर के स्टोल्स भी इस साल ट्रेंड में बने हुए हैं। इससे आप अपने लुक में एक नया निखार ला सकती हैं। साथ ही फर स्टोल्स को डिफरेंट तरीके से कैरी करके हर दिन एक नया लुक पा सकती हैं। इसके अतिरिक्त आजकल ड्रेसेज के सिर्फ कफ्स को आकषर्क बनाने के लिए उनमें फर का प्रयोग किया जा रहा है। इससे आपकी ड्रेस में फर का हल्का सा टच आ जाएगा। वैसे आप चाहें तो फर का प्रयोग बतौर एक्सेसरीज भी कर सकती है। इनमें फर बैग्स व बूट्स पहनना एक अच्छा आइडिया हो सकता है।आजकल मार्केट में फर आईटम्स लगभग हर कलर में अवेलेबल हैं। जहां तक बात फर स्टोल्स की है तो आप इनमें सिंगल कलर से लेकर ड्यूल शेड, मल्टीकलर, प्रिंटेड व स्ट्राइप्स इत्यादि पैटर्न आसानी से खरीद सकती हैं।

पॉप कलर्स के वूलन्स..

विंटर्स में वूलन्स में जो ट्रेंड सबसे ज्यादा चलन में है, वह है पॉप कलर्स। यानी ब्राइट कलर्स के वूलन्स। पीला ब्राइट ओवरकोट आप पर तब अच्छा लगेगा, जब आप इसके साथ डार्क कलर की एसेसरी इस्तेमाल करेंगी। आप हैंडबैग और फुटवियर का कलर भी डार्क रख सकती हैं। आजकल स्लिमफिट वूलन कुर्तियां भी चलन में हैं। आप इन्हें डेनिम के साथ कैरी कर सकती हैं। यह आपको कैजुअल लुक देगा, इसलिए इसके साथ आपको ज्यादा एसेसरीज की जरूरत नहीं। मेकअप सिंपल रखें। यदि ऑफिस के लिए ब्राइट कलर कैरी करना चाहती हैं तो कोट या जैकेट सबसे अच्छा विकल्प है। इसके साथ आप हैंडबैग, ब्रेसलेट कैरी कर सकती हैं। फुटवियर में हाई हील कैरी करें और कलर डार्क चुनें। इसके साथ ज्वैलरी भी मैच कराई जा सकती है। कोट के साथ बालों को खुला न रखें। ईवनिंग आउट या फिर पार्टीज के लिए आप निटेड पुलओवर चुनें। यह आपके स्टाइल स्टेटमेंट को निखार देगा।इस पर ट्राइबल ज्वैलरी या एथनिक ज्वैलरी अच्छी लगेगी। पुलओवर पसंद नहीं तो आप श्रग भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

फ्लाइट में कान दर्द से बचें...

आप जल्द और सुविधाजनक यात्रा के लिए हवाई मार्ग का चयन करते हैं और फ्लाइट से कहीं आने-जाने में आनंद भी आता है लेकिन जब आप टेक ऑफ और लेंड करते हैं तो कानों में काफी पीड़ादायक अनुभव होता है। असमान के दबावों के कारण प्रायः कान में दर्द होता है। जब प्लेन उतरता है तो कानों के पर्दे में दबाव बढ़ जाता है। फ्लाइट में कान दर्द से बचने के लिए कुछ तरीके हैं। नाक से ध्वनि यानी ब्लोइंग निकालें। कान के भीतर के वायु दबाव को आस-पास के वायु दबाव के बराबर करने के लिए यह सबसे आसान तरीका है। इससे बहुत जल्द कान दर्द से आराम मिलता है। हवाई यात्रा के दौरान अगर कान दर्द महसूस हो रहा हो तब मिठाई खाएं या चूसें और नाक से ध्वनि निकालें और मुंह में हवा भर कान में भरें। दवाब को नियंत्रित करें और इससे दर्द कम होगा। फ्लाइट से उतरने के दौरान यूस्टेकियन ट्यूब को अनब्लॉक करने के लिए यॉनिंग और स्वॉलोविंग मसल्स को उत्तेजित करने में मदद करता है। जिससे कान दर्द से राहत मिलती है।

इस तरह न बैठें...

हर किसी के बैठने का तरीका अलग होता है। वैसे ज्यादातर लोग पैर क्रॉस करके बैठते है, जो कि सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। पैर क्रॉस करके बैठना हमें बीमार बना सकता है। इस पोजीशन में बैठने से ब्लड प्रेशर से जुड़ी समस्या का सामना करना पड़ सकता है। शरीर में खून का प्रवाह पैरों से ही दिल की तरफ होता है। पैर क्रॉस करके बैठने से खून को दिल तक पहुंचने में काफी दिक्कत होती है। इससे पैरालिसिस भी हो सकता है। जब हम पैर क्रॉस करके बैठते है तो पैरीनील नर्व पर दबाव पड़ता है, जिससे मांसपेशियां सुन्न हो जाती हैं। ज्यादा समय तक पैर क्रॉस करके बैठने से रीढ़ की हड्डी में परेशानी हो सकती है। नसों में सूजन भी हो सकती है। नसों को नुकसान पहुंचता है और वे कमजोर हो जाती हैं।

थकान से मौत...?

दफ्तर में बहुत से लोग हफ्ते की छुट्टी के बाद भी थके हुए नजर आते हैं। कई बार दो दिन के वीकली ऑफ के बावजूद ताजगी महसूस नहीं होती। आपने कभी सोचा है कि आखिर इसकी क्या वजह है? आज के समय में नई-नई तकनीकों के चलते लोग 24 घंटे अपने दफ्तर से जुड़े रहते हैं इसी वजह से जिंदगी में हमेशा तनाव बना रहता है और थकान चरम पर पहुंच जाती है। थकान की ऐसी हालत मौत का कारण भी बन सकती है।

आजकल लोग छुट्टियों में भी देर रात तक फोन पर लगे रहते हैं। ऑफिस की ई-मेल पढ़ते हैं। घर पर रहते हुए भी कॉन्फ्रेंस कॉल निपटाते हैं। कुल मिलाकर छुट्टी के दिन भी लोग दफ्तर की जिम्मेदारियों को सिर पर सवार रखते हैं। ऐसे में जब वे दो दिन की छुट्टी के बाद दफ्तर आते हैं तो तरोताजा लगने के बजाय थके हुए नजर आते हैं। ऐसे हालात पूरी दुनिया में हैं। कुछ लोग आगे बढ़ने के लिए अपने छुट्टी के दिन को भी कुर्बान करने को तैयार रहते हैं।

तो कुछ के लिए छुट्टी के दिन भी कंपनी का काम करना मजबूरी होती है। आज नई-नई तकनीकों के चलते लोग 24 घंटे अपने दफ्तर से जुड़े रहते हैं इसी वजह से जिंदगी में हमेशा तनाव बना रहता है। यह तनाव और थकान मौत का कारण भी बन सकती है। अमेरिका के इंस्टीट्यूट ऑफ स्ट्रेस के मुताबिक, काम के तनाव के चलते अमेरिकी अर्थव्यवस्था को हर साल 300 अरब डॉलर का नुकसान होता है। ऑनलाइन ट्रैवेल कंपनी एक्सपेडिया के मुताबिक उसके केवल आधे कर्मचारी साप्ताहिक छुट्टी के बाद ताजगी के साथ दफ्तर आते हैं।

सैटरडे सिंड्रोम

ब्रिटेन में 'सैटरडे सिंड्रोम' की बड़ी चर्चा होती है, जब लोग अपने खाली वक्त में बीमार पड़ जाते हैं। वहीं अमेरिका में हफ्ते में साठ घंटे काम करने का चलन तनाव बढ़ा रहा है। लोगों की सेहत बिगाड़ रहा है। जापान में तो काम के बोझ के चलते मौत के लिए नया शब्द ही ईजाद कर लिया गया है-करोशी, यानी थकान से मौत। लोगों को हर वक्त फेसबुक स्टेटस या इंस्टाग्राम पर फोटो अपडेट करना होता है। यूं लगता है कि ऐसा नहीं किया तो मानों जिंदगी में कुछ नहीं किया। वैसे कुछ थके हुए लोगों के साथ कुछ ऐसे भी होते हैं जो छुट्टी के बाद एकदम तरोताजा नजर आते हैं। इनमें से कई तो ऐसे होते हैं जिनके ऊपर काम का बोझ ज्यादा होता है। आखिर क्यों कुछ लोग बीमार पड़ जाते हैं तो कुछ लोग ज्यादा काम होने पर भी ताजादम नजर आते हैं। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि जब लोग दफ्तर का तनाव घर ले जाते हैं तो यह आपके दिमाग को एक्टिव रखता है। उन बातों पर उसका ध्यान लगा रहता है, जिनसे आप दफ्तर में जूझते हैं। यह सेहत के लिए ठीक नहीं।

सब कुछ सोच पर निर्भर

बहुत दिनों से इस बात की तुलना की जा रही है कि जो लोग वीकेंड पर भी दफ्तर का काम निपटाते हैं और जो लोग छुट्टियों में पूरी तरह काम से दूर रहते हैं, उनमें क्या फर्क होता है? मगर इसका कोई ठोस नतीजा नहीं निकला है। दो लोग अलग हालात में अलग तरह से प्रतिक्रिया देते हैं। असल में सब कुछ हमारी सोच, हमारे दिमाग में होता है। जो लोग पॉजिटिव सोच वाले होते हैं उनके लिए घर पर भी दफ्तर का काम थकाने वाला नहीं होता। वहीं जो लोग नेगेटिव सोच वाले होते हैं, उनके लिए हर जगह, हर काम उबाऊ और थकाने वाला होता है। ये लोग छुट्टियों के दिन भी थकान उतारने में नाकाम रहते हैं। फिर दफ्तर लौटते हैं तो थके हुए नजर आते हैं। तनाव से निपटने का तरीका भी अलग-अलग हो सकता है।

लंबे समय से थकान

लंबे समय तक थकान से परेशान लोगों को न आसानी से नींद आती है और न ही आराम मिलता है। पिछले कुछ सालों से दुनिया भर में 30 से 45 आयु वर्ग के कामकाजी लोगों में यह समस्या तेजी से बढ़ रही है। दो हफ्ते से अधिक की थकान की अनदेखी न करें ऐसी स्थिति में जीवनशैली में बदलाव करने की ओर कदम बढ़ाना जरूरी है। ऐसा नही होने पर इंसानी शरीर पर कई मानसिक और शारीरिक बीमारियों से घिरने की आशंका बढ़ जाती है। स्टडी के अनुसार लंबे समय तक थकान महसूस होने से शरीर का रोग प्रतिरोधी सिस्टम कमजोर हो जाता है। ऐसे में थकान से पीड़ित व्यक्ति अनचाहे रोगो का शिकार भी हो सकता है। लंबे समय से चली आ रही थकान को क्रॉनिक फटीग सिंड्रोम या सीएफएस का नाम दिया गया है। इसके मामले कुछ सालों में इतने बढ़ गए हैं कि बीते साल यूएस इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिसिन ने इस पर लंबी रिपोर्ट पेश करते हुए इसको सिस्टेमेटिक एक्जरशन इनटॉलरेंस डिजीज का नया नाम दिया। सीएफएस के लक्षण कुछ इस तरह के हो सकते है। जैसे रुक रुक कर सिर दर्द होना, मांस पेशियों और जोड़ों में दर्द होना और मांसपेशियों में कमजोरी आना, मूड स्विंग होना और नींद ना आना जैसे लक्षण सामान्य होते हैं।

मन की थकान

कुछ लोग अपने जीवन में नित नई ऊर्जा भरते जाते हैं, आगे बढ़ते जाते हैं, तो कुछ लोग लगातार थकते जाते हैं और एक दिन इतना थक जाते हैं कि उनके जीवन से आनंद का रस ही खत्म हो जाता है। उन्हें किसी काम में मजा ही नहीं आता। यहां तक की उन्हें कोई नई बात कह भर दी जाए, तो वो आगबबूला हो जाते हैं। इसकी वजह है शरीर की थकान से भी खतरनाक मन की थकान। मन की यह थकान इतनी खतरनाक है कि उसके बाद सिवाय अवसाद के और कुछ जीवन में नहीं रह जाता। यह दुनिया वहीं है, लोग वहीं हैं, कुदरत वही है, लेकिन इसके बावजूद हमारे भीतर बहुत कुछ बदल रहा है। यह बदलाव यदि सकारात्मक है तो हम जीवन के उच्चतम स्तर को पाएंगे और इसके उलट यह बदलाव यदि नकारात्मक है तो एक दिन हम मन की थकान के उस आखिरी स्तर पर पहुंच जाएंगे जिसे अवसाद कहते हैं।

माहौल बदलें

मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि कई बार थकान उतारने में भी लोग खीझ उठते हैं। उन्हें लगता है कि कितने दिनों से उन्होंने ई-मेल या सोशल मीडिया अकाउंट ही नहीं चेक किया। इससे भी उनका तनाव बढ़ सकता है। यानी कुछ लोगों के लिए खाली बैठना भी तनाव को दावत देने जैसा है। तो उन्हें कुछ न कुछ काम करते रहना चाहिए। जैसे कि योग या ध्यान करें। किसी खेल-कूद में मन लगाएं। दौड़ने ही निकल जाएं या जाकर पास के पार्क में टहलें। इससे तनाव कम करने में मदद मिलेगी। चीजों और माहौल को लेकर अपनी सोच में बदलाव लाना, तनाव कम करने के लिए बहुत जरूरी है। सोच में बदलाव लाने में थोड़ा वक्त लगता है। तीन से छह महीने भी लग सकते हैं। तब तक आप अपने आप को बदलने की कोशिश जारी रखिए। और हां, दफ्तर जाना मत छोड़िए क्योंकि रोज की दिनचर्या के साथ बदलाव आएगा तो ही वह स्थायी होगा। आपको तय करना है कि आप किस रास्ते चल रहे हैं और सच पूछिए तो इसे आप ही जान सकते हैं। दरअसल, आप क्या कर रहे हैं से ज्यादा महत्वपूर्ण है कि आप किसी काम को किस मनोभाव के साथ कर रहे हैं।

स्क्रैच कार्ड से कैंसर का खतरा...

अगर आप अपना मोबाइल रिचार्ज करने के लिए प्रीपेड कार्ड का उपयोग करते हैं तो आपको सावधान हो जाना चाहिए। पिछले दिनों आई एक रिसर्च में बताया गया है कि स्क्रैच कार्ड के लेप में मौजूद भारी धातुओं के शरीर में जाने से कैंसर होने का खतरा है। मोबाइल फोन के प्रीपेड ग्राहकों के लिए मोबाइल रिचार्ज करने का सबसे आसान तरीका प्रीपेड कार्ड है। यही वजह है कि तमाम लोग अपने पास इमरजेंसी के लिए प्रीपेड कार्ड रखते हैं। जैसे ही उनका बैलेंस खत्म होता है, तो वे प्रीपेड कार्ड को स्क्रैच करके अपने मोबाइल को रिचार्ज कर लेते हैं। हालांकि यह तरीका बेहद आसान है, लेकिन पिछले दिनों आई एक रिसर्च में बताया गया है कि कार्ड स्क्रैच करने से लोग कैंसर के शिकार हो सकते हैं।

खतरनाक धातुएं

असल में प्रीपेड रिचार्ज कूपन का स्क्रैचिंग एरिया सिल्वर नाइट्रिक ऑक्साइड से कोटेड होता है। साथ ही, कोटिंग सामग्री में कैडमियम और एल्युमिनियम भी होता है। ज्यादातर लोग रिचार्ज कार्ड को नाखून की मदद से ही स्क्रैच करते हैं। ऐसे में, कोटिंग सामग्री में मौजूद तमाम खतरनाक धातुएं नाखून में जमा हो जाती हैं। इसके बाद जब भी लोग खाना खाते हैं, तो नाखून में मौजूद ये कोटिंग सामग्री खाने के साथ या फिर स्मॉल बॉडी वेसेल्स के जरिए सीधे शरीर में पहुंच जाते हैं।

डीएनए को नुकसान

आजकल कई परीक्षाओं में भी विद्यार्थी अपने प्रश्नपत्रा या कॉपी नंबर को स्क्रैच करते हैं। इसके अलावा, आजकल कई कंपनियां अपने उत्पाद के साथ फ्री गिफ्ट वाले स्क्रैच कार्ड भी देती हैं। इन सभी लोगों के कैंसर का शिकार होने का खतरा काफी ज्यादा होता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, स्क्रैच कोटिंग में पाए जाने वाले रसायन शरीर में जाने के बाद डीएनए को क्षतिग्रस्त कर देता है। थोड़े समय बाद शरीर में कैंसर एजेंट कार्सिनोजेन विकसित हो जाता है। इस वजह से ब्लैडर कैंसर, लिवर कैंसर या ब्लड कैंसर होने की आशंका रहती है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि इस कैंसर का पता बहुत बाद में पता लगता है।

ग्लैडर कैंसर

डॉक्टर मानते हैं कि भारी धातुओं की वजह से ग्लैडर कैंसर के मरीज बहुत देखने में आते हैं। इस तरह का कैंसर बेहद खतरनाक हो सकता है, क्योंकि इसका पता काफी देर से चलता है। इसके डायग्नोसिस के लिए बायोप्सी का प्रयोग किया जाता है। इसके अलावा खून की जांच, पेशाब की जांच, इंडोस्कोपी, एक्सरे और अल्ट्रासाउंड की मदद से भी इसका टेस्ट किया जाता है।

ऐसे बचें

कैंसर के खतरों से बचने के लिए बेहतर है कि कार्ड स्क्रैच करने के लिए हाथों जगह कोई दूसरी ठोस वस्तुओं का इस्तेमाल किया जाए। अगर हाथों से स्क्रैच कर रहे हैं तो तुरंत अपने हाथ साफ करें। बेहतर होगा कि मोबाइल में रिचार्ज कराने के लिए ई रिचार्ज या फिर इंटरनेट रिचार्जिंग की सुविधाएं अपनाएं।

फोन तोड़ने में हम सबसे आगे...

मोबाइल फोन उपयोग के मामले में भारत चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा देश है, लेकिन फोन तोड़ने के मामले में भारत ने सबको पीछे छोड़ दिया है। भारत में कुल मोबाइल फोन ग्राहकों में लगभग दो तिहाई लोग अपने फोन की स्क्रीन तोड़ चुके हैं। इसमें भी रोचक तथ्य यह है कि भारत में महिलाएं पुरुषों की अपेक्षा मोबाइल फोन ज्यादा गिराती हैं। एक सर्वे के मुताबिक गिरकर खराब हुए मोबाइल फोन में 58 फीसदी मामले महिलाओं द्वारा फोन गिराने के रहे हैं।

आठ माह में ही टूटे फोन

एक ताजा सर्वे के मुताबिक 50 प्रतिशत से अधिक लोगों के स्मार्टफोन की स्क्रीन अमूमन स्मार्टफोन खरीदने के आठ महीने के अंदर टूट जाते हैं। यात्रा करते समय, भीड़ से भरी ट्रेन या बस में चढ़ते या उतरते समय, कई काम एकसाथ करते समय, सेल्फी लेते समय अक्सर मोबाइल गिरकर टूट जाते हैं या खराब हो जाते हैं। गेजेट एवं इलेक्ट्रॉनिक्स सुरक्षा कंपनी 'आनसाइटगो' ने बीते एक साल के दौरान मरम्मत के लिए आए 4,000 से अधिक स्मार्टफोन के खराब होने के पीछे के कारणों का विश्लेषण किया। सर्वे के अनुसार, सेल्फी लेते समय फोन गिरने की घटना सर्वाधिक होती है और इसमें शायद ही किसी को यह मानने में परेशानी हो कि महिलाएं सेल्फी की दीवानी अधिक होती हैं।

जागरूकता की कोशिश

वास्तव में यह सर्वे मोबाइल फोन के प्रयोग के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए तथा मोबाइल को टूटने से बचाने के लिए किया गया। अगर लोगों को समझाया जाए कि मोबाइल फोन कौन सी स्थिति में टूट सकता है तो वे उन परिस्थितियों में अधिक सतर्कता बरत सकते हैं। सर्वे में पाया गया कि मरम्मत के लिए आए सर्वाधिक स्मार्टफोन में स्क्रीन टूटने की समस्या रही। मोबाइल फोन की स्क्रीन गिरने से टूटती है। गोरिल्ला ग्लास जैसे अत्याधुनिक तकनीक और टेम्पर्ड ग्लास के उपयोग से स्क्रीन खराब होने का खतरा कम होता है फिर भी इससे पूर्ण सुरक्षा नहीं मिलती।

टूटे फोन का इस्तेमाल

सर्वे से मिले कुछ रोचक तथ्यों पर गौर करें तो 36 प्रतिशत भारतीय फोन की स्क्रीन के टूटने के बाद भी या उंगली कटने के बावजूद उसका प्रयोग करते रहते हैं। 37 प्रतिशत भारतीयों के मुताबिक मरम्मत का खर्च सर्वाधिक है। 50 प्रतिशत भारतीय तो अपनी ही गलती से मोबाइल खराब करते हैं। विश्वभर में 50 फीसदी से भी ज्यादा लोग अब तक कम से कम एक बार अपने फोन की स्क्रीन तोड़ चुके हैं। भारत में 65 फीसदी से भी ज्यादा मोबाइल फोन उपभोक्ता कम से कम एक बार अपने फोन की स्क्रीन तोड़ चुके हैं। इस मामले में सबसे अच्छा रिकॉर्ड यूएस का है। यहां औसतन 34 फीसदी लोग अब तक कम से कम एक बार स्क्रीन तोड़ चुके हैं। 42 फीसदी लोग ऐसे हैं जो मोबाइल की स्क्रीन टूटने के बाद उसका रिपेयर कराते हैं। परंतु 23 फीसदी ऐसे लोग हैं जो टूटी स्क्रीन के साथ ही फोन का उपयोग करते हैं।

सेल्फी से संबंध

खास बात यह कही जा सकती है कि विश्वभर में सेल्फी लेने के क्रम में फोन तोड़ने का औसत 7 फीसदी है। जबकि इस मामले में भारत वैश्विक औसत से लगभग ढाई गुना आगे है। भारत में 17 फीसदी मोबाइल उपभोक्त ऐसे हैं जिन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी सेल्फी अपलोड करने के क्रम में फोन तोड़ डाला। इससे पता चलता है कि भारत में सेल्फी का शौक किस कदर भारी पड़ा है। इस मामले में ब्राजील सबसे पीछे है वहां मात्र 3 फीसदी लोगों ने ही सेल्फी लेने के क्रम में फोन तोड़ा है। विश्वभर में 7 फीसदी ऐसे लोग हैं जिनका फोन सेल्फी लेने के दौरान गिरकर टूट गया है। वहीं 5 फीसदी ऐसे हैं जिनका फोन उस वक्त गिर कर टूटा जब वे किसी को दे रहे थे या किसी से फोन ले रहे थे। 32 फीसदी केस में लोगों के फोन पॉकेट से गिर कर टूट जाते हैं जबकि 27 फीसदी लोगों के फोन लेकर उठने-बैठने के दौरन गिर कर टूट जाते हैं।

शुगर स्तर कम करने में मदद करता है जीरा

जीरा न सिर्फ भोजन के स्वाद को बेजोड़ बनाता है बल्कि कई बीमारियों में भी बहुत लाभदायक होता है। डायबिटीक लोगों के लिए जीरा अत्यंत लाभकारी है। यह खून में शुगर स्तर को कम करने में मदद करता है। जीरे में आयरन भरपूर मात्रा में होता है जिससे यह खून की कमी यानी एनीमिया को दुरुस्त करता है और रक्त में हीमोग्लोबिन के स्तर को बढ़ाता है।

यह शरीर में ऑक्सीजन का सभी हिस्सों में पहुंचना सुचारू करता है। दमे के मरीजों को इसके भरपूर लाभ मिलते हैं। इसमें थायमोजयीनॉन नामक एक खास तत्व होता है जो दमे को रोकने बहुत कारगर है। भारतीय पाक कला में मसालों के इस्तेमाल का अलग ही महत्व है। मसाले न सिर्फ स्वाद बढ़ाने का काम करते हैं बल्कि ये

स्वास्थ्य के लिए भी बेजोड़ होते हैं। हमारे खाने में कई पकवान तो इन मसालों के नाम पर ही जाने जाते हैं जैसे ज्यादातर पसंद किया जाने वाला जीरा राइस। सही समझे आप, जीरे में कई तरह के गुण छुपे हुए हैं जिनसे आपकी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं दूर हो सकती हैं। जीरा काला, सफेद और मटमैले रंग में उपलब्ध होता है। जीरे के स्वास्थ्य संबंधी गुण इसे न केवल भारतीय खाने का अहम हिस्सा बनाते हैं बल्कि पुराने समय में यह रोमन, ग्रीक और मिस्र संस्कृति का भी खास हिस्सा था। इतना खास कि यह करंसी के तौर पर इस्तेमाल किया जाता था। जीरा शरीर के सभी अंगों के लिए बहुत फायदेमंद है क्योंकि इसकी तासीर गर्म होती है और इसके उपयोग से कई प्रकार के लाभ होते हैं। हमारे शरीर में विभिन्न कारणों से गंदगी आ जाती हैं जिन्हें शरीर पसीने और फुंसियों के रूप में बाहर निकालता है। जीरे का नियमित इस्तेमाल शरीर की शोधन करने की प्रक्रिया को तेज करता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**